बूथों का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

● **अब्दुल कैय्यूम**

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी इनायत खान एवं पुलिस अधीक्षक अमित रंजन द्वारा संयुक्त रूप से 12 अप्रैल को सिकटी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत कुर्साकांट एवं सिकटी प्रखंड क्षेत्र के Vulnerable एवं Critical बूथों का निरीक्षण किया। साथ ही निरीक्षण के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, अररिया की अध्यक्षता में सिकटी विधानसभा के सहायक निर्वाची पदाधिकारी एवं सभी सेक्टर पदाधिकारियों के साथ सममीक्षात्मक बैठक भी की गई। इससे पूर्व निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सिकटी विधानसभा अन्तर्गत कुर्साकांटा एवं सिकटी प्रखंड के सेंसेटिव इलाकों के टनसदमतंइसम एवं ब्तपजप. बंस बूथों वाले क्षेत्रों का जायजा लिया गया। इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा संबंधित ईआरओ को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। संबंधित पदाधिकारियों को चिन्हित Vulnerable एवं Critical बूथों वाले क्षेत्र में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया। उपद्रवियों के खिलाफ भी निरोधात्मक कार्रवाई समय करने का निर्देश दिया। साथ ही उक्त क्षेत्र में स्वीप गतिविधियों तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कराने तथा इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया।

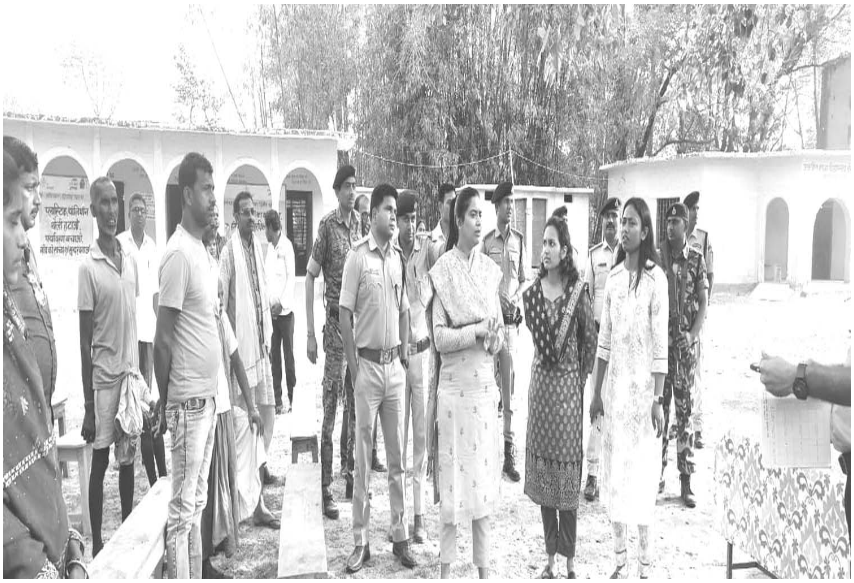

निरीक्षण उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, अररिया की अध्यक्षता में सिकटी विधानसभा के सहायक निर्वाची पदाधिकारी एवं सभी सेक्टर पदाधिकारियों के साथ सममीक्षात्मक बैठक भी की गई। जिसमें सेक्टर पदाधिकारियों के कार्य एवं दायित्व की समीक्षा, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के स्तर पर अबतक की गई तैयारी, मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं, सभी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण, मतदान केंद्र पर साइनेज एवं दिवार लेखन आदि, वाहन आवश्यकता की स्थिति, CPFM की आवासन की तैयारी, Webcasting की तैयारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के स्तर पर की गई तैयारी, इत्यािद की गहन समीक्षा की गई। इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारी को चुनाव पूर्व सभी तैयारी ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त अररिया, वरीय प्रभारी पदाधिकारी निर्वाचन सह जि0लो0शि0नि0 पदाधिकारी अररिया, विशेष कार्य पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता आपदा अररिया, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं चुनाव से सम्बद्ध पदाधिकारीगण उपस्थित थे।●

नामांकन प्रक्रिया को लेकर आवश्यक तैयारियां शुरू

● **अब्दुल कैय्यूम**

लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेके अररिया में 07 मई को चुनाव के तहत 12 अप्रैल 2024 से कलक्ट्रेट में नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। नामांकन प्रक्रिया को लेकर जिला प्रशासन अररिया द्वारा आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई है। समाहरणालय परिसर में बैरिकेडिंग लगाने का काम शुरू हो गया है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी अररिया द्वारा बताया गया मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर नामांकन के क्रम में आने वाले प्रत्याशी का RO के वैश्य कक्ष में पहुँचने का रूट चार्ट एवं विधि व्यवस्था के दृष्टि-कोण से चिन्हित किये गए Sensitive point पर ड्रॉप गेट एवं पुलिस बल की तैनाती से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराया कराया गया। प्रत्याशी समाहरणालय अररिया अनुमंडल पदाधिकारी के ऑफिस के सटे प्रवेश द्वार से समाहरणालय में प्रवेश करेंगे। प्रत्याशी के साथ अन्य पाँच अभिकर्ता आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्याशी के सहायता हेतु निर्वाचन विभाग के सामने Help Desk भी तैयार किया गया है। विधि व्यवस्था के दृष्टि कोण से अनमंडल पदाधिकारी का आवास, नगर थाना, ऑफीसर कॉलोनी, समाहरणालय अररिया के सभी प्रवेश द्वार पर ड्रॉप गेट लगाए गये हैं। प्रत्याशी अपने साथ अधिकतम 03 वाहन के साथ आ सकते हैं, जो प्रवेश द्वार तक आऐंगें एवं Jail Campus में पार्किंग करेंगें। इस हेतु एक नक्शा/रूट चार्ट भी तैयार किया गया। वहीं उन्होंने बताया कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के क्रम में स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण भयमुक्त वातावरण में मतदान संपन्न कराने को लेकर सिकटी प्रखंड के नेपाल बॉर्डर से सेट संवेदनशील बूथों वाले इलाकों में अनुमंडल पदाधिकारी अररिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अररिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी सिकटी एवं थानाध्यक्ष सिकटी द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया गया।●

पकड़ी पंचायत मुखिया के घर हुई लूट-पाट

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के पलासी थाना क्षेत्र के पकरी गांव में 11 मार्च की रात्रि आठ से दस की संख्यां में आए हथियारबंद बदमाशों ने मुखिया संगीता मल्लिक के घर पर धावा बोल कर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। इस मामले को लेकर मुखिया पति जितेंद्र मल्लिक के लिखित आवेदन पर अज्ञात अपराधियो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। दर्ज प्राथमिकी में जितेंद्र मल्लिक ने कहा है कि पांच मार्च को वह अपनी पत्नी के साथ पटना गया हुआ था। उनके पिता, माता व चचेरा भाई उनके घर पर था। रात्रि करीब 12.35 बजे उन्हें सूचना मिली कि घर में लूटेरो द्वारा घर का सारा सामान लूट लिया। उनके पिता मुन्दर मल्लिक, माता शांति देवी व भाई शंकर मल्लिक को बंधक बनाकर घटना को अंजाम दिया। लूटेरो ने घर में रखा नगदी, लेपटॉप, नगदी, कपड़ा व जेबरात को लूट कर चलता बना। लूटेरो के जाने के बाद उनके चचेरा भाई ने बड़ी मुश्किल से हाथ खोल कर हल्ला किया। उस के बाद ग्रामीण लोग पहुँचे तथा अपराधी को भागते देखे। सूचक ने आवेदन में कहा हैं कि 10-12 की संख्या में अपराधी थे तथा सभी नकाब पौष थे। हो हल्ला पर गश्ती दल घटना स्थल पर पहुच कर थानाध्यक्ष को सूचना दी। सूचना पाकर थानाध्यक्ष स्वयं घटना स्थल पर पहुँच कर घटना की जानकारी ली। इधर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि घटना की बारीकी से जांच की जा रही है। अपराधी शीघ्र सलाखों के पीछे होगा।●

पीड़ित मुखिया संगीता मल्लिक व उनके पति जितेंद्र मल्लिक

बिहार दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

● अब्दुल कैय्यूम

बिहार दिवस 2024 के अवसर पर 22 मार्च को जिला प्रशासन, अररिया के तत्वाधान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम बिहार दिवस का आगाज लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर मतदाता जागरूकता थीम पर आधारित मतदाता जागरूकता रैली से हुआ। मतदाता जागरूकता रैली में स्थानीय स्कूली बच्चों, आईसीडीएस कर्मियों, जीविका दीदियों एवं स्थानीय प्रबुद्धजनों सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी गण द्वारा भाग लिया गया। जागरूकता रैली को अनुमंडल पदाधिकारी अररिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अररिया, जिला शिक्षा पदाधिकारी अररिया, विशेष कार्य पदाधिकारी अररिया, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस सहित उपस्थित पदाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। SVEEP गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता रैली को समहारणालय परिसर अररिया से एडीबी चौक होते हुए आश्रम मुहल्ला, +2 गर्ल्स हाई स्कूल, काली मंदिर, चाँदनी चौक होते हुए पुनः समाहरणालय परिसर अररिया पहुंच कर समाप्त हुई। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता से संबंधित नुक्कड़ नाटक का भी प्रदर्शन किया गया। वहीं संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल अररिया में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक श्री अमित रंजन, विशेष कार्य पदाधिकारी अररिया, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अररिया, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अररिया, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा एवं उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला आईकॉन श्री अमर आनंद, प्रिया कुमारी एवं कई अन्य स्थानीय कलाकार उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कस्तुरबा विद्यालय अररिया, बालिका उच्च विद्यालय अररिया, मोहनी देवी मेमोरियल स्कूल अररिया, अररिया कला केंद्र, एमपीएस फारबिसगंज के बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। देर शाम समहारणालय परिसर में बिहार दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत दीपोत्सव/रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीपोत्सव कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी श्रीमती इनायत खान द्वारा भाग लिया गया। मौके पर जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी गण उपस्थित थे।●

विधायक बनने के एक साल बाद ही एम.पी. का चुनाव जीत गये थे पप्पू यादव

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया 18वीं लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करके जनअधिकार पार्टी लोकतांत्रिक के संस्थापक राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जहां सबको चौंका दिया, वहीं पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से ही चुनाव लड़ने की उनकी जिद् ने कांग्रेस समेत पूरे महागठबंधन को पशोपेश में डाल दिया। 28 मार्च को लोकसभा चुनाव के नामांकन के पहले दिन तक पूर्णिया से लेकर दिल्ली तक पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनकी सीट को लेकर माथापच्ची करते रहे। पप्पू यादव को लेकर इतनी माथापच्ची क्यों हो रही है इसके पीछे उनका इतिहास और वोटरों की नब्ज पकड़ने की उनकी कला की वजह से ही संभव है। सीट शेयरिंग की पेंच क्यों फंसी है अगर आपको यह समझना है तो आपको पहले राजेश रंजन का इतिहास जनना होगा। गौर करे कि यादव वोटरों और गरीबों पर जबरदस्त पकड़ रखने वाले पप्पू यादव ने साल 1990 में भारतीय राजनीति में कदम रखा। 24 दिसंबर 1969 को बिहार के कुमारखंड के खुर्दाकरवेली गांव में एक जमींदार परिवार में जन्मे राजेश रंजन ने मधेपुरा के सिंहेश्वर से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और वहां से 34 साल पहले विधायक के रूप में अपना पहला चुनाव लड़ा। इसके ठीक एक साल बाद 1991 में हुए आम चुनाव में पप्पू यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से पर्चा भरा और वे जीत गए। उसके बाद से

पप्पू यादव ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल करने के चार साल बाद और सिंहेश्वर सीट से विधायक के रूप में चुनाव जीतने के 5 साल बाद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव एक बार फिर से अपनी राजनैतिक पिच की सिंहेश्वर की ओर लौटे। लेकिन विधायक और सांसद बनने के बीच गुजरे वक्त ने उनके लिए सिंहेश्वर में राजनीतिक समीकरण भी बदल दिया। 1995 में हुए विधानसभा चुनाव में सिंहेश्वर सीट से पप्पू यादव को हार का सामना करना पड़ा। विधायक कैंडिडेट के रूप में मिली हार के बाद पप्पू यादव एक बार फिर से पूर्णिया की ओर लौटे और उन्होंने साल 1996 में सपा ने उन्हें अपने प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतारा। इस चुनाव में उन्हें जीत हासिल हुए और वे दूसरी बार सांसद के रूप में दिल्ली पहुंचे। वर्ष 1999 में पप्पू यादव ने तीसरी बार लोकसभा चुनाव में नामांकन किया। इस बार एक बार फिर से उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी पर्चा दाखिल किया। इस चुनाव में वे तीसरी बार पूर्णिया सीट से लोकसभा के सदस्य चुने गए। इसके बाद साल 2004 में पप्पू यादव ने लालू प्रसाद यादव की लालटेन की लौ के सहारे राजनीति के गिलयारों में रास्ता तलाशने लगे। इस साल हुए आम चुनाव में उन्हें राजद ने मधेपुरा से टिकट दिया और वे चुनाव जीत गए। इसके ठीक 10 साल बाद साल 2014 में मोदी लहर के बावजूद पप्पू यादव ने न सिर्फ बीजेपी बल्कि मधेपुरा सीट से चार बार के सांसद रहे शरद यादव को 50 हजार वोटों के अंतर से हराया। 16वीं लोकसभा चुनाव में जदयू के कद्दावर नेता रहे शरद यादव को पटखनी देने के ठीक एक साल बाद ही राजद ने पार्टी की टिकट पर सांसद रहते पप्पू यादव को निष्कासित कर दिया। राजद ने उन्हें पार्टी विरोधि गतिविधियों के चलते दल से बाहर कर दिया। लेकिन इसी साल पप्पू यादव को बेस्ट सांसद का अवार्ड मिला। राजद से निकाले जाने के बाद पप्पू यादव ने राजद और जदयू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और अपनी पार्टी खड़ी की। पार्टी बनाने के बाद उन्होंने साल 2019 में मधेपुरा से अपनी ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, मगर वे इस चुनाव में हार गए। उन्हें सिर्फ 8 फीसदी ही वोट प्राप्त हुए और उन्हें जदयू के दिनेश चंद्र यादव ने 17वीं लोकसभा चुनाव में हरा दिया। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े।

खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सीमांचल के गांधी ने पूरा किया था सरपंच से केंद्रीय मंत्री तक का सफर

● धर्मेन्द्र सिंह

तस्लीमुद्दीन एक ऐसा नाम जो बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहे हो लेकिन किशनगंज के विकास को लेकर तस्लीमउद्दीन की सक्रियता उन्हें यहां के लोगों के दिलो में अलग जगह देती है। तस्लीमउद्दीन का नाम आता है तो जेहन में सबसे पहले यही बात गूंजती है की वह शख्स जिसने सीमांचल के तीन लोकसभा क्षेत्रों के सांसद बनकर दिल्ली में प्रतिनिधित्व किया। यह उनकी लोकप्रियता ही थी की वे तीन संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर पाए। गौर करे कि अररिया जिले के जोकीहाट प्रखंड के सिसौना गांव में जन्मे तस्लीमउद्दीन को पहली बार सांसद बनाने का श्रेय पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र की जनता को जाता है। तस्लीमुद्दीन 1989 में पहली बार पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए, उन्होंने यह चुनाव जनता दल के टिकट पर जीता। वहीं दूसरी बार सांसद 1996 में किशनगंज से 1998 में पुन: किशनगंज से और 2004 में भी किशनगंज से सांसद चुने गए। वही 2014 के चुनाव में अररिया से चुनाव जीतकर 16वीं लोकसभा के सदस्य रहे। गौर करे कि तस्लीमुद्दीन ने 1959 में सरपंच का चुनाव जीता सरपंच के बाद तस्लीमुद्दीन 1964 में मुखिया बने। 1969 में कांग्रेस के टिकट

पर पहली बार जोकीहाट से विधायक चुने गए। तस्लीमुद्दीन 1969 से 1996 के बीच सात बार बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गये और 1989 में पहली बार वह 09वीं लोकसभा के सदस्य चुने गये। उन्होंने 1996 में 11वीं, 1998 में 12वीं, 2004 में 14वीं और 2014 में 16वीं लोकसभा के सदस्य रहे। 1989 में पहली बार जनता दल के टिकट पर तस्लीमुद्दीन पूर्णिया से सांसद चुने गये और 1991 में किशनगंज लोकसभा सीट से वह चुनाव हार गये थे। 1995 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर जोकीहाट विधानसभा का चुनाव जीता था और किशनगंज लोकसभा सीट पर 1996 में हुए आम चुनावों में तस्लीमुद्दीन ने जीत दर्ज की थी। किशनगंज को विकास की राह पर चलना सिखाया था तस्लीम उद्दीन ने अपने सांसद रहने के दौरान तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री के सहयोग से सड़क के मामले में अत्यंत पिछड़े इस किशनगंज जिले में सडको का जाल बिझा दिया। चाहे बंगाल की सीमा मुरिगछ से ठाकुरगंज होते हुए सुदूर खारुदाह पंचायत तक सड़क निर्माण की बात हो या चेंगा नदी में पुल निर्माण की इन उपलब्धियों के लिए इलाके की जनता उन्हें हमेशा याद रखेगी।वही इलाके की रेल सेवा को लेकर उनके प्रयास भी सदियों तक याद किये जायेंगे। चाहे अलुआबाड़ी रोड से ठाकुरगंज होते हुए सिलीगुड़ी तक आमान परिवर्तन का काम हो या गलगलिया अररिया नई रेल लाइन का काम यह तस्लीमउद्दीन के प्रयास से ही संभव हो पाया। यूपीए वन के दौरान इलाके की बदहाली को सरकार के सामने रख कर तस्लीमउद्दीन के प्रयास से ही योजना आयोग की टीम किशनगंज आई और इसके बाद इलाके के विकास के लिए कई योजनाये केंद्र सरकार ने शुरू की। इन्ही योजनाओं में एक था गलगलिया से भद्रपुर के बीच मेची नदी पर पक्के पुल का निर्माण कार्य। ●

मोहम्मद जावेद के खिलाफ लोगों ने किया जमकर विरोध

● धर्मेन्द्र सिंह

लोकसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। चुनाव के मैदान में उतरे प्रत्याशी जोरशोर से चुनाव प्रचार में लगे हैं। इस दौरान कुछ उम्मीदवारों को क्षेत्र की जनता का विरोध का सामना करना पड़ रहा है।लोग प्रत्याशियों से कई सवाल कर रहे हैं जिसका जवाब देते नहीं बन रहा है। गौर करे कि किशनगंज में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। यहां से एनडीए और महागठबंधन के प्रत्याशी ने अपना नामांकन भी कर दिया है अब कैंडिडेट चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस सांसद मो. जावेद आजाद के खिलाफ किशनगंज में लोगों ने जमकर विरोध किया। मो. जावेद जब बायसी में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे तभी एक युवक उनसे सवाल करने लगा। युवक का कहना था कि सांसद फंड का इस्तेमाल किशनगंज में जितना होना चाहिए था उतना नहीं हुआ। युवक कांग्रेस उम्मीदवार से सांसद फंड के 5 करोड़ का हिसाब मांगने लगा। युवक ने जब कांग्रेस सांसद का विरोध किया तब स्थानीय लोग भी उसके समर्थन में खड़े हो गये। लोगों का कहना था कि कांग्रेस सांसद मो. जावेद ने किशनगंज की जनता से कई वादे किए थे लेकिन वो वादा आज तक उन्होंने पूरा नहीं किया। यहां तक कि सूर्यापूरी समाज को अब तक ईबीसी 2 का दर्जा तक नही दिलाया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कांग्रेस सांसद का जमकर विरोध किया। लोगों के आक्रोश को देखते हुए कांग्रेस सांसद मो. जावेद आजाद ने कहा

कि सूर्यापूरी मामले को लेकर हमने संसद में सवाल उठाया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी पत्र लिखा था। जिसके बाद उनके तरफ से यह जवाब आया कि सूर्यापूरी समाज के लोगों को रिजर्वेशन की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस सांसद जावेद ने विरोध कर रहे लोगों के सवालों का जवाब दिया। लेकिन स्थानीय लोग उनके जवाब से संतुष्ट नहीं थे वो लगातार क्षेत्र के सांसद का विरोध कर रहे थे। गौर करे कि कांग्रेस ने किशनगंज से डा. मोहम्मद जावेद को फिर से चुनाव के मैदान में उतारा है। जबकि एनडीए ने मुजाहिद आलम को अपना उम्मीदवार बनाया है। ●

सीमांचल के मुस्लिम बहुल सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

● धर्मेन्द्र सिंह

कभी कृष्णाकुंज कहा जाने वाला किशनगंज सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला जिला हैं। पिछले तीन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार ने यहां जीतने की हैट्रिक लगाई है। लोकसभा चुनाव 2009, 2014 में कांग्रेस से असरारुल हक कासमी चुनाव जीते थे तो लोकसभा सांसद रहने के दौरान असरारुल हक कासमी की मौत हो जाने के बाद किशनगंज के विधायक डा. मो. जावेद आजाद को यह सीट मिली। लोकसभा चुनाव 2019 में देश भर में मोदी लहर के बावजूद डा. मो. जावेद आजाद ने बिहार के सीमांचल में कांग्रेस के गढ़ को बरकार रखा। सीमांचल के सबसे चर्चित किशगनंज लोकसभा क्षेत्र में एमआईएमआईएम चीफ और असदुद्दीन ओवैसी की एंट्री के बावजूद कांग्रेस का गढ़ छीना नहीं जा सका। साल 2019 में उनका उम्मीदवार तीसरे नंबर पर रहा था। हालांकि, ओवैसी लोकसभा चुनाव 2024 में भी इस सीट पर किस्मत आजमाने की कोशिश में जुटे हैं। किशनगंज को मुस्लिम बहुल इलाका माना जाता है और यहां 68% मुस्लिम और 32% अन्य वोटर है इसलिए सभी पार्टियां यहां मुस्लिम कार्ड खेलने से नही चूकते है। गौर करे की यहां मुख्य रूप से मैदान में तीन उम्मीदवार है और तीनो उम्मीदवार मुस्लिम है। जेडीयू से मुजाहिद आलम, एआईएमआईएम से अख्तरूल ईमाम को टिकट दिया गया है और कांग्रेस से डा. मो. जावेद आजाद को उम्मीदवार बनाया गया है। सभी मुस्लिम कैंडिडेट है इसलिए यहां के 68% मुस्लिम वोटरों का बिखराव होना तय है। ऐसे में 32% वोटर बड़ा खेल कर सकता है लेकिन देखने वाली बात होगी कि इस त्रिकोणीय मुकाबले में कौन बाजी मरता है। ●

खनन विभाग को इस साल 36 करोड़ का मिला राजस्व

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में खनन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 36 करोड़ रुपए के राजस्व की वसूली की है। इसमें ईट भट्ठा, बालू, कार्य विभाग से प्राप्त राशि, जुर्माना, मिट्टी सहित अन्य राशि से प्राप्त राजस्व शामिल है। जिले में पांच यूनिट बालू घाट को चालू करने की अनुमति मिली है। जिसमें से अभी दो यूनिट ही चालू है। अगर सभी यूनिट चालू हो जाए तो खनन विभाग के राजस्व में और वृद्धि हो जाएगी। खनन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में ईट से प्राप्त राजस्व 197.42 लाख, बालू से 711.43 लाख, कार्य विभाग से 1497.44 लाख, जुर्माना से 490.67 लाख, मिट्टी से 436.8 लाख व अन्य स्त्रोत से 7.80 लाख रुपए व अवैध खनन सहित अन्य से प्राप्त राजस्व 256.34 लाख रुपए सहित कुल 3597.9 हजार रुपए राजस्व की प्राप्ति हुई है। जिले में महानंदा, डोक, कनकई, चेंगा, रतुआ नदी किनारे स्थित बालू घाटों से बालू संवेदक द्वारा बालू का उठाव किया जाता है। हर वर्ष इन घाटों का टेंडर होता है। जिससे विभाग को राजस्व की प्राप्ति होती है। इसके अलावा जिले में करीब 168 ईट भट्ठे संचालित हो रह है। जिससे खनन विभाग को राजस्व की प्राप्ति होती है। अभी जिले में सभी ईट भट्टे एनजीटी के मानक के अनुरुप चल रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में मानक का पालन नहीं करनेवाले बिना सीटीओ (कंसेट टू ऑपरेट) के संचालित पांच ईट भट्ठे को बंद कर दिया गया है। प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के निर्देश पर इन ईट भट्ठों को बंद कर दिया गया था। ईट भट्ठा संचालन के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी के साथ-साथ सीटीओ का होना जरुरी है। ●

दिव्यांगजनों ने साईकिल रैली निकालकर मतदान करने का दिया संदेश

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तुषार सिंगला द्वारा दिव्यांग मतदाताओं को जागरूक करने हेतु साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर समाहरणालय परिसर से 15 अप्रैल को रवाना किया गया। यह रैली डे मार्केट से गांधी चौक होते हुए मनोरंजन क्लब पहुंची। रैली में लगभग 25 दिव्यांगजन अपने बैट्री चालित ट्राईसाईकिल पर सवार होकर चल रहे थे। उनके साथ साथ 20 स्काउट गाइड का जस्ता तथा बुनियाद संजीवनी वाहन को भी शामिल किया गया था। रैली में राज्य पीडब्ल्यूडी स्वीप आइकॉन अभ्युदय शरण भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी परवीन जहां, स्थापना उप समाहर्त्ता संदीप कुमार, जिला योजना पदाधिकारी कुंदन कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी मो. मिन्हाजुद्दीन, सचिव इन्डियन रेड क्रॉस सोसाईटी आभास साहा, जिला बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियंका कुमारी, निशा कुमारी, डीपीएम जीविका दीपक कुमार, प्रबंधक, बुनियाद केन्द्र किशनगंज नूरी बेगम, भारत स्काउट गाईड किशनगंज भी शामिल हुए। रैली में किशनगंज के आम जनता, खासकर दिव्यांगजनों को 26 अप्रैल दिन शुक्रवार को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। मतदान के महत्व और लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका के संबंध में मतदाता जागरूकता तथा मतदाताओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और चुनावों को सबसे नैतिक और कुशल तरीके से पूरा करने में स्वीप कोषांग की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वीप के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम पूरे जिले में चलाया जा रहा है। इस कड़ी में बूथ स्तर पर रोज रोज विभिन्न कार्यक्रम कराए जा रहे हैं। बूथ स्तर पर संबंधित बीएलओ, आंगनवाड़ी सेविका, आशा दीदी जीविका दीदी तथा विकास मित्रों की एक संयुक्त टीम बनाई गई है जो अपने क्षेत्र अंतर्गत मतदाताओं को वोट करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। विभिन्न पंचायतों में हो रही गतिविधियों का अनुश्रवण हेतु स्वीप कोषांग में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपा गया है।●

छिनतई की घटना का पुलिस ने किया उद्भेदन

● धर्मेन्द्र सिंह

मोतीबाग की रहने वाली शिक्षिका मीनू कुमारी से 28 मार्च को 3 लाख रुपए छिनतई की घटना घटी थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए एक टीम गठित की गई। टीम के द्वारा घटना का उदभेदन करते हुए कटिहार जिले के कोढ़ा से लुटे गए रुपये में ढाई लाख रुपये बरामद किए गए। किशनगंज 28 मार्च को करबला रोड से हुई 3 लाख रुपये की छिनतई की घटना का पुलिस ने उदभेदन कर लिया है। मामले में पुलिस की टीम ने बदमाशों की पहचान करते हुए ढाई लाख रुपये बरामद कर लिया है। घटना के उदभेदन के बाद बुधवार को एसपी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान एसपी सागर कुमार ने कहा कि मोतीबाग की रहने वाली शिक्षिका मीनू कुमारी से 28 मार्च को 3 लाख रुपए छिनतई की घटना घटी थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए एक टीम गठित की गई। टीम के द्वारा घटना का उदभेदन करते हुए कटिहार जिले के कोढ़ा से लुटे गए रुपये में ढाई लाख रुपये बरामद किए गए। घटना में शामिल दो बदमाशों की पहचान कर ली गई है।

छिनतई की घटना में इस्तेमाल की गई पल्सर बाइक को भी पुलिस ने बरामद किया है। बरामद बाइक की चोरी का मामला बेउर थाने में दर्ज है।●

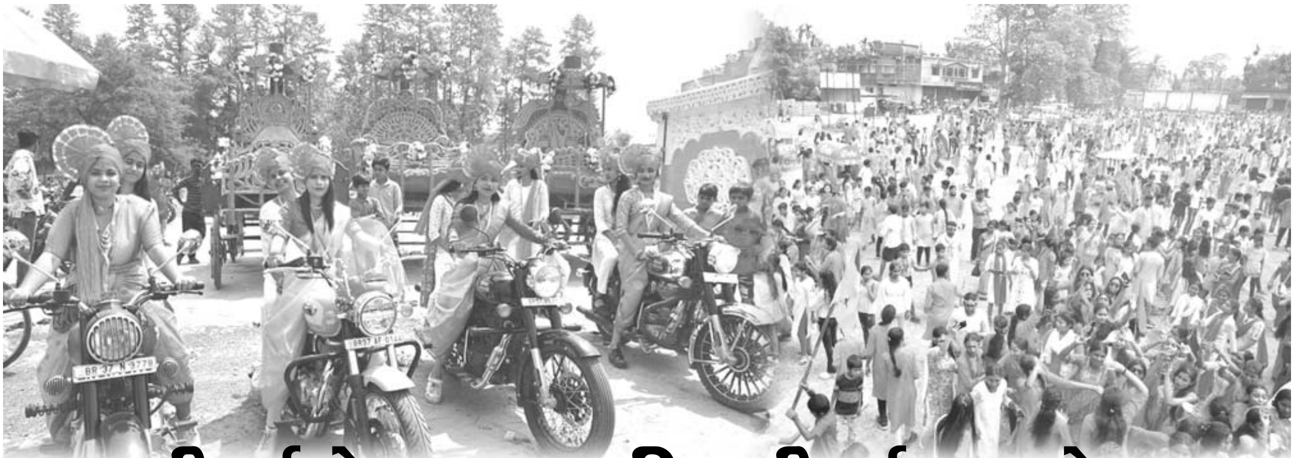

रामनवमी पर्व के अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

विधि-व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु विभिन्न धर्मिक स्थलों एवं चौक-चौराहों पर पुलिस रही तैनात

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले मे 17 अप्रैल को पूरा शहर भगवामय हो गया। सुबह से ही शहर के अलग-अलग इलाके से युवाओं की टोली भगवा वस्त्र धारण किए शहर का भ्रमण कर रहे थे। जैसे जैसे समय आगे बढ़ता गया उसी तरह पूरा शहर भगवा मय होता गया। मौका था रामनवमी पर निकाले गए भव्य शोभायात्रा का। जय श्री राम, हर हर महादेव के जयकारे से शहर गुंजायमान हो उठा था। सुबह से ही जय श्री राम, हर हर महादेव के जयकारे गूंजने लगे थे। जिले में रामनवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शहर के रूईधासा मैदान से शोभायात्रा प्रारंभ हुई और शहर के डे मार्केट, अस्पताल रोड, गांधी चौक, भगत टोली रोड, सौदागर पट्टी रोड, फल चौक, चांदनी चौक, नेमचंद रोड, गांधी चौक, महावीर मार्ग, धर्मशाला रोड, मनोरंजन क्लब, कैलटेक्स चौक, धर्मगंज चौक, पूरबपाली रोड होता हुआ भूतनाथ गौशाला शिव मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। यहां महाप्रसाद खिचड़ी का आयोजन किया गया था। जहां श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। शोभायात्रा में शामिल कई लोग पूरा वस्त्र ही भगवा धारण किए नजर आए।

शोभायात्रा में भगवान गणेश, शिव, माता पार्वती, राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, राधा कृष्ण आदि देवी देवता का रूप धारण किए हुए थे। जो आकर्षण का केंद्र बना। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं युवतियां भी शामिल हुई। शोभायात्रा में शामिल युवा हाथों में झंडा लिए और जय श्री राम का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। युवाओं में गजब का उत्साह देखा गया। इधर नागरिक एकता मंच के लोग भी सक्रिय भूमिका में दिखे। सभी लोग एक दूसरे से मिलकर रामनवमी की बधाई दे रहे थे। वहीं रामनवमी पर्व को लेकर जिले में एहतियातन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इसे लेकर प्रशासन व पुलिस के अधिकारी सुबह से ही शहर सहित जिले की हर गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। एसडीएम लतीफुर रहमान अंसारी, एसडीपीओ गौतम कुमार,

सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार 8 बजे सुबह के बाद से शोभायात्रा के समापन तक शहर का जायजा लेते हुए व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे। शहर में 30 से ज्यादा स्थानों व जिले में 215 स्थानों में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। वही यातायात डीएसपी भी लगातार ट्रैफिक व्यवस्था का मुआयना कर रहे थे। अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार, अवर निरीक्षक अंकित सिंह, अचला शर्मा, राकेश कुमार, सूरज कुमार रवि अलग अलग स्थानों में मौजूद रहे। शोभायात्रा के तय रूट वाले मार्गो में पुलिस के पदाधिकारी तैनात थें। कई स्थानों में महिला पुलिस की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी। वही डीएम तुषार सिंगला व एसपी सागर कुमार पल पल की स्थिति पर नजर बनाए हुए थे।एसपी ने पूर्व से ही

सभी थानाध्यक्ष को सतर्कता बरते जाने का निर्देश दिया था। पर्व के दो दिन पूर्व भी विडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से थानाध्यक्षों दिशा निर्देश दिया गया था।●

महाकाल भू-लोक के शासक हैं : गुरू साकेत

● धर्मेन्द्र सिंह

भगवान शिव की गणना भारत के द्वादश ज्योतिर्लिगों में होती है, किन्तु महाकाल का महात्म केबल इतना ही नहीं है, ब्रम्हाण्ड को मुख्यत: तीन लोकों में विभाजित किया गया है आकाश, पृथ्वी एवं पाताल। इन तीनों लोकों का शासन सर्व व्यापि सदा शिव अपने त्रिगुणात्मक स्वरूप से इस प्रकार करते है-आकाशे तारकं लिंग, पाताले हाटकेश्वरम्। भूलोके च महाकालं, लिंग त्रय नमोऽस्तुते।। आकाश में तारका लिंग तथा पाताल में हाटकेश्वर पूजित है। महाकाल भू-लोक के शासक है। योगी जन इन तीनों शिव लिंगों का स्मरण करके इन्हें नमस्कार करते हैं तो उनके द्वारा महादेव की मानस पूजा सम्पन्न हो जाती है। मंगलवार को महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि स्कन्ध पुराण में भगवान शिव के महाकाल वन में निवास तथा यहां से सृष्टि की संरचना का शुभारंभ करने की कथा है। स्कन्ध पुराण के ब्रम्होत्तर खण्ड में राजा चन्द्र सेन एवं श्रीकर गोप की शिव भक्ति तथा महाकालेश्वर की महिमा का गुणगान मिलता है। पुरातत्य तथा प्राचीन इतिहास के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि शिव की प्रतिमा से भी अधिक प्राचीन लिंग पूजन तथा लिंग का महत्व रहा है। गुरु साकेत कहते है कि लिंग एक रस, एक गुण एक परम तत्व पर ब्रह्म सृष्टि, पंचतत्व सबका प्रतीक है और नन्दी संसार के धर्म का तथा परब्रह्म की उपासना का प्रतीक है। इसलिए शिव लिंग के सामने अवस्थित रहता है। शिव के तेज का सहन करता है संभालता है। इसलिए प्राय: देखा गया है कि जहां शिव लिंग के सामने नन्दी नहीं होता वहां का लिंग अति उग्र हो जाता है। महाकाल लिंग के समक्ष नंदी नही होते हैं, जिस कारण वे अति उग्र है। शिव पुराण, वायु पुराण, कुर्म पुराण, लिंग पुराण, स्कन्ध पुराण (संहितात्मक तथा खण्डात्मक) वामन पुराण में तो विशेष रूप से आद्योपान्त इन्हीं की महिमा व्याप्त है। इन पुराणों इत्यादि सभी के अनुसार महाकाल (शिव) योगी राज हैं। सबमें शिव लिंग एकोऽहं द्वितीयो नास्ति का प्रतीक है तथा इस पर जल छोड़ने का अर्थ ब्रह्म में प्राण लीन करना है। गुरु साकेत ने बताया कि लिंग पुराण में महाकाल को मृत्यु लोक के

स्वाभी के रूप में स्तवन किया गया है 'मृत्यु लोके महाकालं लिंग रूप नमोऽस्तुते'। तंत्र शास्त्र की दृष्टि में दक्षिण मुखी शिवलिंग अति उग्र होने से प्रचण्ड शक्तिशाली एवं त्वरित फलदायी माना जाता है। भगवान महाकाल स्वरूप अपने आप में पूर्ण क्रोधमय स्वरूप है। उनके इसी क्रोध और प्रचण्डता से साथक के शत्रु भयभीत एवं निस्तेज हो जाते हैं। गुरु साकेत कहते है कि भगवान महाकाल अपने साधक की हर संकट से रक्षा करते हैं, खतरे की घड़ी में उसके हर सम्भावी खतरों से रक्षा करते हैं। यदि शत्रु आपकी जीवन के पीछे पड़ गये हों तो भी महाकाल की साधना से उनकी मति पलट जा सकती है और वे शांत हो जाते है। किसी प्रकार की कोई असामयिक दुर्घटना नही होती। ऐसा माना जाता है कि महाकाल के समक्ष महामृत्युंजय जप करने से आयी हुई मृत्यु भी उलटे पैर वापस लौट जाती है। रोगी स्वस्थ्य हो कर दीर्घायु हो जाता है। मरणशय्या पर पड़ा व्यक्ति भी नया जीवन पाता है। महाकाल काल चक्र के प्रवर्तक है ष्काल चक्र प्रवर्तको महाकाल: प्रतापन:। ष्फाल्गुण मास कृष्ण पक्ष षष्टी से चर्तुदशी तिथि तक उज्जैन नगरी में महाकालेश्वर नवरात्र हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी प्रकार महाकाल मंदिर किशनगंज में भी फाल्गुन कृष्ण पक्ष के षष्ठी से फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तक महाकाल नवरात्र मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु जलाभिषेक कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने की याचना करते हैं। महाकाल अपने प्रत्येक भक्त को पिता स्वरूप सर्वत्र रक्षा करते हैं। तथा भक्तों की प्रत्येक मनोकामना पूर्ण करते हैं। महाकाल की आराधना से अकाल मृत्यु का योग नष्ट हो जाता है।●

साड़ी दुकानदार से बना गोल्ड तस्कर

● धर्मेन्द्र सिंह

मारवाड़ी युवा मंच के जिलाध्यक्ष दिनेश पारिक को डीआरआई के द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। सफेद पोश समाजसेवी का मुखौटा पहन कर सोने का काला कारोबार करने की जानकारी जैसे शहर वासियों तक पहुंची सभी लोग तरह तरह की चर्चा करने लगे। दिनेश पारिक की गिरफ्तारी को लेकर लोग चौक चौराहे पर चर्चा करते दिखे। गौरतलब हो की दिनेश पारिक सहित तीन लोगो को 11 अप्रैल को सिलीगुड़ी डीआरआई ने 1 करोड़ 2 लाख रुपए मूल्य के सोने और 82 लाख 50 हजार रुपए नकदी के साथ सिलीगुड़ी जंक्शन इलाके से गिरफ्तार किया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिनेश सहित तीनो लोगो को डीआरआई टीम ने तीन दिनों के लिए रिमांड पर लिया है। गौर करे की दिनेश पारिक अपने बड़े भाई राजू पारिक के साथ शहर के बिहानी कॉम्प्लेक्स में सुंदरी साड़ी नाम से साड़ी की दुकान चलाता है। लेकिन कम समय में रईस बनने की चाहत ने गोल्ड तस्कर बना दिया। सूत्रों की माने तो साड़ी दुकान की आड़ में इन दोनो भाईयो के द्वारा बीते 15-20 साल से हवाला का कारोबार किया जाता था, जिसमे

अकूत संपत्ति अर्जित करने के बाद हाल के दिनो मे सोना तस्करी के क्षेत्र में दोनो भाई पांव पसार रहे थे। सूत्र बताते है की पारिक भाईयो ने शहर में काले धन की कमाई से कई जमीन के प्लाट खरीद रखे है यही नहीं नाम नही छापने की शर्त पर एक व्यक्ति ने बताया की जिले से बाहर असम के गौहाटी में भी इन लोगो ने सैंकड़ो एकड़ जमीन खरीद रखा है। वही दिनेश पारिक की गिरफ्तारी के बाद मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य भी आक्रोशित है की एक सामाजिक संगठन से जुड़ा व्यक्ति कैसे संगठन की आड़ में सोना के काले कारोबार में जुड़ा हुआ था।मारवाड़ी युवा मंच के सचिव ने बताया की इनके काले कारनामों की हम सभी को कोई जानकारी नहीं थी, वही एक समाज के एक वरिष्ठ व्यक्ति ने कहा की तुरंत उसे पद से हटाना चाहिए क्योंकि युवा मंच के नाम को उसने धूमिल किया है। वहीं दिनेश पारीक के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन आवास में परिजन नहीं मिले। सूत्र बताते है की दिनेश के गिरफ्तारी की खबर के बाद परिजन बाहर चले गए है। वही साड़ी की दुकान भी बंद मिली। डीआरआई टीम के भी किशनगंज आगमन के कयास लगाए जा रहे है। डीआरआई टीम द्वारा पूछताछ में बड़ा खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है। वही यदि DRI अगर बारीकी से मामले की जांच करे तो और भी बहुत कुछ सामने आ सकता है।●

प्रो. सजल प्रसाद को मिला कोशी गौरव सम्मान

● धर्मेन्द्र सिंह

सर्वोदय समाज, कटिहार द्वारा 10 जिलों में समाज सेवा, शिक्षा, साहित्य, चिकित्सा, कृषि, खेल, सैन्य सेवा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को टॉउन हॉल, कटिहार में आयोजित एक समारोह में दिया गया यह 'कोशी गौरव सम्मान'। सर्वोदय समाज के संस्थापक-सह-अध्यक्ष अशोक कुमार के अनुसार सर्वोदय समाज पुराने कोशी क्षेत्र के सभी जिलों सहित आसपास के जिलों में समाज के उत्थान विशेषत: समाज के निचले पायदान पर खड़े लोगों के कल्याण के लिए कार्य करता है। इसी क्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रति वर्ष सम्मानित किया जाता है ताकि समाज में अन्य लोग भी उनसे प्रेरित होकर कार्य करें। इस वर्ष बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जयंती पर पांचवां कोशी गौरव सम्मान समारोह व सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। कटिहार, पूर्णियां,

किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, खगड़िया, बेगूसराय एवं समस्तीपुर जिले के एक-एक व्यक्ति का चयन गया। कटिहार से डा. ए. के. देव (चिकित्सा) पूर्णियां से डा. विनोद धरेवा (चिकित्सा) किशनगंज से प्रो. (डा.) सजल प्रसाद (समाज सेवा) सुपौल से भोला मंडल (कृषि) अररिया से असलम हसन (साहित्य) मधेपुरा से राम कुमार रघुवंशी (सैन्य सेवा) सहरसा से दीनानाथ झा (शिक्षा) खगड़िया से हर्षित आनंद (खेल) बेगूसराय से महेश भारती (साहित्य) और समस्तीपुर से सुरजीत श्यामल (समाज सेवा) को सम्मानित किया गया।●

देश में अमन-चैन और भाईचारगी की मांगी गई दुआ

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले में ईद-उल-फित्र का त्योहार पूरे अकीदत, भाईचारा, आपसी सौहार्द व हर्षोल्लास से मनाया गया। 30 दिन तक लगातार रोजा रखने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग ईद की तैयारी में लग गये। ईद की नमाज की तैयारी को लेकर लोग अहले सुबह उठ कर स्नान कर नए-नए कपड़े व टोपी पहनकर इत्र, सुरमा लगा कर तैयार हुए। नमाज अदा करने के लिए घर से निकते वक्त लोग सेवई से मुंह मीठाकर घर में बुजुर्ग को सलाम कर एवं दुआ एवं आशीर्वाद लेकर कर ईद-उल-फित्र की नमाज अदा करने विभिन्न ईदगाह व मस्जिदों की ओर रवाना हुए। विभिन्न ईदगाहों एवं मस्जिदों निर्धारित समय में लोगों ने सुबह 7 :30 बजे से 8:30 बजे के बीच ईदगाह व मस्जिदों में ईद-उल-फित्र की नमाज अदा की। नमाज में लोगों ने समाज, राज्य व मुल्क की तरक्की शांति एवं आपसी सौहार्द, अमन-चौन व भाईचारगी की दुआ मांगी। फिर आपसी गिले-शिकवे भुला कर लोगों ने आपस में गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दिया। वहीं वर्तमान में चल रहे लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच ईद पर्व ने अलग-अलग राजनीतिक दलों के लोगों के बीच मिठास घोलने का काम किया। ईद की नमाज के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों के लोग भी एक दूसरे से गले मिल ईद की बधाइयां देने का सिलसिला दिनभर चलता रहा। गले मिलने और दावतों का दौर शुरू हुआ हो गया। हर तरफ ईद की सेवई आपसी रिश्तों में मिठास घोलती नजर आई। ईदगाह के पास राजनीतिक दलों का आपसी मतभेद भी नहीं दिखा। ईद के मौके पर बच्चों व युवाओं में में खासा उत्साह रहा। ईदगाह एवं मस्जिद के बाहर बच्चों ने गुब्बारे उड़ाए। दिन भर ईद की बधाई देने का सिलसिला जारी रहा। लोग अपने परिजन रिस्तेदार, पहचानवाले, दोस्त को अपने-अपने घर में दावत देकर सेवई खाने व खिलाने के सिलसिला दिन भर चलता रहा।●

नीतीश सिर्फ पलटूराम हैं : मल्लिकार्जुन

● धर्मेन्द्र सिंह

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लीकाजुर्न खड़गे अपने एक दिवसीय दौरे के तहत 19 अप्रैल को किशनगंज पहुंचे। जहां उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर बहादुरगंज के लोहागाड़ा अंतर्गत जनसभा को संबोधित किया। जहां उन्होंने विपक्षियों पर तंज कसते हुए कई विवादित बयान दिए है। उनके पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया हैं। वहीं कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें माला पहनाकर और बुके देकर सम्मानित किया। इस दौरान उनके साथ कोंग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, कांग्रेस सांसद प्रत्याशी डा. जावेद आजाद, बहादुरगंज के पूर्व विधायक तौसीफ आलम, किशनगंज विधायक इजहारुल हुसैन, बहादुरगंज के राजद विधायक अंजार नईमी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष इमाम अली चिंटू सहित दर्जनों पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम में हिस्सा लिए हैं। सांसद डा. जावेद आजाद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमे भाजपा को हटाना है। हमे देश के संविधान वाले को बचाना हैं। मैं हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष का धन्यवाद जताता

हूं, जो हमारे बीच वो आए है। इस दौरान मल्लीकार्जुन खड़गे ने भाजपा और विपक्षियों पर जमकर तंज कसे है। उन्होंने पैट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस के दामों के बढ़ोतरी को लेकर सवाल खड़ा किए है। साथ ही उन्होंने कहा कि देश की सत्ता अडानी और अंबानी के हाथों में दे दिया है। उन्होंने आगे कहा कि सबके खाते में 15-15 लाख मिला क्या। उन्होंने आगे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि चाचा अब बूढ़ा हो गए है, जो एक बार गए है। उन्हें जाने दो अब दोबारा मत मंगवाओ। नीतीश जी सिर्फ पलटूराम है, जो इधर से उधर करते रहते है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का संदेश है नफरत फैलाओ, और कोंग्रेस का संदेश है कि नफरत हटाओ और मोहब्बत फैलाओ। उन्होंने आगे कहा कि सभी युवाओं को एक लाख रुपए दिया जायेगा, पेपर लीक के मामले पर उन्होंने कहा कि हम पेपर लीक को बंद कर देंगे। गरीब लोगों के लिए कार्य करेंगे। हमारे मां बहने के लिए एक नए योजना हमने अपने मेनिफेस्टो में डाला है, कि हर वर्ष 1 लाख रुपए उनके घर पर जायेगा। किसान के लिए सही दाम, MSP के लिए कानूनी गारंटी हम दे रहे है।●

धर्म के आधार पर नागरिकों को बांटने के लिए लाया गया सीएए : दीपांकर

● गुड्डू कुमार सिंह

लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले असंवैधानिक, भेदभावकारी और विभाजनकारी नागरिकता संशोधन कानून की अधिसूचना को एक गहरी राजनीतिक साजिश करार देते हुए आज भाकपा-माले ने राष्ट्रव्यापी प्रतिवाद के तहत राजधानी पटना सहित गया, दरभंगा, सुपौल, नासरीगंज, बिहारशरीफ, पटना ग्रामीण के मसौढ़ी, दुल्हिनबाजार, नवादा, बेगूसराय आदि जगहों पर विरोध दिवस का आयोजन किया. राजधानी पटना में जीपीओ गोलबंर से सैकड़ों की तादाद में माले कार्यकर्ताओं ने सीएए वापस लो, नागरिकों को धर्म के आधार पर बांटने की साजिश नहीं चलेगी, संविधान पर हमला नहीं सहेंगे आदि नारे लगाते हुए मार्च किया और बुद्ध स्मृति पार्क पर एक प्रतिवाद सभा आयोजित की. जिसे माले महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य, माले विधायक दल के नेता महबूब आलम और शिक्षाविद् गालिब ने संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन एआइपीएफ के कमलेश शर्मा ने किया. कार्यक्रम में उक्त नेताओं के अलावा पार्टी नेता धीरेन्द्र झा, केडी यादव, अमर, ऐपवा की महासचिव मीना तिवारी, स्कीम वर्कर आंदोलन की नेता शशि यादव, रसोइया आंदोलन की नेता सरोज चौबे, पटना महानगर के सचिव अभ्युदय, ऐपवा की अनीता सिन्हा, ऐक्टू नेता रणविजय कुमार, पार्टी नेता जितेन्द्र कुमार, अनय मेहता, नसीम अंसारी, मुर्तजा अली, विनय कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता-कार्यकर्ता उपस्थित थे. माले महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि जब देश ने फासिस्ट मोदी सरकार से छुटकारा पाने का मन बना लिया है, ठीक ऐसे समय में सीएए लागू करने का मतलब है कि भाजपा सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए नफरत व विभाजन का माहौल बना रही है. जिस दिन सुप्रीम कोर्ट में इलेक्टोरेल बॉन्ड पर एसबीआई को जवाब देना था, ठीक उसी दिन सीएए को अधिसूचित किया गया. अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए भाजपा ने यह विभाजनकारी चाल चली है. सुप्रीम कोर्ट में सीएए को लेकर 200 से अधिक याचिकाएं लंबित है. उम्मीद है कि इलेक्टोरेल बॉन्ड की तरह सुप्रीम कोर्ट भी सीएए को संविधान विरोधी करार दे. मतलब साफ है कि भाजपा इसके केवल और केवल विभाजन व नफरत को बढ़ावा दे रही है. आगे कहा कि 2019 में सीएए के पास हो जाने के बाद देश में ऐतिहासिक जनांदोलन हुआ था. शाहीनबाग का आंदोलन आज भी याद है. देखते ही देखते देश के हर हिस्से में शाहीनबाग बनने लगे. कोविड के चलते उसमें रूकावट आई. उस आंदोलन को कुचलने के लिए साजिश करके भाजपा ने दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा कराई और आंदोलन के नेताओं-कार्यकर्ताओं को फर्जी मुकदमे के तहत जेल में डाल दिया. कई आज तक जेल में ही हैं. सीएए का विरोध इसलिए है कि हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 14 में नागरिकों या गैर नागरिकों यानी तमाम लोगों के प्रति समान नागरिकता का वादा है. सीएए ने इसे खत्म कर दिया है. यह ऐसा कानून है जो 31 दिसंबर 2014 के पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए किसी हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन या पारसी उत्पीड़ित को तो नागरिकता प्रदान करता है लेकिन मुसलमानों को इससे अलग कर दिया गया. श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल जैसे देशों से आए उत्पीड़ितों का भी जिक्र नही हैं. श्रीलंका के तमिल हिन्दुओं व मुसलमानों या म्यांमार के रोहिंग्या मुसमलानों को इससे वंचित कर दिया गया है. इसके बाद एनआरसी व एनपीआर की तैयारी है. एनपीआर में कागज न दिखलाने वालों की नागरिकता खत्म कर दी जाएगी. असम में एनआरसी की कवायद ने दिखलाया कि यह ने केवल मुस्लिम बल्कि आदिवासयों और वनवासियों सहित सभी समुदाय के गरीबों के खिलाफ है. इस भेदभावपूर्ण व विभाजनकारी सीएए के विरूद्ध समान नागरिकता आंदोलन में हम सबको अपनी एकजुटता प्रकट करनी है ताकि जनता को बांटने व आगामी चुनावों में फासिस्ट ताकतों को शिकस्त देने के मिशन से जनता का ध्यान हटाने की मोदी सरकार और भाजपा की साजिश नाकामयाब की जा सके. ●

अपराधियों का तांडव जारी, फाइनेंस कर्मी को मारी 9 गोलियां

● गुड्डू कुमार सिंह

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सारंगपुर गांव में रविवार को हथियारबंद अपराधियों ने एक बजाज फाइनेंस कर्मी की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। मृतक 23 वर्षीय मुकेश कुमार सिंह थाना क्षेत्र के ही भेल डुमरा गांव निवासी शंकर सिंह के पुत्र थे। वह पेशे से बजाज फाइनेंस कर्मी था एवं आरा शहर के कतीरा स्थित बजाज फाइनेंस में डीसीए (कनेक्शन बॉय) के पद पर करीब एक साल से कार्यरत था। मृतक को काफी करीब से लगभग नौ गोलियां मारी गई है। जिसमें छह गोली सिर, एक गोली प्राइवेट पार्ट्स के पास एवं दो गोली बाएं साइड गर्दन में मारी गई है। अपराधी तीन-चार की संख्या में थे जो सफेद रंग की अपाचे बाइक पर आए थे और चेहरे पर नकाब लगाए हुए थे। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल से नौ खोखा एवं एक मोबाइल भी बरामद किया है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि सारंगपुर गांव के थोड़ा पहले स्वास्तिक ईट भट्ठा के पास एक व्यक्ति को गोली मारने की सूचना स्थानीय पुलिस को प्राप्त होती है। सूचना प्राप्त होते ही थाना गश्ती, थानाध्यक्ष और अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। जहां ज्ञात होता है कि भेल डुमरा के रहने वाले मुकेश कुमार सिंह पिता शंकर सिंह को अज्ञात बाइक सवार अपराधियों के द्वारा सिर में गोली मार दी गई। जिसके बाद में पुलिस के द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के कारण और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक सदर के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आसपास के सीसीटीवी कैमरे और अन्य स्रोत से सूचना इकट्ठा करके घटना के खुलासे की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है और जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम ने कार्य आरंभ कर दिया है। इधर, मृतक के पिता शंकर सिंह ने बताया कि उनके गांव एवं दूसरे गांव के लड़कों से एक वर्ष पूर्व झगड़ा हुआ था। जिसको लेकर उस समय दूसरे गांव के लड़के द्वारा उनके बेटे को धमकी दिया गया था कि मैं तुम्हें देख लूंगा। हालांकि बाद में बात खत्म हो गई थी। मृतक अपने कतीरा स्थित बजाज फाइनेंस कार्यालय में था उस समय पिता की फोन पर उससे बात भी हुई थी तब उसने कहा था कि मैं अभी ड्यूटी पर हूं कुछ देर में घर लौट आऊंगा। प्रतिदिन की भांति जब वह कलेक्शन का पैसा आरा शहर के कतीरा स्थित बजाज फाइनेंस कार्यालय में जमा कर बाइक से वापस अपने घर लौट रहा था। उसी दौरान सारंगपुर गांव स्थित स्टेट बोरिंग के समीप उसका पीछा कर रहे अपाची बाइक पर सवार तीन नकाबपोश अपराधियों ने उसके बाइक को रुकवाया। इसके बाद गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी। ●

पचास हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस ने तीन अलग-अलग कांडों का पर्दाफाश किया है। पहला मामला शाहपुर थाना क्षेत्र के कारनामेपुर ओपी अंतर्गत की है। जहां, भोजपुर पुलिस ने पचास हजार के इनामी एक अपराधी को ईश्वरपुरा दियारा इलाके से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अपराधी करनामेपुर ओपी अंतर्गत शिवजनम सिंह के बेटे धनु सिंह है। पुलिस को 3 साल पूर्व चुनावी रंजिश में घटित गोलीबारी एवं हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में तलाश थी। हत्या के प्रयास लूट और चोरी समय चार कांडों में चार्जशीटेड रहा है। इसका आपराधिक इतिहास को देखते हुए पचास हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि 10 अप्रैल 2021 को करनामी पर आप के ईश्वर पुर गांव में चुनावी रंजीश को लेकर अरुण पांडेय के साथ मारपीट कर फायरिंग भी किया था। इसे लेकर घायल अरुण कुमार पांडे ने धन्नू सिंह तथा हरेंद्र सिंह उर्फ बुआ सिंह समेत अन्य के विरुद्ध हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी कराई गई थी। वांटेड की गिरफ्तारी को लेकर जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया । टीम ने ईश्वर पुर दियारा क्षेत्र में छापामारी कर इनामी धन्नु सिंह को गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि पकड़े गए अपराधी के विरुद्ध शाहपुर थाना में वर्ष 2000 से लेकर 2021 तक के बीच पांच केस मिले हैं। पूर्व के चार केसों में जेल जा चुका है। चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव के समीप हुई लूट कांड का

खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश बिशुनपुर गांव निवासी पुतुल कुमार एवं अजीत कुमार शामिल है। इनके पास से एक देशी पिस्टल, चार कारतूस, तीन मोबाइल और बाइक बरामद किया गया है।

एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि 29 मार्च को संदेश थाना क्षेत्र के पिंजराई गांव निवासी संजय कुमार पाल बाइक से जा रहे थे। तभी भैयारा गांव के समीप अपराधियों ने हथियार के बल पर बाइक मोबाइल और साढ़े दस हजार रुपए लूट लिए थे। इसे लेकर संबंधित थाना में प्राथमिक की कराई गई थी। इसके बाद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूटकांड में शामिल दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। लूट कांड एवं अवैध हथियार की बरामदेगी को लेकर दो प्राथमिक की गई है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। नवादा थाना पुलिस ने सरेराह मोबाइल छीने जाने मामले को लेकर सामान के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश नगर थाना क्षेत्र के मोती टोला निवासी छोटू कुमार उर्फ प्रेम कुमार है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि 30 मार्च को बड़हरा के राम शहर निवासी अमित सिंह के भाई आशीष कुमार क्लब रोड मोड़ के पास खड़े थे की अपाचे बाइक से आए बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया था और फरार हो गए थे। इस दौरान नवादा थाना की पुलिस ने एक घंटे के अंदर मोती टोला निवासी छोटू कुमार को गिरफ्तार किया। साथ ही मोबाइल और बाइक भी बरामद कर लिया गया है। ●

चुनाव आयोग की कार्रवाई, हटाये गये डीएम-एसपी

● गुड्डू कुमार सिंह

By Speed Post/e-mail

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NIRVACHAN SADAN, ASHOKA ROAD, NEW DELHI -110001

No. 434/6/ES-I/BIHAR-HP/2024 Dated: 1st April, 2024

To

The Chief Secretary,
Bihar,
Patna

Subject: General Election to the Lok Sabha, 2024 from Bihar State-Transfers/Postings of Officers - reg.

Sir,

I am directed to state that the Commission has ordered transfer of the following Officers with immediate effect:

SL.	Name of Officer	BATCH	PRESENT POSTING	POSTED SINCE
1	Sh. Rajkumar	IAS/2010(RR) BH	DM BHOJPUR	11.05.22
2	Sh. Pramod Kumar Yadav	IPS/2017(RR) BH	SP BHOJPUR	31.12.22
3	Sh. Ashutosh Kumar Verma	IAS/2010(SCS) BH	DM NAWADA	19.07.23
4	Sh. Ambrish Rahul	IPS/2017(RR) BH	SP NAWADA	31.12.22

2. The Commission has directed that the aforesaid officers should handover the charge to the officer immediate below in the rank and these officers should not be assigned any election related work till completion of General Election to the Lok

लोकसभा चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने बड़ा एक्शन लेते हुए बिहार के नवादा और भोजपुर जिले के डीएम और एसपी दोनों को हटा दिया है। इस मामले में बिहार चीफ सेक्रेटरी को आदेश देते हुए कहा कि इन चारों अफसरों को चुनावी संबंधी किसी भी ड्यूटी में तैनाती न दी जाएगी। नवादा के डीएम आशुतोष कुमार वर्मा, भोजपुर के डीएम राजकुमार, नवादा के एसपी अमरीश राहुल और भोजपुर के एसपी प्रमोद कुमार यादव को तत्काल पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें दो आईएएस और दो आईपीएस अफसर शामिल हैं। इससे पहले केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने बिहार के गृह सचिव एस सिद्धार्थ को हटाने का आदेश दिया था। बिहार समेत 6 राज्यों के गृह सचिव हटाए गए थे। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने बिहार के साथ झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश और गुजरात केंद्रीय सचिव को पद से हटा दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 को पूर्ण निष्पक्षिता स्वच्छता के साथ संपन्न कराने का आश्वासन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दिया था। लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल बजने के साथ ही बिहार समेत पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने सात चरणों मे होने वाले चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। उसके साथ ही इलेक्शन कमीशन फुल एक्शन में है।

☞ **डीएम-एसपीको हटाने के बाद डीएसपी और थानेदार भी सस्पेंड, म्टड की सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी की आत्महत्या का मामला :-** चुनाव आयोग सख्त मोड में दिख रहा है। भोजपुर में स्ट्रांग रूम के बाहर तैनात जवान की मौत के बाद चुनाव आयोग ने डीएम और एसपी को पहले हटाया गया, अब डीएसपी और एसएचओ को सस्पेंड किया गया है। इस मामले में यह बात सामने आई है कि जवान को छुट्टी नहीं दी गई थी। इसलिए उसने सुसाइड किया है। चुनाव आयोग ने EVM की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए हैं। आयोग ने बिहार सरकार को SOP पालन करने का निर्देश दिया है। चुनावी ड्यूटी में बड़ी लापरवाही का आरोप लगाते हुए यह कार्रवाई की है। भोजपुर जिले के नवादा थाना का ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगे कांस्टेबल हेमंत कुमार कुमार ने 30 मार्च को आत्महत्या की थी। इसकी शिकायत आयोग तक पहुंची। जिसके बाद आयोग ने संबंधित पर्यवेक्षण करने वाले भोजपुर के नवादा थाना के एसएचओ राकेश कुमार सिंह और भोजपुर डीएसपी परिचय कुमार को सस्पेंड करने का आदेश दिया। आयोग ने माना है कि ईवीएम स्ट्रांग रूम और सुरक्षा के एसओपी का उल्लंघन हुआ है। सुरक्षा कर्मी की छुट्टी की मंजूरी के सुपरविजन में कमी देखी गई है। आयोग ने आगे कहा है कि इसके लिए बड़े दंड के लिए तत्काल आरोप पत्र जारी किया जाएगा। आयोग ने कहा है कि इसके लिए कोई विकल्प नहीं बचा है। आयोग ने आगे लिखा है कि ईवीएम मैनुअल के सब्जेक्ट-2 के पैरा 2.12 में निर्धारित एफएलसी ओके मशीनों की सुरक्षा पूरी नहीं हुई। एफएलसी का उलंघन हुआ है। पत्र में कहा गया है कि भोजपुर में प्रथम स्तरीय जांच के बाद ईवीएम वाले एफएलसी स्ट्रांग रूम की 24 घंटे सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाने चाहिए थे। इसकी सुरक्षा के लिए राज्य सशस्त्र पुलिस का न्यूनतम एक सेक्शन तैनात किया जाए। नवादा थाना क्षेत्र के कृषि भवन स्थित VVPAT (EVM) वेयरहाउस में तीन सुरक्षा गार्ड्स की प्रतिनियुक्ति नवंबर 2023 में की गई थी। एक गार्ड छुट्टी पर चला गया था। 30 मार्च को दूसरा गार्ड सब्जी लाने के लिए बाजार गया था, इसी दौरान तीसरे गार्ड हेमंत कुमार ने इंसास रायफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। आयोग का मानना है कि जब एक गार्ड छुट्टी पर था, तो तुरंत किसी अन्य की प्रतिनियुक्ति करनी चाहिए थी। जो कि नहीं हुई।●

चाचा ने नाबालिग भतीजी से किया दुष्कर्म

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक चाचा ने अपनी सगी नाबालिग भतीजी के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया है। घटना गुरुवार शाम की है। चाचा के कुकर्म की जानकारी जब गांव वालों को हुई तो उसने उसकी जमकर पिटाई कर दी और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिस उसे इलाज कराने के लिए बिहिया अस्पताल ले गई। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी स्वर्गीय अयोध्या यादव का 40 वर्षीय पुत्र तूफानी यादव है। आरोपी पेशे से ड्राइवर है वह पिकअप वैन चलाता है। दो बच्चों का पिता है। शुक्रवार को पीड़ित 13 वर्षीय किशोरी की मेडिकल जांच कराने के बाद पुलिस बयान दर्ज कराने सहित आगे की कार्रवाई में जुटी है। इस मामले में छात्रा की मां के बयान पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इधर, पीड़ित किशोरी ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति गुरुवार की शाम भी वह अपनी सहेलियों के साथ ट्यूशन पढ़ने बिहिया गई थी। कोचिंग से ट्यूशन पढ़कर जब वह घर वापस घर लौट रही थी कि उसके चाचा तुफानी यादव पिकअप वैन पर अपने एक दोस्त के साथ उसी रास्ते से गुजर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गाड़ी रोक दी और उसे घर छोड़ने की बात कही। इसके बाद वह उनके पिकअप पर बैठ गई। कुछ दूर आगे बढ़ाने के बाद उसके चाचा ने अपने दोस्त और उसकी सहेलियों को एक गांव के पास उतार दिया। इसके बाद वे उसे सुनसान बगीचा-झाड़ी की ओर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़ित किशोरी जब रोते-बिलखते घर पर पहुंची तो उसने इसकी जानकारी अपने स्वजनों को दी। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और आरोपित चाचा की धुनाई शुरू कर दी। बाद में पुलिस ने वहां पहुंचकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। बिहिया थानाध्यक्ष उदय भानू सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित रास्ते में गाड़ी से कूदकर फरार हो गया। तभी थानाध्यक्ष के नेतृत्व में दारोगा ज्योति कुमारी, पीएसआई पूजा कुमारी और डायल 112 के जवानों ने ग्रामीणों के सहयोग से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पीड़िता की मां के बयान पर प्राथमिकी कर उसे जेल भेज दिया है।●

ग्रामीणों ने किया आर.के. सिंह का विरोध

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा-सासाराम मुख्य मार्ग स्थित गडहनी पशु मेला के समीप एनडीए प्रत्याशी आर के सिंह का भोजपुर दौरा, रोड शो के दौरान बराप गांव के ग्रामीणो ने खुलकर बिरोध किया।इस दौरान ग्रामीणो ने रोड नही तो वोट नही, आर के सिंह मुर्दाबाद के भी नारे लगाए।वहीं ग्रामीणो ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव मे वोट मांगने आने वाले आर के सिंह के चमचों और सासंद को जूता और चप्पल का माला पहनाकर स्वागत किया जायेगा।वहीं ग्रामीणो ने रक्षा बाबा के प्रांगण मे आर के सिंह को बराप गांव का वोट नही देने की सपथ ली।नाराजगी का कारण आरा से पीरो जाने के क्रम मे श्रीसिंह का काफिला पशु मेला के समीप नही रूकने से समस्याओ को लेकर इस उम्मीद के साथ स्वागत मे खडी ग्रामीण जनता कि श्रीसिंह हमसबो की समस्याओं को सुनेंगे लेकिन ऐसा नही होने पर नाराजगी फूट पडी और बिरोध मे नारे लगाने लगे साथ ही वोट नही करने का संकल्प भी लिया।बिरोध करने वालों मे बराप गांव की समस्त ग्रामीण जनता शामिल रही।●

बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार दो महिला को रौंदा

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर गणपत टोला गांव के समीप बुधवार की अहले सुबह बेलगाम ट्रक ने प्रोग्राम कर वापस लौट रही बाइक सवार दो महिला डांसर समेत तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक नर्तकी की मौत हो गई। वहीं, एक नर्तकी व एक कलाकार को प्राथमिक उपचार के बाद हालत को चिंताजनक देखते हुए आरा सदर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया है। मृतका 16 वर्षीय नगमा छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला के देवढ़ी थाना क्षेत्र के बालू गांव निवासी कान्हा की पुत्री थी। वह पेशे से डांसर थी। अक्टूबर माह में ही शाहपुर स्थित आर्केस्ट्रा में काम करने आई थी। हादसे में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला के देवढ़ी थाना क्षेत्र के खेरागढ़ गांव निवासी गोपी की 27 वर्षीय पुत्री रौशनी कुमारी एवं पीरो थाना क्षेत्र के मोथी गांव निवासी भगवान सिंह के 35 वर्षीय पुत्र देवनाथ सिंह को चोटें आई है। इसमें रौशनी कुमारी भी पेशे नर्तकी है। देवनाथ सिंह आर्केस्ट्रा में पैड बजाने का काम करते हैं। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। इधर ,जख्मी बैंडकर्मी देवनाथ सिंह के पिता ने बताया कि उनके मोथी गांव में ही गोवर्धन पूजा को लेकर नाच प्रोग्राम का आयोजन

किया गया था। इसको लेकर उनके पुत्र देवनाथ सिंह शाहपुर स्थित आर्केस्ट्रा से नर्तकी का काम कर रही रौशनी कुमारी एवं नगमा को डांस करने के लिए मंगलवार की शाम बाइक से अपने गांव लेकर आए थे। प्रोग्राम खत्म होने के बाद बुधवार की अहले सुबह जब बाइक से दोनों को शाहपुर छोड़ने के लिए जा रहे थे कि उसी दौरान गणपत टोला के समीप बेलगाम ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद तीनों को इलाज के लिए जगदीशपुर के दुलौर स्थित अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद तीनों को आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसके बाद इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए। जहां चिकित्सक ने देखा नगमा को मृत घोषित कर दिया। देवनाथ सिंह का दायां पैर बुरी तरह डैमेज हो गया है। मृतका नगमा अपने नौ बहन व पांच भाई में छोटी थी। हादसे के बाद मृतका की मां सरस्वती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।●

युनियन बैंक के सीएसपी से लूटेरों ने लुटे तीन लाख

● गुड्डू कुमार सिंह

स्थानीय थाना क्षेत्र के बागवां बाजार पर युनियन बैंक के सीएसपी मे नकाबपोश लुटेरों ने दिया लुट की घटना को अंजाम। मिली जानकारी के अनुसार सीएसपी संचालक अमित कुमार एक अपने भतीजे को सीएसपी मे बैठाकर खाना खाने घर चले गये।इसी बीच तीन नकाबपोश लुटेरे सीएसपी मे घुसे और पिस्टल के बल पर सीएसपी मे रखे तीन लाख रूपये लूटकर चलते बने।भतीजा द्वारा घटना की सूचना मालिक को दी गई।आनन फानन मे सीएसपी संचालक सेन्टर पहुंच स्थिति का जायजा लिया।अमित द्वारा गडहनी थाना को फोन पर सूचना दी गई।सूचना मिलते ही

थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक रणवीर कुमार घटनास्थल पर पहुंच घटना की छानबीन करने मे जुट गये हैं। थानाध्यक्ष श्री कुमार ने बताया कि सीएसपी मे लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। अपराधी जल्द गिरफ्त मे होगा।खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नही कराई गई थी और ना ही किसी की गिरफ्तारी की सूचना है।●

जमीनी विवाद में भाई ने भाई को मारी गोली

● गुड्डू कुमार सिंह

भोरपोखरी थाना क्षेत्र के गडहनी स्थित नीम मोहल्ला मे मंगलवार की अहले सुबह बडा भाई ने अपने ही सहोदर छोटे भाई को गोलियों से छलनी कर मौत के घाट उतार दिया।घटना की सूचना पर पहुंची चरपोखरी पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर कागजी करवाई कर शव को पोस्टमार्टम हेतू आरा सदर भेज दिया।घटना के संबंध मे प्रशिक्षु डीएसपी कन्हैया कुमार एवं थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मृतक मोहम्मद लेआकत अली पिता मोहम्मद जुमराती गडहनी थाना क्षेत्र के बडौरा गांव का रहने वाला है।मृतक दो दिन पहले अपने बहन बहनोई मोहम्मद शहाबुद्दीन नीम मुहल्ला गडहनी के घर आया था वहीं उसका बडा भाई मोहम्मद अब्दुल अजीज जो उर्दू स्कूल का सेवा निवृत्त शिक्षक है सोमवार को देर शाम बहन के घर अपने लाइसेंसी दुनाली बंदूक के साथ आया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनो भाइयों मे जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार को अहले सुबह बन्द कमरे मे अब्दुल अजीज ने लेआकत अली को तीन गोलियां मार दी जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि हत्यारे को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है साथ ही बन्दूक जब्त कर ली गई है।मृतक पीएचडी विभाग से सेवानिवृत्त था।मृतक अपने पीछे पत्नी रईसा खातुन और एक पुत्र छोड गये हैं। मृतक तीन भाईयों मे सबसे छोटा था।घटनास्थल पर गडहनी बीडीओ बिरेन्द्र कुमार, अंचलाधिकारी दीपा कुमारी मौजूद रहीं।वहीं घटना की सूचना मिलते ही परिजनी मे कोहराम मच गया।●

डेढ़ क्विंटल गांजा के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

कैमूर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस गंभीर है। इसके लिए छापेमारी अभियान व वाहन जांच अभियान प्रतिदिन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भगवानपुर थाना की पुलिस ने न सिर्फ गांजा तस्करी का खुलासा किया बल्कि गांजा तैयार करने व बिक्री वाले स्थान पर छापेमारी कर इस धंधे में संलिप्त कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया।: कैमूर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस गंभीर है। इसके लिए छापेमारी अभियान व वाहन जांच अभियान प्रतिदिन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भगवानपुर थाना की पुलिस ने न सिर्फ गांजा तस्करी का खुलासा किया बल्कि गांजा तैयार करने व बिक्री वाले स्थान पर छापेमारी कर इस धंधे में संलिप्त कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया। साथ ही एक कार के अलावा गांजा तैयार करने व तौलने के लिए रखे गए सामान को भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार लोगों में तीन यूपी के व दो कैमूर जिले के अधौरा व चौनपुर थाना क्षेत्र के निवासी है। इसमें अधौरा थाना क्षेत्र के डुमरांव गांव निवासी सुदर्शन यादव का पुत्र बालजीत यादव, चौनपुर थाना क्षेत्र के धुमरदेव गांव निवासी स्व. भोला सिंह का पुत्र प्रमोद सिंह, यूपी के कानपुर जिला अंतर्गत बिठुर थाना क्षेत्र के सांभरपुर गांव निवासी राम कुमार निषाद का पुत्र एवन निषाद, ग्वाल टोली थाना क्षेत्र के नत्थापुर गांव

निवासी मोतीलाल निषाद का पुत्र दीपक निषाद व वाराणसी जिले के चोलापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपचंदपुर गांव निवासी मनोज यादव का पुत्र गोलू यादव शामिल हैं।यह जानकारी एसपी ललित मोहन शर्मा ने गुरुवार को भगवानपुर थाना में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि भगवानपुर थानाध्यक्ष द्वारा एक तेज रफ्तार में आ रही कार को रोक कर तलाशी ली गई। कार डब्लूबी 40 पी 2935 के बीच वाली सीट के पीछे बनी डिक्की में छिपा कर भूरे रंग के टेप से लपेट कर बांधा हुआ कुल 46 बंडल गांजा बरामद किया गया। जिसका वजन 94.553 किग्रा है। इसके अलावा एक मोबाइल बरामद करते हुए अधौरा थाना क्षेत्र के डुमरांव गांव निवासी बालजीत यादव को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस उपाधीक्षक अनिकेत कुमार, साइबर थाना के नेतृत्व में बीएसएफ व क्यूआरटी के साथ धुमरदेव में छापेमारी की गई। जहां गांजा तैयार करने व बिक्री करने का मामला सामने आया। धुमरदेव से 62.414 किग्रा गांजा, लोहे का तराजू, एक किग्रा का बटखरा, 20 टेप, तीन मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल को बरामद किया गया। साथ ही एवन निषाद, प्रमोद सिंह, दीपक निषाद, गोलू यादव को गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि उक्त पांचों तस्करों पर प्राथमिकी कर मेडिकल जांच के बाद जेल भेज दिया गया। साथ ही गांजा तस्करी व बिक्री में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस मौके पर एसडीपीओ शिव शंकर कुमार भी मौजूद थे।●

नहर में गिरने से बाइक सवार की मौत

● गुड्डू कुमार सिंह

आयर थाना क्षेत्र के बलिगाँव तेन्दुनी पथ पर बलिगाँव के समीप स्थित बांग्ला पुल पथिको यात्रियों के लिए जानलेवा बनी हुई है। आये दिन एक न एक दुर्घटनाएं होती रहती है और लोग अपने प्राणो की आहूति देते रहते हैं। सोमवार की भोर मे करीब साढे तीन बजे के आसपास जमुआंव से गडहनी की ओर आ रहा बाइक सवार बाइक सहित पुल से नहर मे गिर पडा जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही गडहनी बीडीओ बिरेन्द्र कुमार और आयर थानाध्यक्ष राजीव कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन करने मे जुट गई।वहीं घटना से आक्रोशित ग्रामीणो ने शव को सडक पर रख घंटो सडक जाम रखा और पुल निर्माण के साथ साथ पुल पर रेलिंग बनाने की मांग पर अडे रहे।वहीं कुछ ग्रामीणो द्वारा केन्द्रीय मंत्री सह आरा सांसद आर के सिंह को घटनास्थल पर बुलाने और मुआवजा दिलवाने की मांग करते रहे हालांकि भाजपा नेता सह पंचायत समिति प्रतिनिधि रंजीत सिंह चौहान द्वारा ग्रामीणो को आर के सिंह से बात कराई गई जिसके बाद गडहनी बीडीओ बिरेन्द्र कुमार व आरा सांसद के आश्वासन पर जाम हटाया गया।थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बसौरी गाँव निवासी स्व० गिरवर राम का 66 वर्षीय पुत्र जमादार राम जमुआंव तिलक समारोह से घर वापस आ रहा था इसी दौरान बांग्ला पुल जो कि बिना रेलिंग का है, से बाइक सहित नहर मे गिर पडा जिससे उसकी मौत हो गई।मृतक अपने पीछे तीन पुत्र अरबिन्द पासवान, उमेश पासवान, रविन्द्र पासवान और पत्नी तिलेश्वरी देवी सहित तीन शादीशुदा पुत्री छोड गये हैं।मृतक व उसके परिजन मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते थे।घटना की सूचना मिलते ही परिजनो मे कोहराम मच गया।शव का शिनाख्त आधार कार्ड से की गई।वहीं पंचायत समिति प्रतिनिधि सह पूर्व मुखिया बलिगाँव उपेन्द्र सिंह ने बताया कि इस पुल पर एक साल मे यह सातवां एक्सीडेंट है। इतना होने के बाद भी ना ही नहर विभाग और ना ही पथ निर्माण विभाग की नीन्द खुली है।●

शान्तिपूर्ण माहौल में मनाया गया ईद उल फितर का त्योहार

● गुड्डू कुमार सिंह

प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर गुरूवार को ईद उल फितर का त्योहार शान्ति सद्भाव एवं आपसी भाईचारा के बीच सौहार्द पूर्ण मनाया गया। इस मौके पर मुसलिम समुदाय के लोगों ने गडहनी के शाही जामा मस्जिद सहित प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदो मे नमाज अदा कर अमन चौन की दुआएं मांगी।इस बीच छोटे छोटे बच्चों मे भी उत्साह का माहौल देखा गया। मस्जिदो मे नमाज अदा करने के पश्चात एक दुसरे के गले मिलकर ईद की बधाइयाँ दी। बधाइयों का शिलशिला पुरे दिन चलता रहा। इस अवसर पर मिठी सेवइयाँ मेवा मिष्ठान परोसी गई।इस दौरान हर समुदाय के लोगो ने प्रेम और सौहार्द का परिचय देते हुए एक दुसरे के गले मिल ईद की

बधाई दी।इस अवसर पर शान्ति व्यवस्था कायम करने को लेकर गडहनी बीडीओ बिरेन्द्र कुमार, सीओ दीपा कुमारी, अगिआँव सक्रिल इंस्पेक्टर अनिल कुमार, गडहनी थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक रणवीर कुमार सहित प्रशिक्षु डीएसपी कन्हैया कुमार, चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह दल बल के साथ मार्च करते नजर आये।नमाज अदा करने वालों मे अल्ताफ हुसैन, राजु वारसी, शहजाद वारसी, आसीन परवेज, परवेज आलम, रिजवान, पप्पु राजा, अली इमाम, तनवीर आलम, जुनैब अमजद खान, मोहम्मद इमरान, अकबर अली, पूर्व मुखिया तस्लीम आरिफ उर्फ गुड्, सहित सैकडो लोग शामिल रहे।●

113वें वर्ष में प्रवेश कर शताब्दी शिखर पर पहुंचकर गौरवान्वित है बक्सर न्यायालय : रामेश्वर प्रसाद वर्मा

● बिन्ध्याचल सिंह

17 मार्च 1912 को विधिवत संस्थापित बक्सर न्यायालय 17 मई 2024 को अपना 112 वर्ष पूरा करते हुए अब 113वें वर्ष में प्रवेश कर शताब्दी शिखर पर पहुंच गौरवान्वित हो यह प्रमाणित कर दिया कि न्यायिक प्रक्षेत्र में संचालित व कार्यरत इस बक्सर न्यायालय का भी अपना एक अप्रतिम इतिहास रहा है। 1685 ईस्वी में स्थापित अतीत के शाहाबाद जिला अंतगर्त 1857 ईस्वी में निर्मित बक्सर अनुमंडल के मुख्यालय स्थित पुरानी बक्सर कचहरी परिसर में विगत 17 मई 1912 ईस्वी को 'बक्सर कोर्ट' की विधिवत् स्थापना की गई। उक्त ऐतिहासिक अवसर पर विधिनेता एवं बिहार राज्य व उच्च न्यायालय पटना की स्थापना के प्रमुख संस्थापक तथा प्रखर प्रबुद्ध प्रतिभा के धनी डॉक्टर सच्चिदानन्द सिन्हा मुख्य अतिथि के

रामेश्वर प्रसाद वर्मा

रूप में उपस्थित रहे थे। इस ऐतिहासिक तथ्य की जानकारी अपने द्वारा प्रसारित प्रेस विज्ञप्ति के मध्यम से बक्सर व्यवहार न्यायालय के प्रतिष्ठित विद्वान अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने दी है। उन्होंने बताया है कि बक्सर अनुमंडल के तत्कालिन अंग्रेज एस.डी.ओ. डब्लू. एच. हेराल्ड ने बक्सर कोर्ट की विधिवत् स्थापना संबंधी नोटिफिकेसन को प्रस्तुत करते हुए अपना मान बढ़ाया था। श्री वर्मा जी ने बताया कि उक्त विशिष्ट चिरस्मरणीय ऐतिहासिक तिथि 17 मार्च 1912 को संस्थापित बक्सर कोर्ट के तीन वकील बाबू हरध्यान सिंह, केदार ओझा एवं पाल्टु बाबू से शुरू होकर आज वर्तमान जिला मुख्यालय बक्सर स्थित जिला न्यायालय बक्सर में लगभग दो हजार अधिवक्ता कार्यरत्त हैं, जिसमें लगभग एक सौ से अधिक महिला अधिवक्ताएँ भी कार्यरत्त है। इसी संदर्भ में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री वर्मा ने इस तथ्य की भी पुष्टि की है कि बिहार प्रदेश का ऐतिहासिक

बक्सर अनुमंडल विगत् 17 मार्च 1991 को निर्मित जिला का मुख्यालय बक्सर स्थित सिविल कोर्ट प्रांगण में विगत 11 दिसम्बर 1992 को जिला एवं सत्र न्यायालय के विधिवत् उद्घाटन पटना न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश विमलचन्द्र बसाक के कर कमलों से सकुशल संपन्न हुआ। उक्त स्मरणीय उद्घाटन समारोह का कुशल मंच संचालन अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने किया था तथा उक्त अवसर पर ही अधिवक्ता श्री वर्मा के ही संपादन में बक्सर न्यायालय स्मारिका 1992 का उत्साहवर्द्धक विमोचन मुख्य न्यायाधीश विमलचन्द्र बसाक द्वारा किया गया था। बक्सर जिला सत्र न्यायालय के प्रथम न्यायाधीश थे दीनानाथ प्रसाद जबकि वर्तमान समय में जिला सत्र न्यायाधीश आनन्द नन्दन सिंह हैं। बक्सर न्यायालय का क्रमश: विस्तार होता गया और वर्तमान में पुरानी कचहरी से निकलकर यह बक्सर न्यायालय आधुनिकता के साथ डिजिटलाइजेशन में कार्य कर रहा है। श्री वर्मा ने बताया है कि अपने प्रारंभ काल से लेकर अब तक बक्सर जिला के अधिवक्ताओं की श्रेणी में से ब्रह्मपुर के अधिवक्ता सरयु प्रसाद, डुमरॉव के अधिवक्ता कन्हैया जी, चुरामनपुर के अधिवक्ता ए.बी.एन. सिन्हा, चौसा के अधिवक्ता तारकेश्वर नाथ, आमसारी के अधिवक्ता कन्हैया प्रसाद सिंह, दुल्लहपुर के अधिवक्ता उदय प्रताप सिंह, धुमराय के पुरा के अधिवक्ता पी.के. सिन्हा, पटना हाईकोर्ट में न्यायाधीश के पद पर पदस्थापित होकर बक्सर जिले का नाम बढ़ाया है। उनमें से न्यायाधीश यू.पी. सिंह केरल हाईकोर्ट तथा न्यायाधीश विनोद कुमार राय इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश के पद पर सुशोभित होकर बक्सर जिला सहित पूरे बिहार को गौरवान्वित किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री वर्मा ने बताया है कि आज बक्सर जिला न्यायालय परिसर में कुटुम्ब न्यायालय, स्थायी लोक अदालत, जुबेलाइल कोर्ट के अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकार बक्सर के संरक्षण में उभय पक्षों के बीच समझौता कराने हेतु मध्यस्था केन्द्र भी जिला एवं सत्र न्यायाधीश की देखरेख में एवं उनके संरक्षण में सकुशल संचालित है। श्री वर्मा की माने तो सिविल कोर्ट बक्सर में विगत 07 फरवरी 1974 ईस्वी को सब जज कोर्ट बक्सर का विधिवत् उद्घाटन पटना हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एन.एल. उँटवालिया ने किया, जबकि विगत् 27 नवम्बर 1990 ईस्वी को सिविल कोर्ट बक्सर में ए.डी.जे. कोर्ट का विधिवत् उद्घाटन हाईकोर्ट पटना के ही तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जी.जी. सोहनी ने किया।

समारोह का मंच संचालन करते हुए अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा

जिला एवं सत्र न्यायालय का उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए पटना उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिमल बसाक

पटना उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्तियों विमल बसाक को माल्यार्पण करते हुए अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा

उक्त अवसरों का भी मंच संचालन वरीय अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा के द्वारा किया गया था। इनके अतिरिक्त बक्सर के अधिवक्ता अखौरी राम नरेश सिन्हा बक्सर जनपद के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी भी थे। दिवंगत वरिष्ठ अधिवक्ताओं में बड़का बबन जी, छोटका बबन जी सहित प्रणव कुमार चटर्जी, अब्दुल मजीद अंसारी, प्रभात चौबे, गुरूदेव शरण श्रीवास्तव, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह आदि विधि विशेषज्ञ विभूतियों के रूप में स्मरण किये जाते रहेंगे। सिविल कोर्ट, बक्सर में कार्यरत्त अधिवक्ताओं के बीच जिला अधिवक्ता संघ बक्सर से सम्बद्ध वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा दिनांक 20 जनवरी 1969 ईस्वी से ही अनवरत निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने लिगल प्रैक्टिस के प्रति प्रतिबद्ध एवं समर्पण भाव से पेंचीदा से पेंचीदा व जटिल से जटिल मुकदमों को सहज ढ़ंग से न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए समर्पित रहे हैं। अपनी विलक्षण प्रतिभा के लिए न्यायाधीशों सहित पीठासीन पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के बीच मुक्त कंठ से चर्चित अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा कनिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए तो वे मानो आर्दश की प्रतिमूर्ति एवं मार्गदर्शक रहे हैं। अधिकांश अधिवक्ता श्री वर्मा को अपना एक आर्दश सिनियर एवं संवेदनशील सहाहकार मानते हैं। हिन्दी-अंग्रेजी एवं भोजपुरी भाषा के एक सशक्त हस्ताक्षर के रूप में स्थापित एक वरिष्ठ विद्वान अधिवक्ता के अतिरिक्त एक प्रबुद्ध संपादक, सम्मानित साहित्यकार, प्रबुद्ध प्रखर वक्ता प्रख्यात उद्घोषक एवं समर्पित सांस्कृतिक समाजसेवी के रूप में रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने अपना एक कीर्तिमान स्थापित किया है। कर्पूरी ठाकुर विधि महाविद्यालय बक्सर द्वारा प्रकाशित स्मारिका के सम्पादक के रूप में श्री वर्मा को अखिल भारतीय स्तर का एक सफल प्रबुद्ध सम्पादक के रूप में स्वीकार किया गया। इस सत्ययुक्त तथ्य की घोषणा स्वयं भारत के वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र किशोर ने की है।

प्रथम न्यायाधीश, बक्सर

आकाशवाणी पटना/प्रसार भारती एवं भारतीय दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों के एक लोकप्रिय वार्ताकार भी है रामेश्वर प्रसाद वर्मा। पटना के ई. टी.वी. चैनल से 'बक्सर अतीत से आज तक', 'बक्सर व बिहार के पूजन इन्टेलेक्टयल डॉ० सच्चिदानन्द सिन्हा' शीर्षक विषयों पर आयोजित परिचर्चा का स्पेशल ऐंकर के रूप में वर्ष-2002 एवं 2003 में सम्मानित। पुनः दूरदर्शन चैनल सी. एन.बी. के समाचार सम्पादक व संचालक के रूप में 2006 से 2012 तक अनवरत एक सुयोग्य ऐंकर की हैसियत से न्यूज को प्रसारित करते रहे। वर्ष 1970 से ही पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए दैनिक आज, हिन्दुस्तान समाचार एजेंसी पटना, भारत मेला, अमृत वर्षा, पाटलिपुत्रा टाइम्स, जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, आर्यावर्त, प्रभात खबर, जनशक्ति, भोजपुरी माटी, भोजपुरी कहानियां, अरूण, आदि विभिन्न राष्ट्रीय की पत्रिकाओं में लेखन। आकाशवाणी पटना के समाचार विभाग से वर्ष 1991 से 1999 ईस्वी तक अनवरत 'बक्सर जिले की चिट्ठी' का प्रसरण। प्रसारित एवं प्रकाशित कहानियों ने 'नइहर के नेह', 'उत्पात के अंत', 'अंगना भइल विदेश', समझौता, 'सिस्टर गलत पढ़ाती है', 'दूध की लाज' वर्ष 1980 से 2005 के मध्य अन्तरराज्य कहानी प्रतियोगिता संघ बक्सर द्वारा 'वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ' की उपाधि से अलंकृत होकर सम्मानित। लायन्स क्लब बक्सर के द्वारा 'बक्सर गौरव', रोटरी क्लब बक्सर के द्वारा 'बक्सर की प्रतिष्ठा', जिला प्रशासन के द्वारा 'बक्सर रत्न', बाबा टाइम्स डुमरॉव के द्वारा 'बक्सर मिरर' एवं श्री वर्मा की साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रतिभा से प्रभावित होकर झारखण्ड हिन्दी साहित्य संस्कृति मंच राँची ने 'साहित्य रत्न' की उपाधि से अलंकृत किया है। उनके साहित्यक कृतियों में 'जिंदगी', 'जिंदगी मिली मंजिल मुस्कुरायी' उपन्यास है, जबकि 'डॉक्टर साहब', 'देश के दुश्मन', 'जागो फिर एक बार' नाटक है जबकि विविधा लघु कथा-मुक्तक-गीत एवं कविताओं सहित सामयिक आलेखों का संकलन प्रमुख है। श्री वर्मा के आदर्श परक उदात व्यक्तित्व एवं उनकी मानक कृतियों पर डॉ० वर्मा उपलब्धि एवं संभावनाएँ एवं प्रख्यात कवि व शायर कुमार नयन का दैनिक प्रभात खबर में प्रकाशित विशद आलेख कथाकार रामेश्वर प्रसाद वर्मा सहित डॉ० ओम प्रकाश केसरी, पवन नन्दन रचित 'बक्सर के आदर्श रामेश्वर प्रसाद वर्मा' भावी पीढ़ी के लिए अप्रतिम दस्तावेज तो है ही, शोद्य मेधावी प्रतिभाओं के लिए मार्गदर्शक भी हैं। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष एवं स्टैंडिंग कमेटी के साथ बैठक

● डी. एन. शुक्ला

लोकसभा 2024 के चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के प्रेस नोट के अलोक में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही पूरे भारत में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। निर्वाचन से संबंधित कार्यक्रमानुसार दिनांक-29.04.2024 को अधिसूचना जारी किए जाने की तिथि निर्धारित है। दिनांक-06.05.2024 को नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये जाने की अंतिम तिथि है। 07 मई को नाम निर्देशन पत्र के संवीक्षा की तिथि निर्धारित है। अभ्यर्थिता वापसी की अंतिम तिथि 09 मई है। 25 मई को मतदान तथा 04 जून को मतगणना होगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राजनैतिक दलों के साथ आयोजित बैठक में राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष/सचिव तथा स्टैडिंग कमिटि की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1-वाल्मीकिनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, पश्चिम चम्पारण हैं। वहीं 2-पश्चिमी चम्पारण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र हेतु जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण निर्वाची पदाधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सफल संचालन हेतु जिलास्तर पर कुल 301 सेक्टर पदाधिकारी, 27 एफएसटी, 28 एसएसटी का गठन कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला अंतर्गत राजनैतिक दलों द्वारा सभा/रैली/वाहन/हेलीकॉप्टर/पार्टी कार्यालय एवं अन्य सभी प्रकार की अनुमति हेतु एकल खिड़की कोषांग का गठन किया गया है।

☞ वाल्मीकिनगर लोकसभा निर्वाचन हेतु निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पश्चिम चम्पारण, बेतिया एवं

☞ पश्चिमी चम्पारण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर नामित हैं। उन्होंने बताया कि सभी प्रकार की अनुमति भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये एनकॉर एप्लीकेशन द्वारा दिये जा रहे हैं। सभी प्रकार के अनापति प्रमण पत्र एकल खिड़की द्वारा एक ही जगह पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं, जिसके लिए अभ्यर्थियों को अलग-अलग कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि विभिन्न राजनैनिक दलों द्वारा अनुमति यथा सभा/रैली/वाहन हेलीकॉप्टर,पार्टी कार्यालय के क्रम में उपयोग में लाये जाने वाले विभिन्न सामग्री हेतु जिलास्तर पर दर निर्धारित कर इसका प्रकाशन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित सभी मामलों की शिकायत आम नागिरकों द्वारा सी-विजिल एप के माध्यम से दर्ज कराया जा सकता है। जिसका निष्पादन 100 मिनट के अंदर किया जाना अनिवार्य है।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी राजनैतिक दलों और निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों द्वारा आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा उस संहिता के उल्लंघन के विशिष्ट मामलों पर विचार करने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्थायी समिति का गठन किया गया है। सभी राजनैतिक दलों से अपील है कि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सहयोग करें तथा यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठायें कि कोई व्यक्ति अत्यधिक उत्साह एवं उत्तेजना में विधि द्वारा स्थापित सीमाओं को नहीं लांघें।उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण इस प्रकार हैं:-

☞ कोई दल या अभ्यर्थी धार्मिक या भाषा संबंधी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो विद्यमान मतभेदों को अधिक गंभीर बना दें या एक दूसरे के लिए नफरत पैदार करें या भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच तनाव पैदा करे।

☞ जब राजनैतिक दलों की आलोचना की जाय, तो यह उनकी नीतियों एवं कार्यक्रमों गत रिकॉर्ड और कार्य तक सीमित रखी जायेगी।

☞ दलों और अभ्यर्थियों को अन्य दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं की निजी जीवन से संबंधित पहलू की आलोचना नहीं किया जाना चाहिए। असत्यापित आरोप एवं मिथ्या कथन के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना करने से बचा जाय।

☞ मत प्राप्त करने के लिए जाति या सम्प्रदाय की भावना के आधार पर कोई भी अपील न की जाये।

☞ चर्च, मस्जिद, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थलों को निर्वाचन प्रचार के लिए एक मंच के रूप में उपयोग नहीं किया जाय।

☞ सभी दल एवं अभ्यर्थी निर्वाचन विधि के अधीन सभी भ्रष्ट आचरण एवं अपराधिक गतिविधियों जैसे कि मतदाताओं को घूस देने, मतदाताओं को डराने-धमकाने, मतदाताओं का प्रतिरूपण करना, मतदान समाप्त होने के निश्चित समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटे की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभायें आयोजित करने और मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन एवं वाहन उपलब्ध कराने से दूर रहें।

☞ कोई भी राजनैतिक दल अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति के अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर, दीवारों आदि पर झंडा लगाने, बैनर लगाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने आदि की अनुमति नहीं देगा।

☞ सरकारी भवनों पर दिवाल लेखन, बैनर, पोस्टर झंडा, होर्डिंग्स आदि नहीं लगाया जायेगा। निजी मकान या उनके प्रतिष्ठान पर मकान मालिक के अनुमति के बिना दिवाल लेखन, बैनर, पोस्टर, झंडा, होर्डिंग्स आदि नहीं लगाया जा सकता है।

☞ किसी भी राजनैतिक सभी या वाहनों से प्रचार हेतु अनुमति प्राप्त करने के बाद ही लाउडस्पीकर का उपयोग सुबह 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक किया जा सकता है।

☞ आदर्श आचार संहिता अवधि में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क)

के तहत निर्वाचन अभियान के दौरान पैम्फलेट, पोस्टर के मुद्रण को कतिपय शर्तों के अधीन प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन पैम्पलेट या पोस्टर का मुद्रण तब तक नहीं करेगा या करवायेगा जबतक की उस प्रकाशक के पहचान की घोषणा उसके द्वारा हस्ताक्षरित और दो व्यक्तियों के द्वारा जिनको वह व्यक्तिगत रूप से जानता हो, सत्यापित अनुलिपि में उसके द्वारा मुद्रक को नहीं दे दी जाती है और जबतक की दस्तावेज के मुद्रण के पश्चात युक्तिसंगत समय के भीतर घोषणा की एक प्रति, दस्तावेज की एक प्रति के साथ मुद्रक द्वारा उस जिले के जिला मजिस्ट्रेट को जहां वह मुद्रित किया गया हो, भेज न दिया जाय।

☞ राजनैतिक दलों से अनुरोध है कि रैलियों के लिए उसका समय स्थान एवं रूट की पूर्व सूचना देकर इसकी अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

☞ चुनावी कैम्पेन के लिए एवं चुनाव की तिथि के लिए आयोग द्वारा निर्धारित सीमा में ही वाहनों का प्रयोग किया जायेगा।

☞ किसी भी प्रकार के प्रलोभन या वितीय लाभ मतदाताओं को पहुंचाने का कार्य अभ्यर्थी या राजनैतिक दलों द्वारा नहीं किया जायेगा।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया, अमरकेश डी, उप विकास आयुक्त, प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह, नगर आयुक्त, नगर निगम बेतिया, शंभु कुमार, एसडीएम, बेतिया, विनोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी, लालबहादुर राय, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, यशलोक रंजन, विवेक कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं राजनैतिक दलों के अध्यक्ष उपस्थित थे। ●

सन्नी सिंह हत्या मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

● **डी. एन. शुक्ला**

शिकारपुर पुलिस ने चार माह बाद सन्नी हत्याकांड के मुख्य आरोपित सुधीर पांडेय उर्फ आदित्य पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी सिवान जिले से की गई है। घटना के चार माह बाद पुलिस को सफलता मिली है। एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह ने बताया कि विगत 16 जनवरी को मझौलिया थाना के दुधहा गांव निवासी लोकेश कुमार सिंह उर्फ सन्नी सिंह लापता हुआ था। मामले में उसके पिता मनोज कुमार सिंह ने शिकारपुर थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई थी।इसमे पांडेय टोला निवासी सुधीर पांडेय उर्फ आदित्य पांडेय, लौरिया थाना के गोबरौरा गांव निवासी यश मिश्रा उर्फ यशराज मिश्रा,नरकटियागंज के सरताज आलम, जयमंगलापुर गांव निवासी रवि तिवारी व पुरानी बाजार के छोटू कुमार को आरोपित किया था।आरोप था कि भांजे के मुंडन में सन्नी सिंह आया था जिसका अपहरण आरोपियो ने कर लिया है और उसकी हत्या की आशंका भी जताई थी। घटना के एक माह बाद यानि 15 फरवरी को कोइरगावा विक्रमपुर गांव के समीप स्थित पंडई नदी में बोरे में बंधा सन्नी का शव मिला था। लेकिन उस शव को पहचान हाथ पर गोदे गए टैटू के आधार पर की गई थी।वही एसडीपीओ ने बताया कि घटना के बाद से सभी आरोपित फरार चल रहे थे।अनुसंधान के क्रम में नतकटिया फार्म के समीप सन्नी का मोबाइल एक महिला को मिला और उसने उस मोबाइल को पुलिस को सौंप दिया।

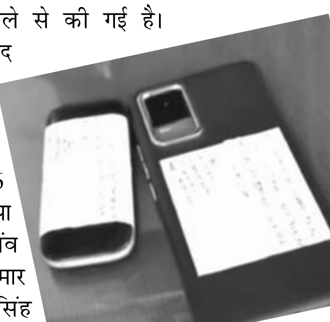

सन्नी की हत्या के बाद से ही सुधीर सीवान में छिप कर रह रहा था. एसपी के निर्देश पर नरकटियागंज एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई. इसमें शिकारपुर थानाध्यक्ष अवनीश कुमार, अपर थानाध्यक्ष श्याम किशोर पड़ित और तकनीकी शाखा प्रभारी इंस्पेक्टर अभिराम सिंह की मदद से सुधीर पांडेय का टॉवर लोकेशन के अधार पर जो की सीवान में मिला और उसे शनिवार को गिरफ्तार किया गया।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपित को जेल भेज दिया गया है।एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि पूछताछ में सुधीर ने हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है। एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सुधीर पांडेय के पास से दो मोबाइल जब्त की गयी है. हत्या करने का कारण। एफआईआर के बाद पुलिस की दबिश को देखते हुए सुधीर पांडेय शहर छोड़ कर फरार हो गया. शहर छोड़ने से पहले उसने अपना मोबाइल और सिम कार्ड यहीं तोड़ कर फेंक दिया. मोबाइल बंद रहने से पुलिस को काफी मशक्कत के बाद उसका दूसरा नंबर मिला जिससे वह अपने परिवार वालों से कभी कभी बात करता था. एसडीपीओ ने बताया कि रुपए के लेनदेन में सन्नी सिंह की हत्या की गई है।

☞ **सुधीर पांडेय का आपराधिक इतिहास।?** :- एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सुधीर पांडेय का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है.वही सुधीर पाण्डेय कई घटनाओ को अंजाम दिया है। कई थाने मे अपहरण, हत्या आदि का मामला दर्ज है. वही एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि घटना के अन्य नामजद आरोपितों की जांच पड़ताल करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

☞ **छापेमारी टीम इस प्रकार** :- शिकारपुर थानाध्यक्ष अवनीश कुमार, एसआई श्याम किशोर पंडित, तकनीकी शाखा के एसआई अभिराम सिंह समेत अन्य कर्मी शामिल थे। ●

चम्पारण के लाल ने किया कमाल

● डी. एन. शुक्ला

आज हम बात कर रहे है नरकटियागंज नगर परिषद के दिवलिया के राजू मिश्रा का जो की राजु मिश्रा एक नाम ही नहीं बल्कि कई युवाओं के रोल मॉडल बन चुके है बिहार के चंपारण जिले के नरकटियागंज निवासी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सुरेश मिश्रा के पुत्र राजू मिश्रा ने सारे क्षेत्र में लहराया अपना परचम और राजु मिश्रा का कहना है को विश्वास है कि बिहार अपने वास्तविक विकास की कहानी को तब तक हासिल नहीं कर पाएगा जब तक कि हमारे राज्य के ग्रामीण क्षेत्र, हमारे ग्रामीण समुदायों, समाज की लड़कियों, राष्ट्र की युवा पीढ़ी, मरीजों और अन्य लोगों को को चुनाव करने और अपने जीवन को बदलने का अधिकार नहीं है। इस विचार के साथ, हमने चार साल पहले एक परिवार को चंगा, सहायता, रक्षा, शिक्षित करने की पहल की। आज हमारा परिवार स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्तदान कवरेज और महिला अधिकारिता में 360-डिग्री विकास के माध्यम से आने वाले वर्षों में जीवन को सशक्त बनाने के मिशन के साथ अस्तित्व फाउंडेशन में बदल गया है। हमारा उद्देश्य विकास के लिए एक ऐसा मॉडल तैयार करना है जिसे न केवल बिहार में बल्कि पूरे देश और शायद दुनिया में बड़े पैमाने पर दोहराया जा सके। जबकि हम अस्तित्व फाउंडेशन में अपनी 300+ मजबूत टीम और 1000+ स्वयंसेवकों के साथ, ग्रामीण बिहार के सामने आने वाली कई चुनौतियों का समाधान खोजने और निष्पादित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, अगर हम अकेले अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं करते हैं तो हमें खुशी होगी। मैं एक सहयोगी मॉडल में विश्वास करता हूं और कई भागीदारों के साथ काम करता हूं जिसमें गैर सरकारी संगठन, अन्य फाउंडेशन, सरकार और कॉरपोरेट शामिल हैं। अस्तित्व फाउंडेशन में हम प्रतिबद्ध हैं और जाने के लिए उतावले हैं। हमने जो कार्य निर्धारित किया है, उसके बारे में हम भोले नहीं हैं, लेकिन ऐसे समुदाय बनाने के लिए दृढ़ हैं जो बिहार और भारत की विकास कहानी में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखते हैं। हमने हमेशा एक भारत का सपना देखा है, एक ऐसा भारत जहां शहरी-ग्रामीण विभाजन मौजूद नहीं है। हमें उम्मीद है कि आप अस्तित्व फाउंडेशन को, हमारे ग्रामीण समुदायों, समाज की लड़कियों, राष्ट्र की युवा पीढ़ी, मरीजों और अन्य लोगों को अपना समर्थन देने का वचन देंगे। उनके सपनों को उसी जुनून के साथ पूरा करने का संकल्प लें जैसे हम अपने सपनों का पीछा करते हैं। उनकी दुनिया का हिस्सा बनने का संकल्प लें और हमारे यहां उनका स्वागत करें। समाज के कल्याण के लिए आज मैं आपको तीन विचारों के साथ छोड़ना चाहता हूं अभी नहीं तो कभी नहीं? यहां नहीं तो कहां? अगर आप नहीं, तो कौन? समाजसेवा के क्षेत्र में 'अस्तित्व' आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है. अस्तित्व परिवार के सारे सदस्यो के लिए गर्व की बात हैं जीवन के इस आपाधापी में खासकर कोरोना जैसे महामारी के समय में जब हर मनुष्य अपनी मूलभूत जरूरतों के लिए भी जूझ रहा है ऐसे में मदद का एक छोटा सा प्रयास आम आदमी के जीवन में जीने की एक नई उम्मीद पैदा करता है. अस्तित्व भी अन्य संगठनों की तरह नही है इससे जुड़ने के बाद यह अहसास होगा की इसकी कार्य शैली अन्य सामाजिक संगठनों से बिलकुल अलग है. इस संगठन की सबसे बड़ी खासियत है की इसमें युवा जोश के साथ-साथ अनुभव की भी प्रचुर मात्रा में उपलब्धता है. जहाँ एक तरफ युवाओं का जोश रोज नये-नये कार्यों की प्लानिंग करता है तो वहीँ अनुभव उस प्लान को सफल बनाने के गुर बताता है.

☞ उम्र महज 21 साल में एमबीबीएस पढाई के साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और चार बार विश्व रिकॉर्ड में बनाई अपनी जगह।

☞ आइकन ऑफ इंडिया अवार्ड से हो चुके हैं सम्मानित।

☞ डॉक्टर बनकर देश विदेश में रौशन करना चाहते चंपारण का नाम।

☞ कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से हो चुके हैं सम्मानित।

☞ यूथ के लिए बन चुके है रोल मॉडल।

☞ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान डॉक्टर कलाम रत्न, आचार्य चरक चिकित्सा सम्मान से हो चुके है सम्मानित।

☞ राष्ट्रीय प्रतिष्टा सम्मान से हो चुके है सम्मानित।

☞ **अस्तित्व का शिक्षा क्रांति :-** अस्तित्व का ये शिक्षा क्रांति हमारे समाज में रह रहे उन तमाम बच्चों के लिए है जो अन्य बच्चों की तरह

शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते।ये बात सबलोग बहुत ही अच्छे से जानते हैं कि आज का शिक्षा बस पैसों पर निर्भर करता है मतलब जिनके पास पैसे है उनको अच्छी शिक्षा मिल रही है, भले ही उनमें प्रतिभा हो या न हो। लेकिन हमारे समाज में कुछ ऐसे भी बच्चे हैं जिनमें प्रतिभा होते हुए भी उनको पैसों की कमी के कारण बेहतर शिक्षा नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए हमारे अस्तित्व फाउंडेशन के द्वारा इस संस्था का शुरुआत किया गया।आज हमारे अस्तित्व का ना सिर्फ पश्चिमी चंपारण में बल्कि पटना में तथा बिहार के अन्य जिलों में भी गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए अस्तित्व पाठशाला खोला गया है। अस्तित्व पाठशाला के हर एक सेंटर में लगभग 50 बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाती है।हमारे सभी अस्तित्व परिवार का ये मानना है कि ये बच्चे ही हमारे देश के भविष्य हैं इसीलिए हमारे सारे अस्तित्व परिवार इन कामों में अपना भरपूर योगदान देने में जरा सा भी कमी नहीं करते हैं। सिर्फ बिहार के ही नहीं बल्कि पूरे देश के तमाम उन बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान कराना हमारा अस्तित्व का एकमात्र लक्ष्य है।

☞ **अस्तित्व का रक्त दान महादान :-** ष्अस्तित्व को रक्त दान महादानषइसके जरिए अस्तित्व पूरे देश भर के उन तमाम लोगों को रक्त प्रदान करता है जो किसी बीमारी से ग्रसित है,या फिर एक्सीडेंट केश, तथा अन्य समस्यायों से जो लोग पीड़ित हो तथा जिनके परिवार में कोई सदस्य नहीं हो जो उस पीड़ित व्यक्ति को रक्त दे सकें। वो सब को अस्तित्व रक्‌त उपलब्ध कराता हैं।

☞ **अस्तित्व के द्वारा लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना :-** अस्तित्व के द्वारा असहाय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करानाषइ अस्तित्व फाउंडेशन सिर्फ हमारे बिहार राज्य के या बिहार के बाहर सरकारी और गैर सरकारी मेडिकल टीम के साथ हरसंभव प्रयास कर हर जगह निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराता हैं।

☞ **अस्तित्व नारी सशक्तिकरण अभियांन :-** महिलाएं जागरूक हो चुकी है और अब पुरूषों के कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही है।हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी धाक जमाई है। परिवार के साथ समाजसेवा में भी यह पीछे नहीं हैं। लोगों के ताने सहकर भी अपने लक्ष्य हासिल करने और पहचान बनाने का जज्बा हर किसी के अंदर नहीं होता है। बहुत विरले ही लोग होते हैं जो हर कष्ट को सहकर भी अपने जूनून कोध नहीं छोड़ते और उसमें अपनी खास पहचान बनाते हैं। कुछ इसी बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है बिहार के रहने वाले राजू मिश्रा, जिन्हें शुरूआती दौर उन्होंने अपनी हौसलों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया और आज इसी बलबूते पर देश भर में अपनी एक विशेष पहचान बनाई। वहीं राजू मिश्रा बताते हैं कि जरूरतमंदों का सहायता एवं सहयोग करना समाज के हर वर्ग का दायित्व बनता है। इसके लिए हर वर्ग को नि:स्वार्थ भाव से आगे आना चाहिए। गरीब, असहाय एवं जरूरतमंदों की सेवा करना ईश्वर एवं गुरु की सबसे बड़ी पूजा एवं सेवा है। इस भौतिक युग में जहां हर व्यक्ति सिर्फ अपने लिए सोच रहा है वहीं अस्तित्व अपनी पूरी टीम के साथ निरंतर समाज के बेहतरी के लिए प्रयासरत है। एक मनुष्य के लिए इससे ज्यादा सुखद अहसास क्या हो सकता है कि उसका एक छोटा सा प्रयास किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला दे। मनीष कुमार राव ने बताया है कि हमारा ऑर्गेनाइजेशन निरंतर समाज के बेहतरी के लिए प्रयासरत है। जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराना हो, फ्री मेडिकल कैंप लगाना हो या बच्चों को मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराना हो हमारा ऑर्गेनाइजेशन हर कार्य में अग्रणी भूमिका निभाता है।। पूरे अस्तित्व परिवार का मानना है कि नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा का फल हमेशा मीठा होता है।●

8695.07 लीटर अवैध शराब का हुआ विनिष्टिकरण

● डी. एन. शुक्ला

लोकसभा 2024 के चुनाव को लेकर प्रशासन मुस्तैद है। जहाँ बगहा पुलिस जिला के 14 पुलिस थानों द्वारा जब्त कुल 8695.07 लीटर अवैध शराब का विनिष्टिकरण नदी थाना के प्रांगण में किया गया। शराब विनिष्टिकरण का कार्य अधीक्षक मद्य निषेध, पश्चिमी चम्पारण, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा एवं अंचलाधिकारी मधुबनी के समक्ष हुआ।वही अधीक्षक, महानिषेध मनोज कुमार सिंह ने बताया कि लोक सभा निर्वाचन 2024 को पूर्ण स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय के दिशा-निर्देश के आलोक में मद्य निषेध कानून का प्रभावी अनुपालन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक ओर जहाँ शराब पीने, कारोबार करने तथा बनाने वालों के विरुद्ध छापेमारी कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है वहीं दूसरी ओर छापेमारी में जब्त शराब का विनिष्टिकरण ससमय पर कराया जा रहा है। वही अधीक्षक, महानिषेध ने बताया कि शराब पीने, कारोबार करने तथा बनाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है और आगे भी की जाएगी। मद्य निषेध विभाग की पूरी टीम एवं पुलिस की टीम निरंतर कार्रवाई कर रही है।●

करोड़ों की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

● डी. एन. शुक्ला

शिकारपुर थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान हरदिया चौक नहर के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को रोक कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 10 किलो चरस बरामद किया गया.जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये मे आंकी जा रही है. गिरफ्तार चरस तस्कर की पहचान रामनगर थाना के बरगजवा गांव निवासी मो सगीर के रूप में हुई है। वही एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि रात्रि गश्ती के दौरान हरदिया चौक नगर के समीप पुलिस गाड़ी देखते ही तस्कर नहर के रास्ते भागने लगा।पुलिस अधिकारी व जवानों को शंका होने पर उसे खदेड़कर पकड़ा गया।उसके पिट्ठू बैग की जांच में चरस की बरामदगी की गई। एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में तस्कर ने खुलासा किया है कि वह दिल्ली के बेगमपुर थाना के रोहिणी सेक्टर 22 में रहता

है। नेपाल से चरस की खरीददारी कर वह दिल्ली में अन्य तस्करों को चरस बेचता है। उन्होंने बताया कि उसने अपने अन्य साथियों के नाम का भी खुलासा किया है। हालांकि एसडीपीओ ने अन्य तस्करों के नामों के खुलासे से परहेज करते हुए बताया कि चरस के धंधे में शामिल अन्य तस्करों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। एसडीपीओ ने बताया कि धराए तस्कर के पिता भी तस्करी के धंधे से ही जुड़े थे।उन्होंने बताया कि तस्कर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्जकर उसे जेल भेज दिया गया है।

☞ **NDPS एक्ट क्या है? :-** भारत में गांजा यानी कैनाबिस या मारिजुआना का क्रय-विक्रय और सेवन करना गैर-कानूनी है। अवगत करा दे की मारिजुआना के साथ पकड़े जाने पर नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट यानी एनडीपीएस (NDPS) एक्ट की तहत कार्रवाई होती है। यह कानून नशीले पदार्थों की तस्करी से संबंधित है। इस कानून के तहत दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को लगभग 1 से 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा होती है। साथ ही साथ कम-से-कम 1 लाख रुपए का जुर्माना देना होता है। इस अधिनियम को साल 1986 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का गठन किया गया था। जिसे दिसंबर 2021 में केंद्र सरकार ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम में संशोधन के लिए लोकसभा में विधेयक पेश किया था। और इस विधेयक को पास किया गया था।

☞ **करोड़ों के चरस के साथ उपमुखिया गिरफ्तार :-** वही भंगहा पुलिस और पचरौता एसएसबी की संयुक्त कार्यवाही से 10 किलो चरस के साथ उप मुखिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चरस तस्कर टोला चपरिया का उपमुखिया

बताया जा रहा है।

☞ **गुप्त सूचना के अधार पर हुई कार्रवाई :-** नरकटियागंज डीएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से चरस की खेप आने वाली है. जिसको लेकर भंगहा थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद ने एसएसबी असिस्टेंट कमांडेंट अतुल तिवारी को सूचित कर संयुक्त टीम का गठन किया तथा इंडो-नेपाल बॉर्डर एरिया की घेराबंदी की गई. पचरौता पिलर संख्या 428 के पास से एक व्यक्ति बाइक पर नेपाल से आ रहा था उसे बेहरी गांव के पास पुलिस ने रुकने का इशारा किया गया. लेकिन बाइक छोड़कर भागने लगा तभी पुलिस ने उसे खदेड़ कर पकड़ लिया।इधर तलाशी के दौरान एक बैग मे छिपा कर रखे 10 किलो चरस बरामद की गई। वही चरस की अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 2 करोड़ की बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मैनाटांड थाना क्षेत्र के रमपुरवा निवासी चपरिया के उपमुखिया विनोद कुमार के रूप मे हुई है.वही बिनोद कुमार उपमुखिया बनने के नाम पर जोर-शोर से तस्करी करता रहा है। वर्ष 2021 में शराब की तस्करी में जेल भी जा चुका है। गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्जकर उसे जेल भेज दिया गया.डीएसपी जय प्रकाश सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई में शामिल सीओ आशीष आनंद, भंगहा थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद, एसएसबी एसी अतुल कुमार तिवारी, राजेश्वर प्रसाद, विजय कुमार, चौकीदार संदीप यादव आदि जवान मौजूद रहे. इन सभी का सराहनीय योगदान रहा।

☞ **35 किलो चरस के साथ 03 तस्कर को किया गया गिरफ्तार :-** बेतिया पुलिस ने गुप्त सूचना के अधार पर आवश्यक कारवाई हेतु नगर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम गठन किया गया।उक्त टीम के द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए सुप्रिया रोड पर नाका डाला गया। जहाँ नगर थाना अंतर्गत सुप्रियाटीम द्वारा देखा गया कि दो

मोटरसाईकिल चालक पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास करने लगें, जिसे पुलिस बल के सहयोग से पकड़ा गया। जांच के क्रम मे 35.766 किलोग्राम चरस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसका अंतर्राष्ट्रीय कीमत चार करोड़ के रूप मे आकी जा रही है.वही पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी. ने बताया कि पड़ोसी देश नेपाल से की 35.766 किलोग्राम चरस लेकर बेतिया पहुंचे तीन तस्करों को बेतिया नगर पुलिस की टीम ने सुप्रिया रोड व बस स्टैंड में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी शुक्रवार की देर शाम की गयी है।ये सभी नेपाल से चरस लेकर हरियाणा जाने वाले थे ।गिरफ्तार तीनों तस्करों से पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया है। वही पकड़ायें व्यक्तियों से विधिवत जाचं के क्रम में उनके पास से 31.766 किलोग्राम चरस बरामद किया गया तथा पकड़ायें व्यक्तियों के निशानदेही पर एक और व्यक्ति के पास से 4 किलोग्राम चरस बरामद किया गया। इस संदर्भ में नगर थाना कांड संख्या-180/24 दिनांक-19.04.2024 धारा-414 भा0द0वि0 एवं 08/20 (बी) (ii) (बी) (सी) NDPS Act । दर्ज कर तीनों पकड़ाये गए व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ **गिरफ्तार अभियुक्त :-**

1. फैयाज मियाँ, उम्र 45 बर्ष, पे० स्व० इजराईल मियाँ, सा० इनरवा, बाजार, थाना इनरवा, जिला बेतिया पश्चिमी चम्पारण।
2. संजय पटेल, उम्र 38 वर्ष, पे० स्व० बुनेला रखे पटेल, सा० भीखमपुर, थाना सिरिसिया, जिला पश्चिमी चम्पारण बेतिया।
3. सुरेश यादव, 38 वर्ष, पे० बेदार यादव, सा० बैरिया, थाना सहोदरा, जिला पश्चिमी चम्पारण बेतिया।

☞ **बरामदगी :-**

1. अवैध मादक पदार्थ(चरस)- 35 किलोग्राम, 766 ग्राम।
2. मोटरसाईकिल - 03
3. मोबाईल - 02 ●

बेचने वाले मालामाल और खरीदने वाले हो गए कंगाल

● **डी. एन. शुक्ला**

नरकटियागंज शहर सहित आस पास के इलाकों एवं शहर के चौक चौराहा एवं गली में दर्जनों की संख्या मे एक नंबरी लॉटरी का खेल खूब धरले से चल रहा है यह कोई नई बात नहीं है इस खेल में बहुत बड़ा रॉकेट सक्रिय है जिसमें लॉटरी माफिया से लेकर खेलाने वाले ने गरीब मजदूर यहां तक की कई छोटे बच्चे तक को अपना शिकार बनाया है साथ ही बेरोजगार युवा भी इस खेल मे शामिल है. इस रॉकेट मे स्थानीय कई खिलाड़ी भी सामिल है. यह खेल हर दिन सुबह होते ही शहर के ब्लॉक रोड सब्जी मंडी हाई स्कूल चौक पुरानी बाजार पुरानी सब्जी मंडी बर्तन मुहल्ला मस्जिद रोड सिनेमा चौक हरदिया चौक के छोटी-छोटी चाय दुकानों,पान दुकानों और नाश्ता के दुकानों पर यह खेल शुरू हो जाता है और इस खेल में अधिकांश गरीब लोग ही कंगाल होते जा रहे हैं एक नंबर लॉटरी के खेल के विरुद्ध अवाज उठते आ रहा है लेकिन आज तक कोई असर नहीं हुआ और ना होगा इतना ही नहीं स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी इसकी सूचना कई बार लोगो ने दी लेकीन इसका कोई असर नहि हुआ हालाकी इस खेल का जो मास्टरमाइंड है वही काफी इस शहर पर सक्रिय हैं अलबत्ता अब लोग भी निराश हो गए है. क्योंकि आज तक प्रशासन के द्वारा कोई कठोर कदम नहीं उठाया गया. जिससे इनकी कमर ढीली हो. खैर अब यह देखना है कि क्या प्रशासन की ओर से इस रॉकेट के प्रति क्या कार्यवाही किया जाऐगा। क्या प्रशासन इस खेल को रोक पाएगी. एक कहावत है जब सैंया भाई कोतवाल तो डर काहे का। सवाल यह उठता है कि मास्टरमाइंड को संरक्षण कौन देता है और कहां से मिलती है। ●

● प्रेरणा

साल 2022 में द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनीं। देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला का बैठना कई मायनों में ऐतिहासिक था। इसी का एक दूसरा पहलू ये भी है कि आदिवासी महिला राष्ट्रपति होने के बावजूद, राजनीति में अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की हिस्सेदारी काफी कम है। वर्तमान में देश की संसद में आदिवासी महिलाओं की भागीदारी महज 1.8 प्रतिशत है। इसके पीछे की वजह क्या है और साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली आदिवासी महिलाओं के लिए राजनीति में अपनी जगह बना पाना कितना चुनौतिपूर्ण है?

संसद में आदिवासी महिलाओं का प्रतिनिधित्व इतना कम क्यों है?

पढ़िए झारखंड के तीन अलग-अलग जगहों से, तीन अलग-अलग आदिवासी महिलाओं की कहानी। ये तीनों महिलाएं राज्य में जल,जंगल, जमीन से जुड़े आंदोलनों का मुख्य चेहरा रही हैं। हमारी इस यात्रा की शुरुआत झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र से हुई। हमें यहां मुन्नी हांसदा नाम की एक महिला से मिलना था। वो दुमका के काठिकुंड में रहती हैं और संथाल के इस क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम हैं। वो प्रदेश की उन आंदोलनकारी महिलाओं में शामिल हैं, जो पिछले कई सालों से राज्य की खनिज संपदा को कॉरपोरेट घरानों से बचाने की लड़ाई लड़ रही हैं और अपनी एक राजनीतिक पहचान बनाना चाहती हैं। पहली बार उनका नाम सुर्खियों में तब आया था, जब साल 2005-07 में दुमका के काठीकुंड में कोलकाता की एक बड़ी कंपनी अपना पावर प्लांट स्थापित करने वाली थी। झारखंड की तत्कालीन सरकार के साथ कंपनी ने एमओयू पर हस्ताक्षर भी कर लिए थे पर ग्रामीणों के विरोध और लंबे चले आंदोलन के बाद कंपनी और सरकार दोनों को बैकफुट पर जाना पड़ा। मुन्नी हांसदा इसी आंदोलन का मुख्य चेहरा बनकर उभरी थीं। उन्होंने कंपनी के प्रस्ताव के खिलाफ तकरीबन सात महीने जेल में भी बिताए थे। इससे पहले वो लंबे समय तक आदिवासियों को पेसा कानून, फॉरेस्ट राइट्स, संथाल परगना टेनेन्सी एक्ट के बारे में जागरूक करती रही थीं। कोलकाता की कंपनी के खिलाफ हुए आंदोलन में मिली जीत शायद इसी का नतीजा था। मुन्नी हांसदा ने इसके बाद भी कई आंदोलनों का नेतृत्व किया और हक के लिए लड़ती रहीं। बतौर सामाजिक कार्यकर्ता एक सफल पारी खेलने के बाद मुन्नी हांसदा ने जब राजनीति में अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश की, तो उन्हें लोगों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। वो कहती हैं, ''चुनाव के समय में जिसके पास पैसा है और वो गाँव में पैसा फेंकता है, दारू पिलाता है तो उसको वोट मिल जाता है। हमारे समाज में वोट को लेकर जागरूकता नहीं है। वो नहीं समझते कि किसको जिताने से हमारी आवाज लोकसभा या विधानसभा में उठेगा।'' साल 2009 में तृणमूल कांग्रेस, साल 2015 में मार्कसिस्ट कोऑपरेशन और साल 2020 के विधानसभा चुनाव में भी टीएमसी से शिकारीपाड़ा सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। इन तीनों ही पार्टियों का झारखंड में कोई जनाधार नहीं है। वो मानती हैं कि उनकी जैसी साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं के लिए राजनीति में अपने बूते जगह बना पाना बहुत मुश्किल है। वो बताती हैं, ''इसके पीछे वो दो-तीन मुख्य वजहें हैं। पहला कि कोई भी बड़ी पार्टी आपको टिकट नहीं देती। आपके पास पैसे हों, संसाधन हो, मजबूत राजनीतिक बैकग्राउंड हो, तभी टिकट मिलने की उम्मीद है लेकिन अगर आपके पास इन तीनों में से कुछ भी नहीं है और आप महिला हैं, तो आपका कुछ नहीं हो सकता।'' इसके बावजूद मुन्नी हांसदा ने आगामी लोकसभा चुनाव में दुमका लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। वो कहती हैं कि इस सीट से सबसे अधिक बार चुनकर आए शिबू सोरेन आदिवासी समुदाय से ही आते हैं लेकिन उन्होंने आदिवासियों के लिए कुछ काम नहीं किया। वो जानबूझकर आदिवासी युवाओं को वो मौके नहीं देना चाहते, जिनके वो हकदार हैं क्योंकि वो जानते हैं कि अगर उन्होंने इस समुदाय के लोगों को आगे बढ़ाया तो वो राजनीति में भी हस्तक्षेप करेंगे। इन दिनों मुन्नी हांसदा ग्रामसभा को संबोधित कर आदिवासियों को उनके वोट की अहमियत समझा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि एक दिन उनके समुदाय के लोगों को ये बात जरूर समझ आएगी और वो उनके जैसी महिलाओं पर भरोसा जताएंगे। वो कहती हैं, ''हमारे यहाँ के आदिवासियों के पास राजनीतिक ज्ञान नहीं है। पैसा पर बिका, वोट दिया दूसरे को, हमको सपोर्ट नहीं किया। आंदोलन में साथ देता है लेकिन चुनाव के वक्त पैसा पर बिक जाता है, लेकिन हम आज भी लोगों के साथ हैं, आज भी लड़ रहे हैं।''

☞ **आदिवासी बहुल राज्यों में आदिवासी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी :-** बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य का गठन साल 2000 में किया गया। साल 2000 से 2019 तक इस प्रदेश ने कुल चार लोकसभा चुनाव देखे हैं लेकिन इन चार चुनावों में प्रदेश से चुनकर देश की संसद तक का रास्ता चार महिलाएं भी पूरा नहीं कर सकी हैं। रही बात आदिवासी महिलाओं की तो आदिवासी बहुल राज्य होते हुए भी इस समुदाय से आने वाली केवल दो महिलाएं ही सदन में प्रवेश कर पाई हैं। साल 2004 में खूँटी से चुनी गई सुशीला केरकेट्टा और साल 2019 में सिंहभूम सीट से जीतकर आई गीता कोड़ा। गीता कोड़ा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी हैं, वहीं सुशीला केरकेट्टा प्रदेश से चुनी गई इकलौती आदिवासी महिला सांसद है, जो साथ

डॉ० वासवी किड़ो

द्रोपदी मूर्म

मुन्नी हांसदा

ारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखती हैं। झारखंड से इतर हम अगर दूसरे प्रदेशों की बात करें तो मध्य प्रदेश में जनजाती समुदाय की सबसे अधिक आबादी रहती है। आजादी के बाद हुए पहले आम चुनाव से लेकर पिछले 2019 के आम चुनाव तक इस प्रदेश से 12 आदिवासी महिला संसद चुनी गई हैं। आंध्रप्रदेश, ओडिशा से आठ, महाराष्ट्र-राजस्थान से तीन, छत्तीसगढ़-गुजरात जैसे राज्यों से दो और कर्नाटक-पश्चिम बंगाल से एक-एक आदिवासी महिला सांसद चुनी गई हैं। डॉ वासवी किड़ो खुद विस्थापन से जुड़े कई आंदोलनों का मुख्य चेहरा रही हैं। किसी बड़ी पार्टी कि तरफ से टिकट न मिलने पर साल 2019 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने बतौर स्वतंत्र उम्मीदवार हटिया सीट से चुनाव लड़ा। वो कहती हैं, ‘‘राजनीतिक दलों का एक करैक्टर जो दिखायी दे रहा हैङ्क्षचाहे झारखंड हो या राष्ट्रीय स्तर पर, वो ये है कि बहुत पढ़ी-लिखी, बहुत संघर्ष की हुई, बहुत काम की हुई औरतें उनको बिल्कुल पसंद नहीं हैं। कम बोलो, कम बात करो, खूबसूरत चेहरा रखो और अच्छी साड़ियाँ पहनों तो ऐसी औरतों को वो ज्यादा तवज्जो देते हैं कि भई ये औरतें ज्यादा मुँह नहीं लगेंगी, ज्यादा हक की बात नहीं करेंगी, ज्यादा मुद्दे नहीं उठाएंगी’’। आदिवासी महिलाओं की न के बराबर भागीदारी पर वो कहती हैं, ‘‘आदिवासी महिलाओं को टिकट नहीं देते क्योंकि समझते हैं कि इनके पास नॉलेज नहीं है। ये लड़ती ज्यादा हैं, बोलती हैं, इनके पास में जो बैकग्राउंड होना चाहिए वो नहीं है।’’ ‘‘उनको सशक्त करना, सही जगह दिलाना ये काम नहीं हो रहा है। राजनीतिक दलों के द्वारा और इसलिए आदिवासी औरतों को ज्यादा चुनौती फेस करना पड़ रहा है कि वो राजनीति में अपनी जगह बना पाएं।’’ हालांकि एक वर्ग मानता है कि दो साल पहले द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद आदिवासी महिलाओं में ये विश्वास पनपा है कि वो भी देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंच सकती हैं। डॉ० वासवी किड़ो भी इस बात से सहमत नजर आती हैं। उन्होंने कहा, ‘‘निश्चित तौर पर महिलाओं में विश्वास तो आया है और वो इस बात से खुश हैं कि एक आदिवासी महिला देश की राष्ट्रपति हैं लेकिन ये काफी नहीं है। आप एक आदिवासी औरत को बैठाके वन संरक्षण संशोधन अधिनियम में साइन करा रहे हो, पूरे जंगल उजाड़ रहे हो। आदिवासी औरत को बिठाकर आप आदिवासी औरतों को जेल भेज रहे हो तो आदिवासी औरतें ये भी समझ रही हैं।

☞ **क्या कहते हैं आंकड़े? :-** एक बार आंकड़ों की तरफ नजर डालें तो साल 1952 से लेकर साल 2019 तक हुए लोकसभा चुनावों में कुल 51 आदिवासी महिला सांसद चुनी गई हैं। इनमें सबसे अधिक यानी 30 कांग्रेस पार्टी से चुनकर आई हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी से 12 अनुसूचित जनजाति की महिलाएँ संसद पहुंची हैं। तीसरे नंबर पर ओडिशा की बीजू जनता दल है, जिससे आज तक दो आदिवासी महिला सांसद चुनी गई हैं। वर्तमान में देश के निचले सदन में 77 महिला सांसद हैं। इनमें से दस आदिवासी समुदाय से आती हैं। यानी कुल 543 सदस्यों वाले निचले सदन में आदिवासी महिलाओं की भागीदारी महज 1।8 प्रतिशत है। संसद पहुँचीं ये सभी महिलाएं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों से जीतकर आई हैं, जिनकी संख्या कहने को लोकसभा चुनावों के इतिहास में सबसे अधिक है लेकिन अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित देशभर की 47 सीटों में से अभी भी 20 सीटें ऐसी हैं, जिससे आज तक एक भी महिला उम्मीदवार चुनकर नहीं आई। झारखंड की आयरन लेडी के नाम से मशहूर दयामनी बारला की पहचान देश- दुनिया में है। पिछले एक दशक से वो नई और स्थानीय पार्टियों के सहारे चुनावी लड़ाई लड़ रही हैं। कुछ महीने पहले ही उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली है। वो खूंटी या लोहरदगा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं। लेकिन इस बात की संभावना कम ही है कि पार्टी उन्हें टिकट दे। वो कहती हैं, ‘‘टिकट की गारंटी कोई करे या ना करे, चाहे लोकसभा टिकट की गारंटी करे ना करे, विधानसभा टिकट की गारंटी करे ना करे, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप में आना है और संघर्ष करना है एक दिन आपको कामयाबी मिलेगा, हमलोग हमेशा बोलते हैं कि लड़ेंगे और जीतेंगे’’। हमलोगों ने कई आंदोलन लड़ा है और जीता है, बाकी आंदोलन भी लड़ेंगे और जीतेंगे। ●

आदिवासी बहुल राज्यों से चुनी गईं आदिवासी महिला सांसद
1952-2019

प्रदेश	आदिवासी महिला सांसदों की संख्या
मध्यप्रदेश	12
आंध्रप्रदेश	8
ओडिशा	8
महाराष्ट्र	3
राजस्थान	3
छत्तीसगढ़	2
गुजरात	2
झारखंड	2
कर्नाटका	1
पश्चिम बंगाल	1

स्रोत: भारत सरकार

संत जेवियर्स कॉलेज में आयोजित हुआ SIP ABACUS का 12वाँ वर्षगांठ

● पल्लवी कुमारी

राजधानी रांची के मैन रोड स्थित संत जेवियर्स कॉलेज के ऑडिटोरियम में रविवार 14 अप्रैल 2024 को SIP ABACUS का मनाया गया 12 वा वर्षगांठ। इस मौके पर संत जेवियर्स कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एन लकड़ा, झारखण्ड राज्य के जमशेदपुर पूर्व सीट से निर्दलीय विधायक श्री सरयू राय, SIP ABACUँ की संचालिका श्रीमती निरुपमा सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर एवं श्री गणेश के गाने पर नृत्य कर शुरू हुआ। कार्यक्रम में बच्चों के साथ, बच्चों के परिजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत SIP ABA-CUS की संचालिका निरूपा सिंह ने स्टेज में आकर आपने जोशीले अंदाज में किया और बच्चों और उनके माता पिता को संबोधित कर उनका हौसला बढ़ाया। तत्पश्चात् श्री सरयू राय ने आपने वाणी से बच्चों को प्रोत्साहित किया और उनके अभिभावकों का अभिनंदन किया और उन्होंने आगे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चो के माता पिता को धन्यवाद देते हुए कहा कि ये बहुत ही अच्छी बात है की वे आपने बच्चों को इस तरह के कार्यक्रम से जोड़ रहे है। संस्थान से जुड़े शिक्षकों को भी स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए, उनके बीच पुरस्कार का वितरण भी किया गया तथा जिन्होंने चार साल पूरे कर लिए उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्विज प्रतियोगिता, मैथमेटिक्स पजल सॉल्विंग एवं डांस प्रतियोगिता भी आयोजित हुए, जहां छोटे एवं हर वर्ग के बच्चों ने हिस्सा लेकर इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाया। बातचीत के दौरान संत जेवियर्स कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एन लकड़ा ने बताया की वे इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए हमेशा अग्रशर रहते है। उन्होंने अपना अनुभव व्यक्त करते हुए बताया कि, इतनी छोटी उम्र के बच्चों के द्वारा इतने कठिन सवालों के उत्तर इतने कम समय में देने से वे काफी उत्साहित हुए। उन्होंने यह भी इच्छा जाहिर की, कि वे इस तरह के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए हमेशा तत्पर रहते है। एवं नवयुवकों को भी इस ओर अग्रसर होने के लिए उन्होंने संदेश दिया।

सरयू राय जी ने शांति संदेश के द्वारा कहा कि, हमें इस तरह के कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना चाहिए तथा बच्चों में ऐसे रुचि पैदा करने वाले संस्थान से जोड़ना चाहिए। वही SIP ABACUS की संचालिका श्रीमती निरुपमा सिंह से बातचीत के दौरान पता चला कि वे पिछले 15 वर्ष से इस कार्य में लगी हुई है और हर वर्ग के बच्चों को इस तरह के क्लासेस के लिए प्रेरित करती हैं ताकि वह हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सके। बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा उन्हें हर वर्ग में सफलता हासिल हो, इसका उन्होंने विशेष ध्यान रखा है। आगे कुछ बच्चों से बातचीत करने के क्रम में, बच्चो ने बताया की टीचर्स हर वर्ग में उन्हें सपोर्ट एवम प्रोत्साहित करते है और उनके मार्गदर्शन से हम सभी अच्छा प्रदर्शन कर पा रहे हैं। अतः इस तरह SIP ABACUS की 12वी वर्षगांठ बड़े धूमधाम से मनाई गई। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बिशॉप हार्ट्समैन एकेडमी में मनाया गया सरहुल एवं ईद का त्यौहार

● पल्लवी कुमारी

राजधानी रांची के नामकुम स्थित बिशॉप हार्ट्समैन एकेडमी +2 में 10 अप्रैल 2024 को सरहुल महोत्सव एवं ईद का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। स्कूल प्रांगण में इस त्यौहार के शुभ अवसर पर, प्रांगण के रंगमंच पर बच्चों द्वारा रोमांचक झांकी में प्राकृति नृत्य एवं गाना, 'सराय फूला का फूला फुली गेलए, सरहुल के बिना' जैसे अनेक गानों से मंच में बैठे लोग मंत्रमुग्ध हो गए। उप प्रधानचार्य फादर ज्योति प्रकाश तिग्गा ने संदेश में बताया कि सरहुल आदिवासियों की संस्कृति और परंपरा को दर्शाता है। सरहुल का अर्थ है, साल वृक्ष की पूजा। सरहुल का पर्व धरती माता को समर्पित है। ईद का त्यौहार भी मोहब्बत और खुशीयां बांटनेवाला है। सरहुल के शुभ अवसर पर विद्यालय प्रांगण में, सराय के फूलों की बौछार की गई। बच्चों ने बुलेटिन बोर्ड में ईद और सरहुल के पर्व को बहुत ही सुन्दर तरीके से दर्शाया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा उपप्रधानाचार्य, शिक्षकगण और छात्र-छात्राए सभी को ईद और सरहुल पूजा के ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई । विद्यालय में मौजूद फादर एवं कुछ शिक्षकों के द्वारा सरहुल की मान्यता तथा उसे मनाने के पीछे लक्ष्य को बताया गया। कुछ शिक्षकों एवं स्कूल के उप प्रधानाचार्य से बातचीत के दौरान बच्चों के पढ़ाई लिखाई एवं उनके अन्य स्तर पर प्रोत्साहित करने के बारे में जानकारी मिली। उप प्रधानाचार्य से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि बच्चों को वे न सिर्फ पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते हैं बल्कि अन्य किसी क्षेत्र में अगर उनका रुझान हो तो वे उस पर भी मेहनत करते हैं और उन्हें एक पहचान दिलाने की कोशिश करते हैं। वही की एक शिक्षिका अंकिता श्री के द्वारा बताया गया कि, कैसे वे छोटे छोटे बच्चों के गुणों को पहचान कर उनको उस क्षेत्र में सही मार्गदर्शन देकर सफलता हासिल करती है। समाजिक, शारीरिक और मानसिक विकास पर उनका विशेष ध्यान होता है ताकि बच्चे एक बेहतर इंसान बने। अन्य कुछ शिक्षकों ने बताया की कैसे वे नए तरीकों से बच्चों को पढ़ाई में मददत करते है और हमेशा उनके लिए उपस्थित रहते है और उनके विषयों से संबंधित सवालों के उत्तर देते हैं ताकि बच्चे पढ़ाई में ध्यान दे और अच्छा प्रदर्शन करें। कुछ बच्चों से बातचीत में पता चला कि उन्हें यह स्कूल में पढ़कर काफी अच्छा लग रहा है। कुछ बच्चे तो केजी क्लास से पढ़ते हुए अभी 12वीं क्लास में पहुंच गए, कुछ ने बताया कि कैसे कुछ बच्चे पढ़ाई में कमजोर थे तो शिक्षकों ने उन्हें मेहनत करा कर आज एक सफल इंसान बनाया है।●

हटिया क्षेत्र से निकली रामनवमी की शोभा यात्रा

● पल्लवी कुमारी

राजधानी रांची, के हटिया क्षेत्र के, महावीर चौक में महाअष्टमी के उपलक्ष में निकाली गई शोभा यात्रा जिसका मनोबल बढ़ाने के लिए भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ, हटिया क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, विश्व हिंदू परिषद के प्रमुख मिथिलेश्वर मिश्रा जी एवं समिति के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम देर रात तक चली जहां कई अखाड़ों के कलाकारों ने आकर तलवार और लाठियां भांज कर अपनी प्रतिभाएं दिखाई, इसी क्रम में नारी शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए मलाह टोली से नारी सेना भी आई, जिन्होंने मराठी वेशभूषा में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। तत्पश्चात भगवान श्री राम के जीवनी पर, एक झांकी भी निकाली गई, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने देर रात झांकी का लुफ्त उठाया और भगवान श्री राम जी एवं हनुमान जी के जयकारे लगाकर पूरा हटिया क्षेत्र राममय कर दिया। भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने शांति संदेश देते हुए आग्रह किया कि हमें इस रामनवमी को पूरे हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्वक मनाना है, क्योंकि भगवान श्री राम पूरे 500 वर्षों के बाद अयोध्या लौटे हैं। उनका स्वागत हमे पूरे हर्षोल्लास से करना है। डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय से बातचीत कर उन्होंने लोगों से शांति एवं सौहार्द से इस त्यौहार को मनाने की अपील की। उन्होंने यह भी कामना व्यक्त की भगवान श्री राम जी के आशीर्वाद से ये देश सनातन की ओर बढ़े। मिथिलेश्वर मिश्रा जी से बातचीत कर पता चला कि, पिछले 25 वर्षो से वे लगातार श्री रामनवमी श्रृंगार समिति के माध्यम से लोगों को सहर्ष और शांतिपूर्वक रामनवमी मनाने और उनके उत्साह को और बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि, इस बार की रामनवमी पहले से कुछ अलग है क्योंकी राम लला अपने घर अयोध्या लौटे हैं। उन्होंने बताया कि महानवमी के अवसर पर भगवान श्री राम के पूजा अर्चना के साथ-साथ भोग वितरण की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने आपने भाषण में हटिया एवं पूरे देशवाशियों से अनुरोध किया की महानवनी जिससे राम जन्मउत्सव के रूप में मनाया जाता इस दिन सभी लोग आपने घरों से निकले और मंदिरों में पूजा अर्चना करे और पुण्य के भागी बने। बातचीत के दौरान समिती के सदस्यों से पता चला की शांति वातावरण बने रहे के लिए उन्होंने जगन्नाथपुर के थाना प्रभारी को पत्र भेंट किया है, और उन्होंने अशवासन दिया की उनकी पूरे कार्यक्रम में पैनी नजर बनी रहेगी। महाष्टमी के शुभ अवसर पर हटिया क्षेत्र के वासियों ने पूरे रात जागकर हर्ष, उल्लास के साथ भगवान श्री राम का स्वागत किया और महानवमी के पूजा में जुट गए।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

छोटू रंगसाज हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

गिरफ्तार आरोपी ने कहा : मेरे तीन भाइयों की छोटू ने करवाई थी हत्या, इसलिए मारी सरेआम गोली

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची में डेली मार्केट थाना क्षेत्र स्थित उर्दू लाइब्रेरी के पास 23 मार्च को दिनदहाड़े गढ़वा व पलामू का कुख्यात अपराधी बाजुद्दीन उर्फ छोटू रंगसाज की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में राँची पुलिस ने हत्याकांड में शामिल एक अपराधी गढ़वा के पिपरा का रहने वाला फिरदौस खान उर्फ गुड्डू खान को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार फिरदौस खान भी गढ़वा का कुख्यात अपराधी है। उसके विरुद्ध गढ़वा के अलग अलग थानों में कई मामले दर्ज है। राँची के सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हत्याकांड के बाद रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर, सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक एसआईटी की टीम गठित की थी। उसके बाद एसआईटी की टीम ने फिरदौस खान को गिरफ्तार कर लिया। सिटी एसपी ने बताया कि गुड्डू खान पिछले एक साल से छोटू को मारने की प्लानिंग कर रहा था।इसी बीच छोटू गढ़वा छोड़कर राँची में आकर रहने लगा था, जिसकी वजह से फिरदौस खान अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहा था। इसी बीच फिरदौस ने प्लानिंग के तहत अपने शूटरों को छोटू के पीछे लगाया। शूटरों ने उसे यह बताया कि छोटू राँची में रह रहा है उसे किसी भी दिन रेकी करके मारा जा सकता है। फिर 23 मार्च को फिरदौस खान के दो शूटर सुबह से ही छोटू रंगसाज की रेकी कर रहे थे और जब छोटू ईद की खरीदारी कर जैसे ही अपने बाइक की तरफ बढ़ा अपराधियों ने उसे गोली मार दी । गिरफ्तारी के बाद फिरदौस खान ने पुलिस के समक्ष यह स्वीकार किया कि उसने पुरानी दुश्मनी की वजह से छोटू रंगसाज की हत्या की। उसने बताया कि मारे गए छोटू रंगसाज ने गढ़वा में बस स्टैंड विवाद में उसके तीन भाईयों की हत्या करवा दी थी। उसके बाद से ही वह छोटू से बदला लेने की फिराक में था।पुलिस हत्या में शामिल अन्य दो अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त फिरदोस खान उर्फ गुड्डू खान का अपराधि इतिहास :-

☞ डंडई थाना कांड सं0- 05/2021 दि0-07-01-2021, धारा- 414/34 IPC, Jharkhand Bovine Animal Prohibition of Slaughter Act 2005 (12(1)/12(2)). Prevention of
Cruelty to Animal Act 1960 (11(1) (a)/11 (1) (b). Receiving of Stolen Property.

☞ CJM GARHWA GR 1211/10 ST-88/1 dt-28/10/2010 Sec- 302/34 IPC& 27 Arms Act TITANAGAR.

☞ CJM GARHWA GR2426/13GARHWA dt-24/10/2013 Sec- 341/323/324/325/326/307/34IPC.

☞ CJM GARHWA GR 818/13 GARHWA P dt-09/05/2013 Sec- 341/323/342/504/325/34 IPC.

☞ ASJI GARHWA ST 209/09 GR-445/0 dt-10/09/2012 Sec- 147/148/149/341/323/307 IPC& TITANAGAR.

☞ ADJ GARHWA MERAL PS-34/07 dt- 02/09/11 TITANAGAR.

☞ CJM GARHWA GR 587/00 dt-19/06/2012 Sec- 394 IPC TITANAGAR.

☞ JM GARHWA GR 715/03 dt-27/07/2011P/W TITANAGAR.

☞ SJ GARHWA GR 489/10 GARHWA P dt-03/05/2011P/W.

☞ SJ GARHWA GR 873/01 ST-272/0 dt-16/05/2011 P/W TITANAGAR.

☞ SJ GARHWA GR 920/10 ST-62/11 dt-06/05/2011 P/W TITANAGAR.

☞ CJM GARHWA GR 689/10 GARHWA P dt-19/01/2011 Sec- 302/34 IPC& 27 Arms Act.

☞ CJM GARHWA GR 690/11 GARHWA P dt-19/01/2011 Sec-307/504/34 IPC& 27 Arms Act.

☞ CJM GARHWA GR 821/10 dt-21/10/2010 Sec - 341/307/34 IPC & 27 Arms Act TITANAGAR.

✯ **छापामारी दल के सदस्य :-**

☞ श्री दयानन्द कुमार पु०नि० सह थाना प्रभारी लोअर बाजार, राँची ।

☞ श्री रंजीत सिन्हा पु०नि० सह थाना प्रभारी कोतवाली, राँची ।

☞ श्री लक्ष्मी कान्त पु०नि० पुलिस केन्द्र, राँची।

☞ पु0अ0नि0 प्रवीण कुमार थाना-कोतवाली, राँची।

☞ पु0अ0नि0 अनुरंजन कुमार थाना-रातु, राँची।

☞ पु०अ०नि० रिजवान अंसारी थाना-लोअर बाजार, राँची।

☞ पु०अ०नि० चुनरू बानरा अशोक नगर टी०ओ०पी०, राँची ।

☞ पु०अ०नि० दीपक राणा थाना सदर, राँची ।

☞ पु०अ०नि० नवीन शर्मा थाना डेली मार्केट, राँची ।

☞ पु०अ०नि० प्रणय सत्यम थाना-डेली मार्केट, राँची ।

☞ स०अ०नि० शाह फैजल तकनिकी शाखा, राँची।●

कान्हा हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

दोस्तों ने ही मिलकर की थी हत्या, पुलिस ने दोस्तों को किया गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के सदर थाना क्षेत्र में रहने वाले आलोक कुमार उर्फ कान्हा की हत्या की गई थी। कान्हा की हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार तीनों आरोपी अमन, सुंदर और अनिल कान्हा के ही दोस्त हैं। सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले आलोक उर्फ कान्हा की हत्या के आरोप में उसके ही तीन दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। होली के एक दिन पूर्व शराब पीने के बाद हुए विवाद के बाद अमन, सुंदर और अनिल ने एक साथ मिलकर आलोक की हत्या कर दी थी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया था। बताते चले की 24 मार्च को आलोक उर्फ कान्हा अचानक गायब हो गया था। परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। फिर अचानक उसका शव बरामद हुआ।शव का पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों की तरफ से सदर थाना में कुछ युवकों पर हत्या करने की आशंका जताते हुए लिखित आवेदन दिया गया। आलोक का शव सदर थाना क्षेत्र के एक अस्पताल से थोड़ी दूरी पर स्थित झाड़ियों से बरामद किया गया। गुरुवार की सुबह शव से दुर्गंध आ रही थी, लोग मौके पर गये तो देखा कि एक युवक का शव पड़ा हुआ है।जिसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा मामले की जानकारी सदर पुलिस को दी गयी।आलोक का शव बेहद बुरी हालत में मिला।उसके शरीर के कई हिस्से गलने लगे थे, जिसे देखकर लगता था कि आलोक की मौत तीन दिन पहले ही हो गयी होगी।आशंका जताई गई कि आलोक उर्फ कान्हा की हत्या कर शव को झाड़ियों में छिपा दिया गया है।आलोक राँची के बूटी मोड़ स्तिथ पीएचडी कॉलोनी के पानी टंकी साइड का रहने वाला था।

शव मिलने की सूचना पर सदर थाना की टीम हत्या को लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं आलोक अपने किस दोस्त के साथ घर से बाहर निकला था।उसके परिजनों ने कुछ युवकों के खिलाफ लिखित शिकायत दि।जिस पर हत्या करने की आशंका जताई गई।।वहीं परिजनों को यह भी आशंका थी कि खाना खाने के दौरान किसी विवाद के बाद आलोक की हत्या कर दी गयी और फिर शव को छुपाने की नीयत से झाड़ी में फेंक दिया गया। परिजनों ने उसके लापता होने को लेकर सदर थाने में सनहा भी दर्ज करवाया था।लेकिन इसी बीच 28 मार्च को आलोक का शव राँची के सदर थाना क्षेत्र के एक अस्पताल से कुछ ही दूरी पर स्थित झाड़ियों से बरामद किया गया।झाड़ियों से दुर्गंध आ रही थी, जब लोग मौके पर गए तो उन्होंने देखा कि एक युवक का शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा ही सदर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।आलोक का शव काफी खराब स्थिति में मिला था उसके शरीर का कई हिस्सा गलने लगा था। पुलिस की पूछताछ में आलोक के तीनों साथियों ने बताया कि उन लोगों ने 25 मार्च को ही कान्हा को मार डाला था। कान्हा की हत्या करने के बाद उसके शव को बोरे में बंद कर बूटी मोड़ से ठीक पहले एक नर्सिंग होम के पास झाड़ियां में फेंक दिया था और फिर वे तीनों फरार हो गए थे। सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि मृतक आलोक, अमन, सुंदर और अनिल काफी पुराने दोस्त है। 25 मार्च देर रात तक सभी पार्टी कर रहे थे।इसी दौरान किसी बात को लेकर दोस्तों में ही विवाद हो गया। जिसके बाद अनिल, अमन और सुंदर मिलकर आलोक के साथ मारपीट करने लगे, विवाद इतना बढ़ा की तीनों ने मिलकर पत्थर से कूच कूच कर आलोक को मार डाला। शव मिलने के बाद परिजनों की शिकायत के बाद सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने एक टीम गठित की। गठित टीम ने टेक्निकल सेल और मानवीय सूचना की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।तीनों आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।●

नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन

कुख्यात शराब माफिया नरेश सिंघानिया सहित तीन गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नामकुम स्तिथ लोआडीह में उत्पाद विभाग ने नकली विदेशी शराब बनाने की एक बड़ी फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। उत्पाद विभाग के सहायक, उत्पाद आयुक्त अरुण मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने नामकुम के लोवाडीह में 27 मार्च दिन बुधवार की देर शाम छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में अलग अलग विदेशी ब्रांड के नकली शराब, भारी मात्रा में स्प्रीट, अलग अलग ब्रांड की खाली बोतले, स्टीकर एवं अन्य केमिकल जब्त किया है। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने नकली शराब का निर्माता सह किंगपिन नरेश सिंघानिया और उसके दो अन्य सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया है। उत्पाद विभाग की टीम गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर रही है कि वे नकली विदेशी शराब कहा सप्लाई करने की तैयारी में थे। शराब माफिया नरेश सिंघानिया लंबे समय से नकली विदेशी शराब बना रहा था। इसकी सूचना उत्पाद विभाग की टीम को मिली थी। इसके बाद उत्पाद की टीम ने बुधवार को वहां छापेमारी की और सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगो से पूछताछ चल रही है।

☞ **स्प्रिट व केमिकल डालकर तैयार करते थे नकली विदेशी शराब :-** गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि वे स्प्रिट में केमिकल मिलाकर नकली शराब तैयार कर रहे थे। आगे बताया कि उन लोगों के द्वारा उन विदेशी ब्रांडों के नकली शराब तैयार किए जा रहे थे जो मार्केट में कम दामों में बिकते है। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम के 20 से 25 पेटी तैयार नकली शराब जब्त किया। वहीं कोलकाता से ट्रांसपोर्ट के जरिए बड़े-बड़े जार में मंगाए गए चोरी का स्प्रिट, जिसे वे लोग टैंकर से चुराकर बेचते थे, उसे भी उत्पाद विभाग के द्वारा जप्त किया गया।

☞ **मकान किराए पर लेकर, कर रहे थे, नकली शराब बनाने का कारोबार :-** गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि नरेश सिंघानिया ने किराए का मकान लेकर नकली शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री डाल रखी थी। उसमे तैयार नकली शराब, राँची सहित आसपास के कई इलाकों में सप्लाई की जाती थी। हाईवे के किनारे चल रहे ढाबों में इन शराब की ज्यादा सप्लाई थी। वहीं बड़े पैमाने पर बिहार में भी नकली शराब भेजा जा रहा था। एक बोतल नकली शराब को बनाने में 50 से 60 रुपए का खर्च आता था। जिसे इन लोगो के द्वारा छह से सात गुना अधिक कीमत पर बेचा जाता था। बता दें कि गिरफ्तार शराब माफिया नरेश सिंघानिया जमानत पर जेल से बाहर आकर, फिर से अवैध शराब का धंधा शुरू कर दिया था।

☞ **कौन है नरेश सिंघानिया :-** 22 लोगो को जहरीली शराब पिलाकर मारने की घटना में शामिल था गिरफ्तार शराब माफिया नरेश, जेल से छूटने के बाद फिर से चला रहा था नकली विदेशी शराब बनाने का कारोबार। बात 2017 की है जब जहरीली शराब पीने से 22 लोगो की हुई मौत मामले में नरेश के भाई प्रह्लाद सिंघानिया को हो चुकी है आजीवन कारावास की सजा,नामकुम,

डोरंडा, गोंदा, सुखदेव नगर सहित कई थानों में दर्ज है मामला।

☞ **नरेश के विरुद्ध भी प्राथमिकी :-** उत्पाद विभाग ने बुधवार की रात नामकुम थाना क्षेत्र के लोवाडीह में एक नकली विदेशी शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री में छापेमारी की थी। देर रात तक चली छापेमारी में नकली शराब बनाने वाला किंग पिन नरेश सिंघानिया उर्फ नरेश सिंधिया सहित उसके दो साथियों अरुण कुमार उर्फ अरुण सिंधिया व शैलेश हज्जाम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार नरेश सिंधिया आजीवन कारावास की सजा काट रहे प्रहलाद सिंधिया उर्फ प्रहलाद सिंघानिया का भाई है। वर्ष 2017 में प्रह्लाद सिंधिया और नरेश सिंधिया ने मिलकर नकली जहरीली शराब डोरंडा क्षेत्र में सप्लाई किया था। जिसे पीने के बाद 22 लोगो की मौत हो गई थी। इस मामले में प्रह्लाद सिंधिया को आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। वही नरेश सिंधिया को भी 2017 में हुई घटना के बाद नामकुम पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन वह जमानत पर छूटने के बाद फिर से नकली शराब बनाने के धंधे में जुट गया था। छापेमारी के दौरान कुल 35 जर्किन में 700 लीटर स्प्रिट, 20 लीटर तैयार रंगीन शराब, विभिन्न ब्रांड के विदेशी शराब के बॉटल में 144 लीटर तैयार अवैध विदेशी शराब, पेट बॉटल में 54 लीटर तैयार अवैध विदेशी शराब, 02 लीटर केरामल, 1.5 लीटर एमसीडी व्हिस्की एसेंस, 1. 5 लीटर रम एसेंस, रम फ्लेवर-250 एमएल, सिंथेटिक फूड कलर-250 एमएल, अलग अलग ब्रांड के लेबल लगभग 7400 पीस, अलग अलग ब्रांड के कैप व कॉर्क 2310 पीस, नकली सरकारी एमएल 2016 पीस, एक स्कूटी, दो बाइक जब्त किया गया।●

रंगदारी नहीं देने पर हत्या की योजना

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के ओरमांझी थाना क्षेत्र में अमन साहू गैंग के दो अपराधी को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस की पूछताछ में खुलासा किया कि 50 लाख लेवी देने से आनाकानी करने पर भारत माला सड़क निर्माण कंपनी के कर्मी की हत्या की योजना थी कि इससे पहले ही अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।दोनों अपराधी अमन साहू गिरोह के हैं।गिरफ्तार अपराधियों में पतरातु थाना क्षेत्र स्थित साकुल गांव के रहने वाले प्रमोद सिंह और अमजद शामिल है। आगे की पूछताछ में प्रमोद सिंह ने पुलिस को बताया कि उसके गांव के चंदन साव जो राँची जेल में बंद है, उसने 92349''94 से मेरे मोबाइल 8'4037079' पर व्हाट्सएप कॉल मैसेज कर बोला कि मयंक सिंह उर्फ सुनील सिंह, मीना और पलामू जेल में बंद अमन साहू ने भारत माला सड़क निर्माण कंपनी को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज करके जान से मारने की धमकी देकर पचास लाख रुपया प्रोटेक्शन मनी की मांग कि थी।प्रमोद ने पुलिस से कहा कि लेवी का रूपया लाने के लिए चन्दन साव के बड़े भाई टिंकू साव और अमन साव के छोटे भाई आकाश साहू ने रिवाल्वर, गोली और मोबाइल देकर मुझे और अमजद को भेजा। टिंकू साव ने बोला था कि सभी रुपया लाकर मुझे देना है, बाद में मैं और आकाश साहू आपस में बंटवारा कर लेगें और हमलोगों को यह भी आदेश दिया गया था कि यदि कंपनी के द्वारा पचास लाख देने में आना-कानी या बहानेबाजी की तो उसी समय कंपनी के पदाधिकारी व कर्मचारी को गोली मार कर हत्या कर देना है। इस आदेश के बाद घटना के दिन वो और अमजद खान गाड़ी में बैठकर भारतमाला की ओर आ रहे थे और दूसरी सफेद रंग के स्वीफ्ट कार में राजा अंसारी, ग्राम जयनगर, थाना पतरातु, राहुल दुबे, ग्राम कुज्जु ट्रांसपोर्ट नगर, ओपी कुज्जु और जगत साडु उर्फ लक्की, ग्राम कृष्णापुरी, पावरहाउस, थाना चुटिया में बैठे हुए थे। जो पुलिस की गतिविधि की रेकी कर रहे थे और पचास लाख रुपया लेने वालों में वे भी शामिल थे। हमलोगों के पकड़े जाने के बाद वे सभी अपने गाड़ी से भाग गये।गिरफ्तार प्रमोद सिंह ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ दिनों से मयंक सिंह, अमन साहु (जो अभी पलामू जेल में बंद है) और चन्दन साहु (जो अभी बिरसा मुंडा जेल राँची में बंद है) के आदेश पर फरवरी के

पहले सप्ताह में करंजाटोली के पास भारतमाला निर्माण स्थल पर राजा अंसारी और जगत साहु उर्फ लक्की और एक अन्य जिसको राजा अंसारी ही लाया था, भारतमाला प्रोजेक्ट के कंपनी को डराने, दशहत फैलाने और रंगदारी वसूलने के लिए फायरिंग की थी।इस घटना के करीब एक माह बाद मार्च के पहले सप्ताह में ग्राम खुदिया में भारतमाला प्रोजेक्ट निर्माण स्थल पर कंपनी के पदाधिकारियों और कर्मचारियों में दशहत फैलाने और डराकर रंगदारी वसुलने के लिए मयंक सिंह, अमन साहु, और चन्दन साहु के निर्देश पर राजा अंसारी और जगत साहु उर्फ लक्की और दो अन्य लोग जिसे राजा अंसारी ही लाया था।उसके साथ करीब आठ-दस राउन्ड वहां भी फायरिंग की थी। फरवरी के तीसरे सप्ताह में रामगढ़ बासल थाने के बलकुदरा माइन्स में दशहत फैलाने और रंगदारी वसूलने के लिए करीब पांच-छः राउन्ड फायरिंग किये थे। उसके दो दिन के बाद सौदा पंचायत भवन के बगल में दशहत फैलाने के लिए और अपना धाक जमाने और रंगदारी वसूलने के लिए कई राउण्ड फायर किये थे।

प्रमोद सिंह ने पुलिस को बताया कि राजा अंसारी के द्वारा रामगढ़ के भुरकुन्डा थाना प्रभारी पर सीसीएल अस्पताल के पास फायरिंग किया गया था।थाना प्रभारी भुरकुन्डा पर फायरिंग करने के लिए राजा अंसारी को पिस्टल टिंकू साव ने मेरे सामने ही दिया था।बोकारो जिला के जरीडीह थाना क्षेत्र में फरवरी माह के मध्य में फोरलेन हाईवे सडक निर्माण करा रही एनजी कंपनी के ठेकेदार से अमन साहू और चन्दन साहू के आदेश पर मयंक सिंह द्वारा पचास लाख रुपया रंगदारी देने की धमकी दी गई थी और बोला था कि वहां से भी पचास लाख रुपया मुझे, राहुल दुबे और राजा अंसारी को ही लाना है। प्रमोद ने पुलिस को बताया, जब भी हमलोग और आकाश साहू, राजा अंसारी, राहुल दुबे, जगत साहु उर्फ लखी साहु, अमजद खान और टिंकू साव को आपस में बात या प्लान करना होता था, तो हमलोग जंगी एप्प का प्रयोग करते थे, या फिर व्हाट्सअप या नहीं तो सामने से ही बात कर प्लान बनाने का काम करते थे। कभी भी हमलोग साधारण कॉल के लिए मोबाइल का प्रयोग आपस में बात करने या किसी प्रकार की योजना बनाने के लिए नहीं करते थे।हमारे गिरोह के सदस्य आपस में बात करने के लिए जंगी एप्प का इस्तेमाल किया करते हैं, जिसमें किसी को नंबर नहीं जाता है और पकड़ाने का डर भी नहीं होता है।●

शहर में हो रहे क्राइम को बाइक दस्ता करेगा कंट्रोल

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची में बढ़ते अपराध की रोकथाम करने के लिए राँची पुलिस ने नया तरीका अपनाया है। यह नया तरीका बाइक दस्ता है। जिसे रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने एक्टिव किया है। यह दस्ता पहले चरण में पारंपरिक त्योहार के दौरान एक्टिव होकर शरारती लोगों पर नजर रखेगा। इसके बाद शहर में हो रहे क्राइम को कंट्रोल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पुलिस कंट्रोल रूम से बाइक दस्ते को सिटी एसपी राज कुमार मेहता के द्वारा रवाना किया गया है। शहर के विभिन्न इलाकों में इन बाइक दस्ते का मूवमेंट शुरू हो गई है।

☆ **शहर के आठ थाना क्षेत्र में करेंगे क्राइम कंट्रोल :-** इस दस्ते में कुल 40 बाइक हैं। जिनमें 80 पुलिस पदाधिकारी और जवानों को तैनात किया गया है। शहर के आठ थाना क्षेत्र में इस बाइक दस्ते को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक थाना क्षेत्र में पांच पांच बाइक दस्ते को सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने ब्रीफिंग कर रवाना किया है। मौके पर सीसीआर डीएसपी राम सामद, इंस्पेक्टर बिमल किंडो सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। पुलिस की माने तो इनकी मदद से शहर के उन जगहों पर भी होने वाले क्राइम को रोका जा सकता है, जहां पुलिस के चार चक्के वाले वाहन नहीं पहुंच पाते हैं। इसलिए सभी को वायरलेस से लैस किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता के मुताबिक यह बाइक दस्ता न केवल अपने निर्धारित थाना क्षेत्र में गश्ती करेगा, बल्कि इनमें तैनात पदाधिकारी अपराधियों को चिन्हित भी करेंगे। उनके घरों में ये रेड भी करेंगे। अपराधियों पर नकेल भी कसने का काम करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि बाइक दस्ते को ब्रीफ भी किया गया है। उनके माध्यम से अपराधियों की गिरफ्तारी, आर्म्स की रिकवरी एवं नार्कोटिक्स की बरामदगी भी करने की कोशिश होगी। इसके अतिरिक्त कहीं लॉ एंड ऑर्डर में दिक्कत आती है तो वे तत्काल लोकेशन पर मूव कर समस्या को हल करेंगे। ●

☆ **इन क्षेत्रों में रहेगा 'पह-'ह बैरिकेडिंग :-**

गोन्दा एवं कांके थाना अंतर्गत :-
- ☞ सिद्धू कान्हू मोड
- ☞ चौदनी चौक
- ☞ कैब्रियन पब्लिक स्कूल कोंके रोड
- ☞ जोड़ा पुल कोंके रोड
- ☞ न्यू मार्केट गौशाला के बीच
- ☞ किशोर गंज गाडी खाना के बीच
- ☞ कटहल मोड

☆ **जगन्नाथपुर एवं अरगोड़ा थाना अंतर्गत:-**
- ☞ शालीमार बाजार
- ☞ सेटेलाईट चौक
- ☞ हिनू चौक
- ☞ कमान्डेंट आवास
- ☞ चापू टोली
- ☞ सहजानन्द चौक
- ☞ अरगोड़ा चौक
- ☞ चाँदनी चौक हटिया
- ☞ तिरिल मोड
- ☞ शहीद मैदान

☆ **कोतवाली एवं चुटिया थाना अंतर्गत :-**
- ☞ अल्बर्ट एक्का चौक
- ☞ रेडिसन ब्लू
- ☞ बहु बाजार दक्षिणी
- ☞ जयपाल सिंह स्टेडियम
- ☞ रतन पी०पी०
- ☞ सुजाता चौक

☆ **लालपुर एवं सदर थाना अंतर्गत :-**
- ☞ मिशन चौक
- ☞ कोकर चौक
- ☞ नामकुम चौक
- ☞ नेवरी विकास
- ☞ करमटोली चौक
- ☞ खेलगाँव चौक
- ☞ नामकुम से रामपुर चौक के बीच।

अफीम तस्कर चढ़े राँची पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में पुलिस ने नशे के तस्करों के खिलाफ कार्यवाही जारी रखते हुए, इस बार रांची के रास्ते राजस्थान भेजे जा रहे 116 बोरा डोडा करीब डेढ़ क्विंटल (अफीम) के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में चालक रमेश बिश्नोई, सतबीर उर्फ सतपाल, लुसा पहन,ताहिर, प्रवीण मुंडा एवं सोमा मुंडा शामिल है। पुलिस ने इनके पास से 11 लाख से अधिक नकद, एक क्रेटा कार,एक ट्रेलर ट्रक समेत भरी मात्रा में डोडा जब्त किया है। जब्त डोडे की कीमत स्थानीय बाजार में लगभग दो करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को सूचना मिली थी कि एक बड़े कंटेनर में भरकर डोडा की एक बड़ी खेप खूंटी से निकलकर रांची के रास्ते राजस्थान भेजा जाने वाला है। इसके बाद रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के द्वारा करवाई हेतु, हेड क्वार्टर वन डीएसपी अमर पांडेय, नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद और खरसीदाग ओपी प्रभारी एवं सशस्त्र बलों को शामिल करते हुए एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा प्राप्त सूचना का त्वरित सत्यापन व कार्रवाई करते हुए दशमाईल चौक के पास वाहन चेकिंग लगाकर उक्त ट्रक टेलर गाड़ी को पकड़ा गया। वाहन का भौतिक निरीक्षण करने पर ट्रक में आलू के बोरे से दबा कर रखा गया 116 बोरा डोडा पाया गया।

जिसके बाद चालक रमेश बिश्नोई निवासी भोज कोर ,थाना देचु , जिला फलोदी(जोधपुर) राजस्थान को गिरफ्तार कर डोडा सहित ट्रक को विधिवत जप्त किया गया। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार चालक रमेश बिश्नोई ने बताया कि दशमफॉल के अलग-अलग क्षेत्र में सोमा मुण्डा और प्रवीण मुण्डा एवं खूटी के अलग-अलग छेत्र में अड़की का लुसा पहन और उत्तर प्रदेश का रहने वाला ताहिर इन लोगों से मिलकर लाईजिनिंग का काम करते है और डोडा लदे गाडी को खूंटी व रॉंची के ग्रामीण व जंगली क्षेत्र से लोड करने का काम करते है। रमेश ने यह भी बताया कि मुख्य तस्कर व माल का मालिक सतबीर सिंह निवासी मुकलाबा जिला अनुपगढ़ राजस्थान के कहने पर डोडा को खूटी से रॉंची लाते हुए राजस्थान ले जाया जाता है और मालिक के बताये अनुसार पते पर, उसकी आपूर्ति की जाती है। उसने आगे बताया कि सोमा मुण्डा, प्रवीण मुण्डा, लुसा पाहन व ताहिर के द्वारा ,मालिक के कहे अनुसार डोडा दिया जाता है और बदले में मालिक के तुपूदाना स्थित भाडे के मकान में आकर पैसे का लेन-देन किया जाता है। गिरफ्तार चालक से उक्त जानकारी लेकर, छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए इस तस्करी में संलिप्त लुसा पाहन, ताहीर, प्रवीण मुण्डा, सतबीर उर्फ सतपाल एवं सोमा मुंडा को छापामारी कर गिरफ्तार किया गया तथा उनके पास से कुल-11,लाख पचास हजार रुपए, आठ मोबाइल फोन, एक हुण्डई क्रेटा कार और एक मोटरसाइकिल जप्त किया गया। गिरफ्तार अमियुक्तों ने इस अवैध पोस्ते की तस्करी में अपना अपराध स्वीकार किया है। रॉंची पुलिस के द्वारा अफीम तस्करों के इस बड़े गिरोह में शामिल अन्य तस्करों के विरूद्ध छापेमारी की जा रही है।●

✭ छापामारी दल / अनुसंधान में शामिल पदाधिकारियों / कर्मियों के नाम :-

☞ श्री अमर कुमार पाण्डेय, पुलिस उपाधीक्षक(मु0) प्रथम, राँची।

☞ श्री ब्रह्मदेव प्रसाद, पु०नि० सह थाना प्रभारी नामकुम, राँची।

☞ पु०अ०नि० चूड़ामणि टुडू, ओ०पी० प्रभारी खरसीदाग।

☞ स०अ०नि० अमृतलाला टोप्पो, खरसदाग ओ०पी०।

☞ नामकुम एवं खरसीदग ओपी० थाना के सशस्त्र बल।

गबन मामले में कैशियर हुआ गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में सदर थाना की पुलिस ने बीस करोड़ रुपये के गबन मामले में रांची पीएचइडी प्रमंडल के कर्मचारी संतोष कुमार को इंद्रपुरी रोड नंबर-1 स्थित उसके ससुराल से गिरफ्तार किया है।इस कर्मचारी द्वारा फर्जी कंपनी बनाकर उसके माध्यम से अपने सगे संबंधी के खाते में 21 करोड़ से ज्यादा रुपए डाल दिए गए थे। पुलिस ने उसके पास से गबन के 50 लाख 98 हजार 500 रुपये और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। यह जानकारी एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेस वार्ता में दी। इस दौरान रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता, सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा एवं सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार उपस्थित रहे।एसएसपी ने बताया कि संतोष अपर चुटिया स्थित जग्गी कंपाउंड में रहता है।वह मूल रूप से बिहार के जहानाबाद का रहनेवाला है। पुलिस के भय से वह इन दिनों अपने ससुराल में छिप कर रह रहा था। इसकी सूचना मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के क्रम में उसके पास से 15 लाख रुपये बरामद किये गये। उसकी निशानदेही पर दूसरी जगह से गबन की राशि 35 लाख 98 हजार 500 रुपये बरामद की गयी है। एसएसपी ने आगे बताया कि पेयजल स्वर्णरेखा शीर्ष कार्य प्रमंडल बूटी, रांची में शहरी जलापूर्ति योजना (जेएनयूआरएम) की राशि में करीब 20 करोड़ रुपये के गबन की जानकारी विभाग के पदाधिकारियों को मिली। इसके बाद सदर थाना में 28 दिसंबर 2023 को कार्यपालक अभियंता पी चंद्रशेखर ने मामला दर्ज कराया था। अनुसंधान के लिए सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में विशेष टीम बनायी गयी। जांच के क्रम में पता चला कि संतोष कुमार ने ही गबन किया है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही थी। वह अक्सर ठिकाना बदलता रहता था। इसी बीच सूचना मिली कि आरोपी कैशियर सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में आया हुआ है।सिटी एसपी के निर्देश पर डीएसपी और थानेदार ने छापेमारी कर उसे उसके ससुराल से धर दबोचा। बताया जाता है कि रुपये गबन करने का खेल पिछले चार साल तक चलता रहा और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाद में जब नये कार्यपालक अभियंता पद पर आए तो मामले का खुलासा हुआ।साल 2012 में पेयजल विभाग ने राँची में पाइपलाइन बिछाने का काम एलएंडटी कंपनी को दिया था। इस प्रोजेक्ट का बजट 200 करोड़ था, लेकिन किसी वजह से इसे बीच में ही बंद कर दिया गया। इसके बाद कर्मचारी ने इस मौके का फायदा उठाने का प्लान बनाया। उसने दो निजी कंपनियां बनाई और अपने सगे-संबंधियों के 15 से अधिक खाते खोले। जिसके बाद उसने एलएंडटी कंपनी द्वारा किए हुए काम के बदले दोबारा फर्जी बिल बनाए उस पर संबंधित लोगों के फर्जी हस्ताक्षर किए। ट्रेजरी में से एलएंडटी को जो भुगतान पहले हो गए उसका दोबारा से भुगतान करा लिया। पहले साल 2019 में 1.32 करोड़, वर्ष 2022 में 6 करोड़ और जून 2023 में 14 करोड़ रुपए ट्रेजरी से निकाले गए। ये पैसे एसबीआई, एक्सिस बैंक, आइसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ इंडिया में 15 से अधिक खातों में जमा किए गए। यह खेल लगातार चल रहा था। तभी पिछले साल जून में चंद्रशेखर वहां कार्यपालक अभियंता पद पर आए। इस अधिकारी के हस्ताक्षर से भी 60 करोड़ का चेक ट्रेजरी में जमा कर दिया गया था। 14 करोड़ की निकासी भी हो गई थी। जांच के लिए मामला विभाग में आया तो इसका खुलासा हुआ।फिर एफआईआर दर्ज कराई गई।मामला सामने आने के बाद संतोष कुमार फरार चल रहे थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

हथियार के साथ गांजा तस्कर गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की विधानसभा थाना पुलिस ने हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम राजन कुमार चौधरी उर्फ लालू उम्र 25 वर्ष निवासी नयासराय थाना विधानसभा, जिला - राँची है। पुलिस ने इसके पास से कमर में खोसा हुआ एक देसी लोडेड 9mm का पिस्टल, दो जिंदा गोली के साथ 4 किलो गांजा बरामद किया है। गस्ती पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी के घर नशे का कारोबार होता है और अवैध मनोतेजक एवं स्वापक पदार्थ की खरीद बिक्री की जाती है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक करवाई हेतु रांची कै एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार,सिटी एसपी रांची राजकुमार मेहता एव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। टीम के द्वारा समय करीब 12 बजे नयासराय स्थित राजन कुमार चौधरी के घर पर घेराबंदी की गई, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। पकड़ाए व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम राजन कुमार चौधरी उर्फ लालु बताया। तलाशी के क्रम में राजन कुमार के पास से कमर में खोसा हुआ एक देसी लोडेड 9mm का पिस्टल एवं दो जिंदा गोली बरामद हुआ। हथियार बरामद होने के बाद पुलिस ने जब उसके घर की तलाशी ली, तो पुराने अलमिरा में छोटे बड़े प्लास्टिक में पैक किया हुआ करीब चार किलो गांजा बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस की टीम ने राजन कुमार चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। ●

☆ छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी का नाम :-

☞ प्रमोद कुमार मिश्रा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हटिया राँची।

☞ प्रदीप कुमार राय, थाना प्रभारी विधानसभा थाना, राँची ।

☞ पु0अ0नि0 दिनेश कुमार, विधानसभा थाना, राँची ।

☞ आ0- 1158 रमेश उराँव, विधानसभा थाना, राँची ।

☞ आ0- 1309 संजय उराँव, विधानसभा थाना, राँची ।

☞ आ0- 1429 दिनेश उराँव, विधानसभा थाना, राँची ।

☞ आ0- 3738 सुदामा टुटी, विधानसभा थाना, राँची।

☞ आ0-1274 मो0 फसी जमा, विधानसभा थाना, राँची।

तस्करों के खिलाफ पुलिस प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही

● ओम प्रकाश

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर पूरे जिले में विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने में राँची पुलिस जुटी है। पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध शराब, हथियार और मादक पदार्थ की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी एसपी राज कुमार मेहता के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए, रांची के सुखदेवनगर और डेली मार्केट थाना क्षेत्र से अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर गांजा का कारोबार कर रहे चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में देवी मंडप के रहने वाले राजकुमार सिंह, धीरज कुमार सिंह

और खादगढ़ा मिलन चौक के रहने वाले अनिल साव शामिल है। पुलिस ने इनके पास से छोटे-छोटे पुड़िया में करीब आधा किलो गांजा और दो पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है। साथ की पुलिस ने इनके पास से वजन करने वाला मशीन भी बरामद किया है। इधर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में डेली मार्केट थाना क्षेत्र में भी एक गाँजा तस्कर को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक अभिषेक कुमार कृष्णापुरी चुटिया का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से गांजा सहित कई समान बरामद किए है। छापेमारी टीम में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, सुखदेवनगर थाना प्रभारी मनोज कुमार, एएसआई सहाबीर उरांव, एएसआई द्वारिका नाथ ठाकुर, आरक्षी विनोद सोरेन और अमरेंद्र कुमार शामिल थे। ●

सेक्स रैकेट का रांची पुलिस ने किया पर्दाफाश

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में धड़ल्ले से चल रहे सेक्स रैकेट का रांची पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रैकेट में शामिल 10 युवती और 5 युवक समेत पंद्रह लोगो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह रैकेट सदर थाना और डेली मार्केट थाना इलाके में चल रहा था। रांची में बंगाल और बांग्लादेश की लड़कियों से देह व्यापार करवाया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार होटल के कमरों में कुछ युवकों को आपत्तिजनक अवस्था में भी पकड़ा गया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि दलालों के माध्यम से होटल में लड़कियों को भेजा जाता था। छापेमारी के दौरान कई अश्लील सामग्री भी पुलिस ने बरामद किए है। रांची के एएसपी चंदन कुमार सिन्हा और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में बनाई गई विशेष टीम के द्वारा की गई थी छापेमारी। दरअसल, एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में बड़े पैमाने पर देह व्यापार का धंधा चल रहा है। जिसके बाद एसएसपी की विशेष टीम के साथ सदर थाने की पुलिस ने सबसे पहले बूटी मोड़ स्थित रॉयल इन और कोकर स्थित ओयो होटल में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस टीम ने देह व्यापार में लिप्त सात लड़कियों और एक लड़के के साथ-साथ दोनों होटलों के मैनेजरों को भी पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस टीम ने डेली मार्केट थाना क्षेत्र के बड़ा तालाब के पास लेक व्यू होटल में छापेमारी कर होटल मालिक को गिरफ्तार कर लिया और तीन लड़कियां और एक लड़के को भी पकड़ लिया।

☞ **एसपी सिटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया खुलासा :-** रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से देह व्यापार चलाने वाले, देह व्यापार में शामिल लड़कियां और इस ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाने वाले 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, इन सभी को दूसरे दिन जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 10 युवती और 5 युवक समेत पंद्रह लोगो में होटल का मैनेजर और कर्मचारी भी शामिल है।इन सभी की मिलीभगत से एक बड़ा सिंडिकेट बनाकर देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा था।

☞ **आधार कार्ड एवं पहचान पत्र की हो रही जांच :-** सिटी एसपी ने आगे बताया कि छापेमारी में देह व्यापार में संलिप्त लड़कियों के पहचान पत्र भी जब्त किये गये हैं, प्रारंभिक जांच में सभी फर्जी प्रतीत हो रहे हैं। बरामद दस्तावेजों की जांच कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि लड़कियां मूल रूप से कहां की रहने वाली हैं। अब तक की जांच और उनकी भाषा के आधार पर सभी लड़कियां पश्चिम बंगाल और उसके आसपास के इलाके की रहने वाली बताई जा रही हैं।

☞ **DVR जब्त, जांच जारी :-** पुलिस की जांच में पता चला है कि जिन होटलों पर पुलिस ने छापा मारा वहां लंबे समय से देह व्यापार का धंधा चल रहा था। मामले में जांच की दिशा को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस सभी होटलों के सीसीटीवी कैमरे और DVR जब्त कर उनकी जांच करा रही है। पूरा कारोबार ऑनलाइन चल रहा था। आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल में पेटीएम और फोनपे पर भारी मात्रा में लेनदेन के सबूत मिले हैं।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

लोअर बाजार थाना क्षेत्र से चार गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची की लोअर बाजार थाना पुलिस ने दो अलग अलग मामलों में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर मादक द्रव्यों की बरामदगी एवं कारगर कार्रवाई के दृष्टिकोण से चल रहे लगातार चेंकिग के परिणाम स्वरुप पुलिस उपाधीक्षक, नगर, राँची राजकुमार मेहता के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान बहू बाजार की तरफ से आ रहे दो मोटरसाईकिल सवार पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास करने लगे। जिसे उपलब्ध पुलिस बल की मदद से पकड़ लिया गया। जिसके बाद तलाश लेने पर इन दोनो के पास से मादक द्रव्य पदार्थ की बरामदगी की गई। जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में निश्चय गुड़िया उम्र 23 वर्ष, निवासी शांति नगर, ओल्ड एचबी रोड, गढ़ा टोली कोकर, थाना सदर, जिला राँची एवं फरदीन अंसारी उम्र 19 निवासी केएम रोड थाना लोअर बाजार जिला राँची शामिल है। पुलिस ने इनके पास से करीब 659 ग्राम गांजा (कीमत करीब तीस हजार रूपये), बाउन शुगर छह पुड़िया (कीमत करीब तीन हजार रूपये), और एक पल्सर मोटरसाईकिल एन.एस. 200 जब्त किया है। पुलिस के द्वारा इन दोनों आरोपियों का पूर्व अपराधिक इतिहास ज्ञात किया जा रहा है। वहीं दूसरे मामले में लोअर बाजार थाना क्षेत्र के खादगढ़ा बस स्टैंड के भीतरी क्षेत्र में बिहार की ओर जाने वाली गाड़ियों पर लगातार निगरानी रखते हुए तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सअनि भीम सिंह के द्वारा सशस्त्र बल की मदद से दो शराब तस्कर को पकड़ा गया। गिरफ्तार तस्करों में अनुराग प्रकाश, निवासी मिर्जापुर चौक, थाना नगर, जिला दरभंगा बिहार एवं कर्णव चंदन निवासी राम नगर नवादा शामिल है। पुलिस ने इनके पास से दस बोतल अंग्रेजी शराब 750 एम.एल. का, जिसका मूल्य करीब 7200 है, बरामद किया है। ●

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी:-
☞ पुलिस उपाधीक्षक, नगर, रॉंची
2. संजीव कुमार, पु०अ०नि० प्रभारी खादगढ़ा ओ०पी०
3. स०अ०नि० भीम सिंह, खादगढ़ा टीओपी ।
4. साथ सशस्त्र बल

अवैध देसी हथियार के साथ दो गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची की हिंदपीढ़ी पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के नाम मोहम्मद कबीर और मोहम्मद सोनू है। पुलिस ने इनके पास से एक अवैध देशी कट्टा (देशी हथियार) और एक ब्लू रंग का रेडमी स्मार्ट फोन बरामद किया है। राची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि हिंदपीढ़ी इलाके में मस्जिद के पास कुछ अपराधी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं, एवं अपने साथ अवैध हथियार भी रखे हुए हैं।जिसके बाद रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नियंत्रण में कोतवालीी डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी दल मे शामिल समी पुलिस कर्मियों ने कुशलता पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए बड़ी मस्जिद के पास मो0

कवीर उर्फ बब्लु के घर की घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के क्रम में कबीर के घर के स्टोर रूम में रखे ड्रम में प्लास्टिक में लपेटकर रखा गया अवैध देशी हथियार बरामद किया गया। जिसके बाद मो0 कबीर उर्फ बब्लु (उम्र करीब 35) निवासी हिंदपीड़ी को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही एवं अपराध स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर इस काण्ड में संलिप्त उसके दूसरे सहयोगी मो0 सोनु उर्फ सोनु बारूद उम्र 30 वर्ष, निवासी हिंदपीड़ी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों अपराधियों को जेल भेज दिया है एवं अन्य चार*पांच अज्ञात व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर उनकी तलाश कर रही है। ●

छापामारी दल में शामिल पुलिस बल के नाम :-
1. श्री प्रकाश सोय, पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली रांची।
2. पु०अनि0 पवन कमार रजक हिन्दपीी थाना।
3. पु०अ०निव सचिन कुमार मिश्रा हिन्दपीढी थाना। पु०अनिव डेगन कुमार हिन्दपीढी थाना।
4. पु०अ०नि० नवीन कुमार डेली मार्कोट थाना।
5. स०अनि0 अशोक कुमार हिन्दपीढी थाना एवं सशस्त्र बल।

भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

● ओम प्रकाश

झारखण्ड के गिरिडीह में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गयी है। गिरिडीह पुलिस ने जिले के पचंबा थाना क्षेत्र के बुढ़वा तालाब टोल टैक्स के पास स्थित न्यु सुमित होटल से छापेमारी कर 24 पेटी विदेशी शराब की खेप बरामद की है। हालांकि इस दौरान होटल का संचालक मौके पर से फरार हो गया। लेकिन होटल के दो कर्मचारी राजदेव दास और लखन कुमार(दोनों गिरिडीह के ही) पुलिस के हत्थे चढ़ गए।फिलहाल पुलिस जब्त शराब की खेप के संबंध में जानकारी इकट्ठा करने में जुटी हुई है और होटल के संचालक को गिरफ्तार करने के लिए छापामारी कर रही है। बताते चले कि मामले का पता तब चला जब जिले के एसपी दीपक कुमार शर्मा को गुप्त सूचना मिली कि पचम्बा थाना अंतर्गत बुढ़वा तालाब टोल टैक्स के पास स्थित न्यु सुमित होटल में अवैध शराब छिपाकर रखा हुआ है एवं इसकी बिक्री कि जा रही है। सूचना मिलने के बाद गिरिडीह पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पु०नि० मन्टु कुमार अंचल निरीक्षक पचम्बा अंचल, पु०नि० सह थाना प्रभारी मुफ्फसिल, श्याम किशोर महतो, पु०नि० सह थाना प्रभारी नगर शैलेन्द्र प्रसाद, एवं थाना प्रभारी पंचम्बा नरेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में एफ.एस.टी. टीम के साथ न्यु सुमित होटल में तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में न्यु सुमित होटल के पीछे के रूम से पेटी एवं बोरा में छिपाकर रखी गई करीब 24 पेटी विदेशी शराब / बियर विभिन्न ब्राण्डो के कुल 181 लीटर बरामद की गई। पुलिस ने होटल में मौजूद कर्मचारी राजदेव दास और लखन कुमार से वैध कागजात की मांग की पर इनके द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। दोनों व्यक्तियों ने पूछताछ करने के दौरान बताया की यह होटल सुमित साहु द्वारा संचालित किया जाता है। जप्त शराब एवं बियर सुमित साहु का है। फिलहाल पुलिस जब्त शराब की खेप के संबंध में जानकारी इकट्ठा करने में जुटी हुई है।मिली जानकारी के मुताबिक बरामद शराब की तस्करी होने वाली थी।लेकिन उससे पहले पुलिस ने छापामारी कर शराब की खेप को जप्त कर लिया।

-: छापामारी दल के सदस्य :-

☞ श्री गणेश रजक, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, गिरिडीह।
☞ पु०नि० मन्टु कुमार, पचम्बा अंचल, गिरिडीह।
☞ पु०नि० सह थाना प्रभारी, मुफ्फसिल, श्याम किशोर महतो।
☞ पु०नि० सह थाना प्रभारी, नगर, शैलेश प्रसाद।
☞ पंचम्बा थाना प्रभारी पु०अ०नि०नरेन्द्र कुमार यादव।
☞ पु०अ०नि० सोनु कुमार वर्मा, पचम्बा थाना
☞ पु०अ०नि० प्रशांत कुमार सिंह, पचम्बा थाना।
☞ स०अ०नि० राहुल रंजन सिंह, मुफ्फसिल थाना।
☞ हव0 रामदेव यादव।
☞ आ0 1226 सुरजीत कुमार सिंह।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बच्चों में रोग और होम्योपैथिक दवा

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

होम्योपैथी अस्पताल स्टेशन रोड फतुहा के प्रांगण में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता जितेंद्र मिस्त्री, संचालन बब्लू शाह, मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल एवं भाजपा नेत्री शोभा देवी। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बच्चों में ऐसे कई लक्षण होते हैं जो बीमारी नहीं बल्कि प्राकृतिक होती है इस लक्षणों को लक्षण के आधार पर होम्योपैथी दवा से बदलाव की जा सकती है। बच्चे अपनी बीमारियों को नहीं बतला सकते, ऐसी परिस्थितियों में हमें उनके लक्षणों पर ध्यान रखते हुए जो माता-पिता से जो लक्षण में बतलाएं उसके हिसाब से दवा को चयन करना होता है। बच्चों के मामलों में कई प्रकार की प्रवृत्तियां इस प्रकार की होती है जिससे मुख्य धारा की चिकित्सा पद्धति में रोग नहीं माना जाता है। कुछ उदाहरण इस प्रकार है। बच्चा गोद में लिए घूमने के लिए जिद्द करना ,अंगूठा चूसना ,चौक कर उठना, झूठ-मुठ के रोने की प्रवृत्तियां, जिद्दी, बच्चे अत्यधिक क्रोधित, बच्चे रात में रोना दिन में सोना, बिस्तर में पेशाब कर देना, मुंह में लार बहना आदि। ऐसे लक्षणों को होम्योपैथिक में रोग के श्रेणी में मानकर उसका उपचार किया जाता है तथा उसे परिणाम भी सही-सही मिलते हैं। माता-पिता को बड़ा आश्चर्य होता है कि बच्चा जिद्द करता था। रात भर रोता था या दिन भर सोचता था। वह होमियोपैथी दवा से ठीक हो गया।

☞ **बच्चों का अंगूठा चूसना :-** इस प्रकार की आदत को छुड़ाने के लिए दवा के नाम नेट्रम म्यूर 200/1 एम से सीएम तक दी जा सकती है।

☞ **बच्चा यदि देर से बोलना सीखे :-** वैसे स्थिति में नेट्रम म्यूर 200/1000 दी जा सकती है।

☞ **बच्चा बोलना और चलना फिरना दोनों देर से सीखें ऐसी स्थिति में दवा :-** एगरिस मसकेरियस 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए।

☞ **बच्चा अचानक चौक कर उठना :-** बोरेक्स 6/12/30 किसी भी एक दवा एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ **बच्चा को रोने का आदत :-** स्टैफिग्रिसीया 30/200 ।

☞ **बच्चा हठी, जिद्दी, क्रोधी, चिड़चिड़ाना, चिल्लाना और लात मारना :-** ऐसी स्थिति में सैनिक्यूला 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ **बच्चा गोद में लेकर घूमने के लिए जिद करना :-** एंटीमोनियम, टार्ट 30 एक बूंद तीन बार रोज ।

☞ **बच्चा रात भर रोता है दिन में ठीक रहता है :-** जेलापा 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ **तोतलाना :-** स्ट्रेमोनियम 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए।

☞ **लज्जा की प्रवृत्ति :-** फेरम पास एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ **बोलने या लिखने में गलत शब्दों का प्रयोग करना :-** कैली फास 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ **जन्मजात दिमागी कमजोरी :-** मेडोरिन 1 एम से सीएम तक दी जा सकती है।

☞ **बच्चा हॉस्टल में रहना नहीं चाहता :-** कैप्सिकम 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ **बराबर चाकू मारने की इच्छा :-** प्लैटिना 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ **गोली मारने की इच्छा :-** एलुमिना 30 एक बूंद तीन बार रोज।?

☞ **किसी को भी मार डालने की इच्छा :-** हायोसायमस 200 एक बूंद एक बार रोज।

☞ **चोरी करने की आदत :-** स्ट्रेमोनियम, 1000 एक बूंद सप्ताह में दो बार।

☞ **हिंसात्मक प्रवृत्ति :-** प्लैटिना 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ **स्वार्थी :-** आराम मेटालिकम सीएम एक बूंद महिना एक बार।

☞ **बराबर आत्महत्या की धमकी :-** आरम मेटालिकम सी एम एक बूंद महीना में एक बार।

☞ **डरपोक :-** कास्टिकम 1 एम सप्ताह में एक बार।

☞ **उदास प्रवृत्ति :-** सीपीया 1 एम से सीएम तक।

☞ **काम से जी चुराना :-** इथ्यूजा 200 एक बूंद एक बार रोज।

☞ **होमवर्क नहीं करना :-** बैराइटा कार्ब-200 एक बूंद एक बार रोज।

☞ **दूसरे बच्चों के साथ नहीं रहना नहीं खेलना :-** बैराइटा कार्ब 200 एक बूंद एक बार रोज।

☞ **बच्चा को कब्ज का शिकायत :-** एल्यूमीना 200 एक बूंद एक बार रोज।

कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर श्री मती पुनम देवी, कुसुम देवी, आरती देवी, शोभा पटेल,पुजा कुमारी, संजू बेटी, वीभा बहन, अनीता पाटनी, अनामिका पांडे, निशांत कुमार, जितेंद्र मिस्त्री, सत्येंद्र पासवान, पिंकी देवी अंजली देवी संजू बेटी आदि मौजूद थे।●

ब्यूटी पार्लर की असावधानी बन सकती है जानलेवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होयोपैथिक हॉस्पिटल स्टेशन रोड फतुहा के प्रांगण में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता अनीता पाटनी, संचालन शोभा पटेल तथा मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि ब्यूटी पार्लर (सैलून)से आप कितनी भयानक, जानलेवा बीमारी लेकर आ रहे हैं। यदि वहां पर इस्तेमाल होने वाले इंस्ट्रूमेंट तोलिया आदि अगर ठीक ढंग से साफ नहीं होंगे तो आपको जानलेवा बीमारी हो सकती है। सबसे अधिक खतरा हेपेटाइटिस बी और सी का संक्रमण ब्यूटी पार्लर में होने की आशंका रहती है। बताया जाता है कि तौलिया में एक सप्ताह तक सक्रिय रहता हेपेटाइटिस बी का वायरस। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्यूटी पार्लर या छोटे-छोटे सैलून में एक ही तौलिया कई कस्टमर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इस्तेमाल के दौरान अगर किसी संक्रमित के संपर्क में वह तोलिया आया है तो उससे कई लोगों के चपेट में आने की आशंका रहती है। बशर्ते की सेविंग के दौरान कहीं काटा हो या पहले से शरीर में भी कटा -फटा हो।उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस बी का वायरस सात दिनों तक सक्रिय रहता है जो उसे इससे संक्रमित हो जाते हैं, उन्हें पीलिया या लीवर से संबंधित कोई अन्य समस्याएं होने पर भी इसकी जानकारी होती है। शेविंग से संबंधित रेजर,ब्लेड, वगैरह को ठीक से स्ट्रलाइज नहीं करने और कट जाने पर हेपेटाइटिस सी होने की संभावना रहती है।

☞ **संक्रमण से बचने के लिए ब्यूटी पार्लर जाने से पहले रखे ध्यान :-** ब्यूटी पार्लर में जाने के बाद सबसे पहले ध्यान देने की आवश्यकता है कि पार्लर में इस्तेमाल होने वाले इंस्ट्रूमेंट ठीक से साफ है या नहीं।साफ होने के कारण संक्रमण भी फैल सकते हैं। मेनिक्योर पेडिक्योर या फिर थ्रेडिंग के लिए उपयोग होने वाले उपकरण या फिर थ्रेडिंग के लिए उपयोग होने वाले उपकरण अगर ठीक से स्ट्रलाइज न हो तो तुरंत संक्रमण हो सकता है। अगर ठीक से साफ नहीं होते हैं और अगर बीमार व्यक्ति पर इसे इस्तेमाल हो तो बीमारी की आशंका और बढ़ जाती है। पार्लर में हेयर स्टाइल बनवाने या फिर हेयर कट कटवाने पर संक्रमण का डर रहता है। छोटा-मोटा कट भी लगा हो तो गंभीर बीमारी फैलने का डर रहता है। पार्लर जाने से पहले सुनिश्चित करें कि वह सफाई के अच्छे इंतजाम हो ।पार्लर में तौलिए उपयोग कॉमन है। पार्लर तौलिया की जगह टिशू प्रेफर करें या टिशु इस्तेमाल करना मुमकिन न हो। वहां ध्यान दें कि आप के लिए नया तौलिया निकाला जाए। पार्लर में ब्यूटी ब्यूटीशियन एक दिन में कई लोगों को सर्विस करते हैं। जल्दबाजी में कई बार यह हर सर्विस के बाद हांथ धोना भी भूल जाते हैं ।इस पर नाराज होने, लगातार देखते रहने की बजाय रिक्वेस्ट करें कि वे ग्लोव्स पहनकर ही सर्विस करें और हर सर्विस के बाद उसे बदल दे। फेशियल या कोई भी सर्विस लेते हुए ब्यूटीशियन हाथ अवश्य धोएं। अगर आप किसी भी तरह के मौसमी संक्रमण का शिकार हो तो ब्यूटी पार्लर जाना ठीक नहीं है। इस अवसर पर राधा रानी, ममता पटेल ,अनामिका पटेल ,अनामिका पाण्डेय, पुजा कुमारी पिंकी देवी अंजली देवी आदि मौजूद थे।●

किडनी का रोग प्राकृतिक नहीं बल्कि खान-पान में लापरवाही

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होम्योपैथी अस्पताल फतुहा के प्रांगण में स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता अनीता पाटनी ,संचालन संजू बेटी, मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, सत्येंद्र पासवान, शोभा देवी। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आजकल अधिकांश बीमारी एटीएम मशीन बन गया है, एटीएम कार्ड से मनमाना पैसा निकालते हैं। रोग रोकने के बजाय बड़े-बड़े हॉस्पिटल खोले जा रहे हैं। एक गंभीर बीमारी है किडनी का इसे रोकने के बजाय इसके लिए बड़े बड़े अस्पताल खोले जा रहे है जहां किडनी भी ट्रांसप्लांट किया जा रहा है। किडनी के बीमारी कब पता चलता है जब 80% नुकसान हो जाता है। बताया जाता है कि किडनी खराब होने का दो कारण सबसे बड़ी है डायबिटीज और ब्लड प्रेशर। डायबिटीज का मुख्य दो कारण है आलसी जीवन एवं मिठाई का भोजन तथा ब्लड प्रेशर का मुख्य स्रोत है आयोडीन युक्त नमक। अब तो धीरे-धीरे किडनी का बीमारी बच्चों में भी प्रवेश कर गया है ,जिसका मुख्य कारण है माता-पिता का लापरवाही जिसके कारण बच्चों को जंक फूड से प्रभावित हो रही बच्चों की किडनी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार किडनी से संबंधित बीमारियां मृत्यु के प्रमुख कारण से एक है पिछले दो दशकों में किडनी के खराबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवाओं के साथ बच्चों में भी किडनी से जुड़ी समस्याएं सामने आ रही है। इसी को देखते हुए इस वर्ष वर्ल्ड किडनी डे के थीम सभी के लिए किडनी स्वास्थ्य, देखभाल आध ुनिकतम उपचार एक समान पहुंच रखी गई है ।बच्चों में हो रही किडनी से जुड़ी समस्याओं से बचाव के उपाय की आवश्यकता है।

क्यों बीमार हो रही बच्चों की किडनियां खान-पान की गलत आदतें। आजकल के बच्चों में पैकेज फूड और जंग फूड का सेवन बहुत बढ़ गया है, इनमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो बच्चों की किडनी को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। नमकीन स्नैक्स छोटे-छोटे पैकेट में मिलने वाले नमकीन स्नैक्स में बहुत अधिक सोडियम होता है सोडियम किडनैयों से पानी को बाहर निकलता है जिससे की नई पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है इससे की दुनिया कमजोर हो जाती है और उनके बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है।इस अवसर पर रंजीत प्रसाद, पिंकी देवी, टीपू सिंह, अभिलाष पांडे, पूजा कुमारी ममता पटेल अनामिका पटेल अनामिका पांडे बबलू शाह, वीभा बहनघ,खुसबु बहन,अंजु बहन आदि मौजूद थे।●

स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में नाभी सौंदर्य पर परिचर्चा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा समर्थक मंच व भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविन्द पुर फतुहा में शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता अनिल कुमार शर्मा ने किया तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। मुख्य अतिथि ने कहा कि महिलाओं का नाभी को सौंदर्य भगवान का वरदान है।नाभी सौंदर्य आज उन स्त्रियों के लिए आवश्यक हो गया है जो या तो मॉडलिंग करती है या फिल्म जगत या रंगमंच से संबंध रखती है। केवल ऐसी महिलाओं के लिए ही क्यों ,आज तो जो भी महिला शादी ,विवाह ,पार्टी ,शादी में जाती है वह भी नाभी दर्शना साड़ी पहन कर जाना चाहती है और उनमें से कई स्त्रियां की नाभी गहरी नहीं हुई तो उनकी नाभी दर्शना साड़ी का सारा आकर्षण समाप्त हो जाती है। मेरे पास ऐसी बहुत सी स्त्रियां आती रहती है जिनकी समस्या नाभी सौंदर्य की मुख्यत: रहती है। वैसे तो गहरी नाभी ईश्वर का वरदान है, यह बात अपनी जगह पर ठीक है, पर आज के फैशन के युग में जब नाभी दर्शना की साड़ी पहनने का आम चलन हो गया है तब से नाभी सौंदर्य के बारे में ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है।

वैसे नाभी सौंदर्य का प्रचलन प्राचीन काल से चला आ रहा है। नृत्यांगनाओं के लिए श्रृंगार तथा मुद्राओं का विशेष महत्व होता है, इसलिए वे नाभी के प्रकारों तथा नारी श्रृंगार के महत्व को ज्यादा अच्छी तरह से समझती है। आज कुछ महिलाएं चाहे वे कितनी आधुनिक पहनावे पहन लें परन्तु भारतीय परिधान में जो साड़ी का स्थान है, उसके मुकाबले सौंदर्य प्रदर्शन के मामले में सब पोशाकें पिछड़ जाती है। बहनों से कहना है की नाभी दर्शना साड़ी आप पहनना चाहती है तो उसके पहले अपने नाभी की ओर जरूर देख लें, यदि वह पूर्णरूपेण गहरी व सुंदर है तो आप ऐसे साड़ी जरूर पहन सकती है। कितनी महिलाओं के नाभी डण्ठल की तरह निकले रहने पर नाभी का सौंदर्य पूर्ण रूप से चला जाता है। वैसे भी नाभी व वेट की त्वचा के सुंदर स्त्रियों में उनके गर्भधारण करने के पश्चात चला जाता है। गर्भ धारण करने से गर्भणी रेखाएं जो पेट के आसपास बनती है,वे पूरे के सौंदर्य को खराब कर देती है। ऐसे में महिलाएं नाभी दर्शना साड़ी पहनने की हवस से वंचित रह जाती है। आधुनिक फैशन ब्यूटी क्लिनिक तथा चिकित्सा विज्ञान में आज इतनी उन्नति कर ली है कि पढ़ी-लिखी स्त्रियां सहज इस समस्या का समाधान पा सकती है।

होम्योपैथी में नाभी को गहरा करने के लिए लक्षणानुसार कुछ दवाएं प्रयोग की जाती है। सर्वश्रेष्ठ ((होम्योपैथिक दवा बेलाडोना 1 एम है)) नाभी को गहरा करने में काफी मदद करती है। गर्भणी रेखाएं स्त्री के पेट के सौंदर्य के साथ नाभी के सौंदर्य को भी नष्ट कर देती है। इस स्थिति से बचने के लिए महिलाओं को नाभी से 3 इंच नीचे साड़ी पहननी चाहिए।ये निशान ज्यादातर वहीं बनती हैं जहां महिलाएं साड़ी पहनती है। इस कोई भी दवा होम्योपैथिक चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। उक्त अवसर पर भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी, अनामिका पांडे अनीता पाटनी, अनामिका पटेल, शालिनी पटेल ,संजू कुमारी ,अनीता पाटनी , पुजा कुमारी पिंकी देवी अंजली देवी, रेखा शर्मा आदि मौजूद थे।●

10 मई को मनायी जायेगी अक्षय तृतीया का पर्व

इस दिन स्नान,ध्यान, जप-तप और दान पुण्य का विशेष है महत्व :- ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा

● निलेन्दु झा

भारत के प्रसिद्ध प्रतिष्ठित एवं कई बर्षो से विश्वसनीय ज्योतिष संस्थानों मे एक ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान प्रताप चौक, सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की वैशाख महीने के शुक्ल्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है,हिंदू शास्त्रों के अनुसार ये दिन खास महत्व रखता है, इस दिन किसी भी मंगल कार्य को करने से लाभ ही लाभ होगा,पंडित तरुण झा जी के अनुसार, इस बार अक्षय तृतीया 10 मई को होगी! इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ होता है,या मां लक्ष्मी के चांदी की चरण पादुका खरीदकर उसकी पूजा करके घर या दुकान के मंदिर में स्थापित करें, वाहन खरीदने के लिए भी ये दिन उत्तम है, देवी लक्ष्मी का वास धन के साथ धान्य में भी होता है, अन्न का दान जरूर करें अक्षय तृतीया पर त्रैतायुग का आरंभ हुआ था, अक्षय तृतीया पर विष्णु अवतार भगवान परशुराम जी और दशमहाविद्या में नवम देवी भगवती राजराजेश्वरी मातंगी का जन्मोत्सव मनाया जाता है इस दिन दान का सर्वाधिक महत्व होता है, इस दिन संभव हो तो पानी से भरी सुराही, अरवा चावल, दाल, सिंधा नमक, हरी सब्जी, घी, दही, चीनी, मिठाई फल एवं संभव हो तो वस्त्र का दान अवस्य हो तो शुभ माना जाता है!●

फार्म IV (नियम 8 देखें)

01. प्रकाशन का स्थान	:-	पटना
02. प्रकाशन की आवर्तिता	:-	मासिक
03. मुद्रक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं-14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
04. प्रकाशक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
05. संपादक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
06. उन लोगों के नाम और पते जो समाचार पत्र के मालिक हों, या जिनके पास कुल पूंजी का एक फीसदी से अधिक हो	:-	मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
07. कुल पूंजी में एक फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली शेयरधारकों के नाम और पते	:-	मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)

मैं ब्रजेश मिश्र घोषणा करता हूं कि ऊपर दिया गया ब्योरा मेरी जानकारी और मान्यता के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर (ब्रजेश मिश्र)

दिनांक:- **5 अप्रैल 2024** प्रकाशक का हस्ताक्षर

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस महीने जातक को जिनसे मिले कुछ ही समय हुआ है और साथ ही आमदनी के नए स्रोत उत्पन्न होंगे,वैवाहिक जीवन का सुख प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे एवं सम्मान देंगे ।

वृषभ राशि :- इस महीने जातक को किसी फेमस पर्सनालिटी से मिलने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहन के बीच आपसी टकराव हो सकता है, इस महीने अविवाहित जातक के लिए शादी का प्रस्ताव आएगा!

मिथुन राशि :- यह महीना जातक को संचार माध्यम से कोई लाभदायक सूचना मिलेगी। महीने लाभदायक होने वाला है,उन्नति की तरफ बढ़ेंगे!

कर्क राशि :- यह महीना जातक का पैसों के नए स्त्रोत बनेंगे, दोस्त आपको गलत रास्ता दिखा सकते हैं, सतर्क रहें। सरकारी कामों में उन्नति मिलेगी। भविष्य के लिए धन की बचत करेंगे। संतान सुख प्राप्त होगा।

सिंह राशि :- यह महीना जातक का साज-सज्जा के समानों पर धन व्यय होगा,नौकरीपेशा जातको की उच्च पद अधि कारी के साथ वाद-विवाद हो सकता है, सतर्क रहें।

कन्या राशि :- हानी के कारण डिप्रेशन महसूस कर सकते हैं। जातक इस माह कुछ नए कार्य हाथ में लेंगे, किन्तु अच्छा प्रदर्शन नही कर पाएंगे। माह के अंत में एक नया उत्साह दिखाई देगा।

तुला राशि :- इस महीने जातक नौकरीपेशा वर्ग कोई साइड व्यापार करने का प्लान बनाएंगे। किन्तु आलस्य हावी होने के कारण क्रियान्वित नहीं कर पाएंगे, लेकिन काम सुनिश्चित रूप से करेंगे!

वृश्चिक राशि :- यह महीना जातक का अटके हुए कार्यो को आसानी से खत्म कर लेंगे। नया व्यापार करने के लिए समय उत्तम रहेगा, आकस्मिक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि :- यह महीना जातक के शुरुवात से ही व्यापार में लाभ प्राप्ति के योग बनाएंगे । जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार मे शांतिमय वातावरण रहेगा।

मकर राशि :-इस महीने जातक माह के मध्य मे अत्यधिक कार्य के कारण खुद को तनावग्रस्त महसूस कर सकते है। माह के अन्त में जातक को निकट का व्यक्ति धोखा दे सकता है! सावधान रहने की आवश्यकता है!

कुंभ राशि :- यह महीना जातक,जो सपने जातक ने देखे हैं, इस महीने पूरे हो सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त होगी। नौकरी मे उन्नति हो सकती है। नमः शिवाय अवश्य जप करें!

मीन राशि :- यह महीना जातक का नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलने की उम्मीद है,प्रॉपर्टी खरीदने के योग है,किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है,माह के शुरुआत मे ही महत्वपूर्ण कार्य कर लेंगे!

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

☆ प्रश्न :- जानिए नाराजी याचिका (Protest Petition) क्या होती है और कौन कर सकता है इसे दाखिल?

हम अक्सर ही ऐसे मामले देखते हैं जहां एक व्यक्ति (victim/informant) एक मामले को लेकर एक FIR दर्ज करता है, पुलिस उस मामले में अन्वेषण करती है और उसके पश्च्यात पुलिस द्वारा मामले में क्लोजर रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी जाती है। गौरतलब है कि यह रिपोर्ट तब दाखिल की जाती है जब पुलिस को अपने अन्वेषण में FIR में अभियुक्त के तौर पर नामजद व्यक्ति/व्यक्तियों के खिलाफ कोई मामला बनता नहीं दिखता है। इसके परिणामस्वरूप कई बार मजिस्ट्रेट द्वारा ऐसे व्यक्ति/ व्यक्तियों को डिस्चार्ज कर दिया जाता है (हालाँकि, मजिस्ट्रेट ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं है)। गौरतलब है कि यह रिपोर्ट तब दाखिल की जाती है जब पुलिस को अपने अन्वेषण में FIR में अभियुक्त के तौर पर नामजद व्यक्ति/व्यक्तियों के खिलाफ कोई मामला बनता नहीं दिखता है। इसके परिणामस्वरूप कई बार मजिस्ट्रेट द्वारा ऐसे व्यक्ति / व्यक्तियों को डिस्चार्ज कर दिया जाता है (हालाँकि, मजिस्ट्रेट ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं है)। जाहिर सी बात है कि ऐसे मामलों में victim/informant अवश्य ही अभियुक्त के डिस्चार्ज हो जाने से असंतुष्ट होगा। लेकिन क्या हमारा कानून ऐसे व्यक्ति को कोई उपाय देता है जिससे उसके हित को चोट न पहुंचे और अदालत द्वारा उसके मामले को उचित तवज्जो दी जाए? अक्सर यह भी देखा गया है कि जहाँ पुलिस द्वारा एक चार्जशीट दायर की जाती है, उसमे उचित प्रकार से अन्वेषण नहीं किया जाता है, और इसके परिणामस्वरूप यह साफ जाहिर होता है कि मामला कमजोर है और FIR में अभियुक्त के तौर पर नामजद व्यक्ति अंततः डिस्चार्ज/बरी हो जायेगा, और जिसके चलते पीड़ित/अपराध की पुलिस को सूचना देने वाले व्यक्ति को असंतुष्ट होना पड़ेगा। ऐसे मामलों में क्या victim/informant के पास क्या कोई उपाय मौजूद है?

इन सवालों का जवाब हम 'नाराजी याचिका' (Protest Petition) के बारे में जानकार हासिल करेंगे। हम इस लेख के जरिये यह भी समझेंगे कि ऐसे समय में, जहां कई बार पुलिस या अभियोजन पक्ष, पीड़ित के सभी हितों की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, वहां नाराजी याचिका जैसे उपायों के बारे में जागरूक होना, औसत नागरिक को वास्तविक न्याय के लिए उसकी तलाश में उसे कैसे सशक्त बनाता है।

☆ क्या होती है नाराजी याचिका और कौन कर सकता है इसे दाखिल?

'प्रोटेस्ट पिटीशन' (नाराजी याचिका) के सम्बन्ध में दंड प्रक्रिया संहिता, 1973, भारतीय दंड संहिता, 1860 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 या किसी अन्य अधिनियम में कोई प्रावधान नहीं दिया गया है। हम यह कह सकते हैं कि पुलिस द्वारा अन्वेषण पूरा होने के दौरान या बाद में victim/informant द्वारा अदालत में प्रस्तुत किया जाने वाला प्रतिनिधित्व, प्रोटेस्ट पिटीशन (नाराजी याचिका) के रूप में जाना जाता है। गौरतलब है कि जब पुलिस किसी मामले में अपनी रिपोर्ट में इस निष्कर्ष पर आती है कि अन्वेषण के दौरान अभियुक्त (या अभियुक्तों) के खिलाफ आरोप नहीं पाए गए हैं, तब मजिस्ट्रेट द्वारा अंतिम रिपोर्ट को लेकर अपने न्यायिक मत को लागू करने का निर्णय लेने से पहले, नाराजी याचिका के जरिये, victim/informant को इन निष्कर्षों के खिलाफ आपत्तियां उठाने का अवसर दिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसी याचिका को 'नाराजी याचिका' कहने का चलन कलकत्ता हाईकोर्ट से शुरू हुआ जहां कई मामलों में अदालत ने इस शब्द का जिक्र किया। शेकंदर मिया बनाम एम्परर AIR 1933 Cal 614, लक्ष्मी शॉ बनाम एम्परर AIR 1932 Cal 383 एवं चार्ल्स जोन्स बनाम एम्परर AIR 1932 Cal 550 ऐसे मामले हैं जहाँ इस शब्द का इस्तेमाल होते हुए देखा जा सकता है। इन सभी मामलो में उच्च न्यायालय द्वारा प्रोटेस्ट याचिकाओं को पुलिस अन्वेषण का विरोध करने वाले किसी भी अभ्यावेदन के रूप में देखा जाता था। स्वाभाविक रूप से, यह आरोपी व्यक्तियों और परिवादियों/पीड़ितों, दोनों ही पक्षों के द्वारा दायर किया जाता था। जहाँ एक अभियुक्त द्वारा प्रोटेस्ट याचिका केवल जांच के दौरान दायर की जाती थी, वहीं complainant/victim/informant द्वारा यह याचिका पुलिस अन्वेषण के समापन के बाद दायर की जाती थी। आज के समय में, इस तरह की याचिका को आमतौर पर पुलिस द्वारा धारा 173 दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के तहत क्लोजर रिपोर्ट या B-रिपोर्ट (जिसे पहले आम तौर पर अंतिम रिपोर्ट के रूप में समझा जाता था) दर्ज करने के बाद एवं अदालत द्वारा न्यायिक निर्णय लिए जाने से पहले अदालत में दाखिल किया जाता है (आमतौर पर informant/victim द्वारा)। हालांकि, ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज करने वाला व्यक्ति/पीड़ित ही यह नाराजी याचिका दायर करे, परन्तु यह प्रथा रही है कि एक informant/victim द्वारा ही नाराजी याचिका दाखिल की जाती है। इसके अलावा, जैसा कि भगवंत सिंह बनाम informant/victim द्वारा ही नाराजी याचिका दाखिल की जाती है। इसके अलावा, जैसा कि भगवंत सिंह बनाम कमिश्नर ऑफ पुलिस एवं अन्य (1985) 2 SCC 537 के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा संकेत दिया गया है, इस याचिका को दाखिल करने का अधिकार मुखबिर (पुलिस को किसी अपराध की इत्तिला देने वाला व्यक्ति, जोकि मामले में पीड़ित भी हो सकता है) को ही दिया गया है और किसी को नहीं। हालाँकि, एक हालिया मामले आर. धरमलिंगम बनाम राज्य (इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस दक्षिण कोयम्बटूर) Cr. RC. No.-967 of 2019 में मद्रास हाईकोर्ट ने यह माना है कि जहाँ याचिकाकर्ता/पीड़ित, ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी किसी परिवाद में रुचि है और उन्हें उस मामले में दायर अंतिम रिपोर्ट के बारे में सूचित नहीं किया जाता है, तो न्यायालय उस मामले को, मजिस्ट्रेट के सामने अंतिम रिपोर्ट दायर किए जाने का समय/स्तर मानते हुए देखेगी और इसका परिणाम यह होगा कि इस स्तर पर याचिकाकर्ता को नाराजी याचिका दायर करने का अधिकार होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के इस फैसले की पुष्टि इसी महीने (फरवरी 2020) में की जिसमें यह माना गया था कि एक याचिकाकर्ता, एक पीड़ित होने के नाते, पुलिस की अंतिम रिपोर्ट की स्वीकृति से पहले अनिवार्य रूप से नोटिस प्राप्त का हकदार है और यदि ऐसा कोई नोटिस नहीं उसे नहीं दिया गया है, तो उसका अधिकार है कि वह नाराजी याचिका दायर कर सके।

☆ क्या क्लोजर रिपोर्ट दाखिल होने से पहले नाराजी याचिका पर विचार किया जा सकता है?

दिल्ली में वकालत करने वाले अधिवक्ता अभिनव सिकरी का यह मानना है कि क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करने से पहले प्रोटेस्ट पिटीशन पर विचार करने पर कोई रोक नहीं है। मजिस्ट्रेट, क्लोजर रिपोर्ट से पहले ही नाराजी याचिका को अच्छी तरह से देख सकता है और फिर उसके बाद क्लोजर रिपोर्ट पर खुद ही संज्ञान ले सकता है। इसके अलावा एक विरोध याचिका प्राप्त करने के बाद मजिस्ट्रेट को धारा 156 (3) Cr. P.C. के तहत आगे का अन्वेषण करने के निर्देश देने का भी अधिकार है। इसी तरह, यह भी कई मामलों में तय किया गया है कि अगर मजिस्ट्रेट, प्रोटेस्ट पिटीशन पर संज्ञान लेने का निर्णय लेता है, तो उसे सीआरपीसी की धारा 2 (डी) के तहत एक 'परिवाद' (Complaint) के अवयवों को संतुष्ट करना होगा और फिर शिकायतकर्ता का ओथ पर परिक्षण करना होगा इससे पहले कि अभियुक्तों को समन जारी किया जा सके।

R.K.P. VIYDYALAYA
AFFILIATED TO CBSE NEW DELHI UPTO 10+2
SAILENT FEATURES
HOSTEL FACILITY
Eco Friendly Environment.
E-Learning & Smart Classes.
Bus Facility with Affordable Fees.
Whole Campus under CCTV Surveillance.
Qualified Well trained & Caring Teacher's.
ADMISSION OPEN FOR 2024-25
Add.: Babhana Kataiya (Near Sai Mandir) Jehanabad.
Cont @ 843400102, 8294683698 Web.: www.rkpvjehanabad.in

Ashirwad
आशीर्वाद
स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय
Badauan, Gaya (Bihar)
डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी,
एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन,
बांझपन, ल्यूकोरीया, थायराइड,
मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि
जटिल रोगों का उपचार
करा कर थक चुके हैं, तो
सम्पर्क कर सकते हैं :-
Dr. Mantu Mishra
फोन नंबर :- 9939978397
समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

शुद्ध चावल एवं मक्के के आटे से निर्मित नमकीन
Dhunky
NAMKEEN
Shree Shyamji Udyog
गजब स्वाद की ! गजब कहानी !
Rings
Veg Biryani
Light Box
fssai
Lic No. 10424110000004
Veg Biryani
masala pola
katori chaat
rings
snacks
Expanding our Namkeen family!
Dealers inquiries welcome, contact us today!
NEAR JAI PRAKASH EVENING INTER COLLEGE
JANDAHA ROAD HAJIPUR (VAISHALI)
MOB: 7782053204
MADE IN INDIA
PURE

GSTIN : 10KEPD0123PIZP
उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है
Cookie का बेहतर श्रृंखला
PRATIK ENTERPRISES
राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर,
मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के
मनपसंद तैयार किया जाता है।
शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी
किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।
प्रतीक फुड कंपनी
प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)
-: सौजन्य से :-
ब्रजेश कुमार दुबे
Mob.-9065583882, 9801380138

शोक संदेश

!! भावपुर्ण श्रद्धांजली !!

स्व. सुषमा मिश्र

चेयरमैन

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित कर रहा हूं कि मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सुषमा मिश्र का अकास्मिक निधन दिनांक 30 मार्च 2024 को हो गया, जिससे परिवार सदस्य के साथ-साथ मित्रगण, ट्रस्ट सदस्य और केवल सच पत्रिका परिवार के समस्त पत्रकार मर्माहत एवं शोकाकुल हैं।

(श्री हरि अपने चरणों में सुषमा मिश्र को स्थान दें)

-: विनीत :-

ब्रजेश मिश्र उरवार

संस्थापक सह संपादक, ''केवल सच'' मीडिया ग्रुप

-: निवास स्थान :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)

मों :- 9431073769, 8340360961, 7903242847